नई दिल्ली
गुरुवार
02 मई, 2024
वर्षः 10, अंकः 240
पृष्ठः 08, मूल्य 2 रु0
E-mail
story@sadbhawna.today
sadbhavnatoday@gmail.com
web: www.sadbhawna.today

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सद्भावना टुडे

आवाज़ अधिकार की

झंझारपुर में विरोधियों के कन्टेस्ट से दूर राजग...पेज-05

DELHIN/2014/58158

आईसीसी टी-20 विश्व कपः भारतीय टीम 21...पेज-07

हिन्दी में प्रकाशित होने वाला सबसे लोकप्रिय दैनिक समाचार पत्र
'सद्भावना टुडे'
में विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें :-
011-43678240
E-mail
story@sadbhawna.today
sadbhavnatoday@gmail.com
web: www.sadbhawna.today

प्रधानमंत्री के पद को भी टुकड़ों में बांटना चाहता है विपक्षः मोदी

लातूर,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को विपक्ष पर निशाना साधते हुए दावा किया कि वह न केवल भारत को ही नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री के पद को भी टुकड़ों में बांटना चाहता है। महाराष्ट्र के माधा और धाराशिव के बाद यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार एवं मौजूदा सांसद सुधाकर श्रृंगारे के समर्थन में तीसरी चुनावी रैली को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने कहा, ये लोग (विपक्ष) न केवल भारत को, बल्कि प्रधानमंत्री के पद को भी टुकड़ों में बांटना चाहते हैं। उनकी योजना पांच वर्षों में पांच प्रधानमंत्री बनाने की है, जो देश को लूटने के एक व्यवस्थित प्रयास का संकेत देता है। क्या हम उन्हें थोड़ा सा भी मौका दे सकते हैं? यह देश को अस्थिरता की ओर धकेल सकता है, खासकर इस चुनौतीपूर्ण समय में।

उन्होंने कहा, आज, जब भी आप टीवी चालू करते हैं या अखबार उठाते हैं, तो आपको विभिन्न क्षेत्रों में भारत की तीव्र प्रगति को दर्शाने वाली कई रिपोर्टें मिलेंगी- चाहे वह बाजार हो, विनिर्माण, अंतरिक्ष या रक्षा। आइए 2014 से पहले की अवधि को याद करें। उस समय दिल्ली और मुंबई में बम विस्फोटों और आतंकवाद के खिलाफ भारत के संघर्ष की खबरें भरी होती थीं। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा, आज की तुलना करें-भारत अपनी सीमाओं को चुनौती देने वाले किसी भी व्यक्ति को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए जाना जाता है। पहले, भारत पाकिस्तान को डोजियर सौंपता था, अब सर्जिकल स्ट्राइक करता है। उन्होंने कहा, कांग्रेस शासन के तहत अर्थव्यवस्था जर्जर स्थिति में थी, सुर्खियों में विकास दर और सकल घरेलु उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़ों में गिरावट का रोना था। हर दिन एक नए घोटाले की खबर आती थी, लेकिन अब, भ्रष्ट व्यक्ति सलाखों के पीछे हैं और अवैध धन की बड़ी रकम की वसूली की खबरें सुर्खियों में हैं। भारत का परिवर्तन स्पष्ट है। उन्होंने कांग्रेस पर जलयुक्त शिवार और मराठवाड़ा जल ग्रिड जैसी जल योजनाओं में लगातार देरी करने और बाधा डालने का आरोप लगाया। महाराष्ट्र के लोगों को महायुति उम्मीदवारों को वोट देने के लिए प्रोत्साहित करते हुए श्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया, आपका वोट एक मजबूत भारत और एक मजबूत सरकार की स्थापना के लिए महत्वपूर्ण है। आपके वोट मोदी की शक्ति को भी मजबूत करेंगे। इस रैली के बाद श्री मोदी तेलंगाना के जहीराबाद में अपनी चौथी चुनावी रैली को संबोधित करने के लिए रवाना हो गए।

देश के लिए तो मैं सिर्फ एक सेवक हूं- मोदी

हिम्मतनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी में बुधवार को कहा कि शायद दुनिया के लोग उन्हें एक देश के प्रधानमंत्री के तौर पर जानतें होंगे। परंतु देश के लिए तो मैं सिर्फ एक सेवक हूं। देशवासियों के लिए सेवा का व्रत लेकर निकला हुआ, हमेशा आपका साथी नरेन्द्रभाई हूं। यही शक्ति है जिसे लेकर हम आगे बढ़ रहे हैं। श्री मोदी ने साबरकांठा के हिम्मतनगर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि 2014 में जब आपने मुझे दिल्ली भेजा तो छोटे-मोटे काम करने के लिए थोड़े भेजा था। आपने मुझे चुनौतियों को चुनौती देने के लिए भेजा था। चुनौतियों को टालने के लिए नहीं चुनौतियों से टकराने के लिए भेजा था। इस मिट्टी में वह ताकत है दुनिया ने महात्मा गांधी में वो ताकत देखी थी। देश ने सरदार वल्लभ भाई पटेल में वो सामर्थ्य देखा था। इस मिट्टी में वो ताकत है जिसने मुझे पाला, पोसा और बड़ा किया और मैं आप सबकी सेवा करने में दिन-रात खपाता रहता हूं। उन्होंने कहा कि दस साल पहले तक देश आतंकवाद की आग में जल रहा था। जब आतंकवादी आते थे तो बहुत बड़ी घटना करते थे। मुंबई में उन्होंने 26/11 किया। उस समय की सरकार डॉजियर भेजती थी। आज का भारत आतंक के आकाओं को डॉजियर नहीं डोज देता है और घर में घुसकर मारता है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी दो दिन के गुजरात दौरे पर हैं। उन्होंने पहले दिन आज बनासकांठा के डीसा के बाद साबरकांठा के हिम्मतनगर में जनसभा को संबोधित किया।

बम की धमकी के बाद दिल्ली के स्कूल बंद

अफवाह का संदेह

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के कई स्कूलों को बुधवार को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद दिल्ली पुलिस ने बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया। दिल्ली के सभी स्कूलों को खाली करा लिया गया और छात्रों को सुरक्षित घर भेज दिया गया। दिल्ली पुलिस ने %एक्स% पर पोस्ट में कहा दिल्ली के कुछ स्कूलों को बम की धमकी वाले ई-मेल मिले। दिल्ली पुलिस ने प्रोटोकॉल के तहत ऐसे सभी स्कूलों की गहन जांच की है। कुछ भी आपत्तिजनक नहीं मिला है। ऐसा प्रतीत होता है कि ये मेल फर्जी हैं। हम जनता से अनुरोध करते हैं कि वे घबराएं नहीं और शांति बनाए रखें।

पुलिस ने कहा कि धमकी भरा मेल, जो कॉपी (सीसी) किया गया था और कई स्कूलों को भेजा गया था, फर्जी होने का संदेह है क्योंकि अब तक किसी भी स्कूल से कुछ भी बरामद नहीं हुआ है। पुलिस उपायुक्त देवेश कुमार महला ने मीडिया से बात करते हुए कहा, हमने सभी स्कूलों की जांच की है और कुछ भी नहीं मिला है, घबराने की जरूरत नहीं है। दिल्ली पुलिस की पीआरओ सुमन नल्ला ने मीडिया को बताया कि वह उन स्कूलों की सटीक संख्या का खुलासा नहीं करना चाहेंगी जिन्हें धमकी भरा मेल मिला है। उन्होंने कहा, यह दहशत पैदा करने के लिए भेजा गया है। पुलिस के अनुसार दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) की द्वारका और वसंत कुंज शाखा, पूर्वी मयूर विहार में मदर मैरी स्कूल, चाणक्यपुरी में संस्कृति स्कूल, पुष्प विहार में एमिटी स्कूल और दक्षिण पश्चिम दिल्ली में डीएवी स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। उच्च सुरक्षा क्षेत्र में आने वाले डीपीएस नोएडा को भी इसी तरह बम से उड़ाने की धमकी मिली है। धमकियों की जानकारी मिलते ही पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सभी स्कूलों को खाली करा लिया। दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, स्कूल बंद कर दिए गए हैं और छात्रों को घर वापस भेज दिया गया है। उन्होंने कहा, %सभी स्कूलों में जांच चल रही है और हमारी तकनीकी शाखा ईमेल की जांच कर रही है। दक्षिण पश्चिम दिल्ली और द्वारका के पुलिस उपायुक्तों ने मीडिया को बताया कि धमकी भरे मेल सुबह करीब साढ़े चार बजे भेजे गए थे। स्कूलों ने छात्रों के अभिभावकों को सुबह करीब 6.30 बजे सूचित कर दिया। पुलिस ने कहा, बम खोजी टीमें, बम निरोधक दस्ते और दिल्ली अग्निशमन सेवा के अधिकारियों को स्कूलों में भेजा गया है और तलाशी अभियान चल रहा है।

एक नजर

राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने किये रामलला के दर्शन

अयोध्या,एजेंसी। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने बुधवार को अयोध्या में भगवान श्रीराम की जन्मभूमि में दिव्य मंदिर में रामलला का दर्शन पूजन किया। श्रीमती मुर्मू ने यहां अपने संक्षिप्त दौरे की शुरुआत प्रसिद्ध हनुमानगढ़ी मंदिर से की जहां उन्होने रामभक्त हनुमान जी का दर्शन पूजन किया और आरती उतारी। बाद में उनका काफिला श्रीरामजन्मभूमि की ओर रवाना हो गया। राष्ट्रपति ने जन्मभूमि पर दिव्य और भव्य बन रहे राम मंदिर में विराजमान रामलला का दर्शन-पूजन किया। इससे पहले महर्षि वाल्मीकि अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू का स्वागत उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल एवं कैबिनेट मंत्री सूर्यप्रताप शाही ने किया। इस अवसर पर कई प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे।

मिसाइल आधारित स्मार्ट टारपीडो का सफल परीक्षण

नई दिल्ली,एजेंसी। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन(डीआरडीओ) ने नई पीढ़ी की मिसाइल आधारित हल्की टारपीडो प्रणाली स्मार्ट का बुधवार को सफल परीक्षण किया। ओड़िशा के तटीय क्षेत्र में डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से किए गए इस परीक्षण से नौसेना की पनडुब्बी रोधी मारक क्षमता में इजाफा होगा और अब नौसेना पारंपरिक रेंज से अधिक दूरी तक मार करने में सक्षम होगी।इस प्रणाली का डिजाइन और विकास डीआरडीओ ने किया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस प्रणाली के सफल परीक्षण पर बधाई देते हुए कहा है कि इससे नौसेना की मारक क्षमता बढ़ेगी। डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ समीर वी कामत ने भी स्मार्ट प्रणाली के विकास से जुड़े वैज्ञानिकों को बधाई दी है।

अमेठी-रायबरेली के उम्मीदवारों के नाम 24 घंटे में कर देंगे तयः कांग्रेस

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस ने कहा है कि अमेठी और रायबरेली संसदीय क्षेत्र के लिए उम्मीदवारों के नाम अगले 24 से 30 घंटे के भीतर तय कर दिए जाएंगे। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने बुधवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन के दौरान सवालों के जवाब में कहा कि उम्मीदवार तय करने में देरी नहीं हुई और अगले 30 घंटे में दोनों सीटों के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर देंगे। उन्होंने कहा कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति ने कांग्रेस अध्यक्ष को अधिकृत किया है कि वह जल्द से जल्द रायबरेली तथा अमेठी के लिए उम्मीदवारों का चयन कर दें और मुझे लगता है 24 घंटे के अंदर कांग्रेस अध्यक्ष अमेठी और रायबरेली के लिए उम्मीदवारों की चयन की घोषणा कर देंगे।

सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री ने स्पेक्ट्रम आवंटन पर केंद्र की याचिका अस्वीकार की

नई दिल्ली,एजेंसी। उच्चतम न्यायालय की रजिस्ट्री ने 2012 के 2जी स्पेक्ट्रम फैसले से हटकर कुछ विशेष मामलों में स्पेक्ट्रम के प्रशासनिक स्तर पर आवंटन की अनुमति देने की केंद्र सरकार की याचिका स्वीकार करने से इनकार कर दिया। शीर्ष अदालत के रजिस्ट्रार (न्यायिक सूची) पवनेश डी ने याचिका को 'गलत धारणा' वाला करार दिया, क्योंकि सरकार ने स्पष्टीकरण मांगने की आड़ में 2012 के आदेश की समीक्षा की मांग की थी। उन्होंने कहा कि लंबे समय अवधि के बाद दायर इस याचिका पर विचार करने के लिए कोई 'उचित कारण' नहीं पाया गया।

उन्होंने अस्वीकार करते हुए कहा, इस अदालत द्वारा निर्धारित सिद्धांतों के मद्देनजर केंद्र के इस आवेदन पर गौर करने पर स्पष्ट हुआ कि यह सुनवाई करने योग्य नहीं है, क्योंकि यह याचिका (विचार करने के लिए) किसी भी उचित आधार का खुलासा नहीं करता है। रजिस्ट्रार ने यह भी कहा कि आवेदक ने समीक्षा याचिका में पहले से ही की गई एक समान प्रार्थना के साथ वर्तमान आवेदन दाखिल करने की आड़ में लंबे समय के बाद खुली अदालत में मामले की दोबारा सुनवाई कराने का प्रयास किया, जिसकी अनुमति नहीं दी जा सकती। रजिस्ट्रार ने कहा, दो फरवरी 2012 के फैसले में साफ तौर पर कहा गया है कि आवेदक को फैसले के स्पष्टीकरण के लिए इस प्रकृति का आवेदन दायर करने का अधिकार नहीं देती है। इससे भी स्पष्ट है कि जब भारत सरकार की ओर से शीर्ष अदालत द्वारा निर्धारित कानून (निर्धारित) की समीक्षा की मांग करते हुए दायर की गई समीक्षा याचिका 10 मई, 2012 को वापस ले ली गई। याचिका में केंद्र सरकार ने उस फैसले में संशोधन की मांग की थी, ताकि प्रशासनिक प्रक्रिया के माध्यम से स्पेक्ट्रम का आवंटन किया जा सके। केंद्र ने सुरक्षा, रक्षा, सुरक्षा और आपदा तैयारी जैसे कुछ महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिए कार्यकारी कार्रवाई के माध्यम से आवंटन की अनुमति मांगी थी।

सीबीआई की ऐप-आधारित धोखाधड़ी निवेश योजना के खिलाफ 10 राज्यों में छापेमारी

चेन्नई,एजेंसी। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने बुधवार को ऐप-आधारित कथित धोखाधड़ी वाली निवेश योजना से संबंधित एक मामले की जांच के दौरान देश के 10 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 30 ठिकानों पर एक साथ छापे मारे। इस दौरान सीबीआई को लैपटॉप, मोबाइल फोन, एटीएम कार्ड, कंप्यूटर हार्ड ड्राइव, सिम कार्ड, डेबिट कार्ड और अन्य अहम चीजें बरामद हुई।मामले में सीबीआई ने बताया कि एचपीजेड टोकन ऐप से जुड़ी निवेश योजना के मामले में कथित धोखाधड़ी के मामले में मिली शिकायत पर उसने मामला दर्ज किया था।

सीबीआई ने बताया कि यह मुकदमा दो प्राइवेट कंपनियों और उनके निदेशकों तथा अन्य आरोपियों के खिलाफ दर्ज किया गया। मुकदमा भारतीय दंड संहिता की धारा 120बी, 419,420 और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 की धारा 66 डी के तहत दर्ज किया गया। आरोप है कि शिगू टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड और लिलियन टेक्नोकैब प्राइवेट लिमिटेड - अपने निदेशकों के साथ एचपीजेड टोकन ऐप से संबंधित धोखाधड़ी वाली निवेश योजना में आरोपी संलिप्त थे।

इस योजना में जनता को गैर-मौजूद क्रिप्टो-मुद्रा माइनिंग मशीन किराये में निवेश करने के लिए गुमराह करना शामिल था। एचपीजेड एक ऐप-आधारित टोकन है जो उपयोगकर्ताओं को बिटकॉइन और अन्य क्रिप्टो करेंसी के लिए माइनिंग मशीनों में निवेश करके बड़े लाभ का झांसा देते हैं।

इसके तहत सीबीआई ने दिल्ली-एनसीआर, जोधपुर, बेंगलुरु, मुंबई, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, ओडिशा, बिहार और मध्य प्रदेश में 30 ठिकानों पर छापेमारी की। इस दौरान टीम को बड़ी संख्या में ईमेल अकाउंट के बारे में भी जानकारी मिली। सीबीआई का आरोप है कि एचपीजेड एक ऐप आधारित टोकन है। जो लोगों को बिटकॉइन और अन्य क्रिप्टो करेंसी के लिए माइनिंग मशीन में निवेश करने में बड़ा फायदा होने का दावा करता है।

पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू

नई दिल्ली। अगले वर्ष गणतंत्र दिवस पर घोषित किए जाने वाले पद्म पुरस्कारों के लिए ऑनलाइन नामांकन तथा सिफारिश करने की प्रक्रिया बुधवार से शुरू हो गई और नामांकन 15 सितंबर तक किये जा सकते हैं। गृह मंत्रालय ने आज एक विज्ञप्ति जारी कर कहा कि इन पुरस्कारों के लिए नामांकन तथा सिफारिशें मंत्रालय की वेबसाइट पर राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल पर ऑनलाइन की जा सकती हैं। पद्म पुरस्कारों में देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री शामिल हैं। ये पुरस्कार वर्ष 1954 में शुरू किये गये थे और इनकी घोषणा हर वर्ष गणतंत्र दिवस के अवसर पर की जाती है। ये पुरस्कार कला, साहित्य एवं शिक्षा, खेल, चिकित्सा, समाज सेवा, विज्ञान एवं इंजीनियरी, लोक कार्य, सिविल सेवा, व्यापार एवं उद्योग आदि जैसे क्षेत्रों में विशिष्ट और असाधारण उपलब्धियों के लिए प्रदान किए जाते हैं।

अपमानित करने के लिए कांग्रेस ने दिया हिंदू आतंकवाद शब्दः योगी

संजय सिंह, वरिष्ठ पत्रकार

सोलापुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के स्टार प्रचारक एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि हिंदुओं को अपमानित करने के लिए कांग्रेस ने हिंदू आतंकवाद शब्द दिया है। सोलापुर लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी श्रीराम सतपुते के पक्ष में जनसभा को संबोधित करते हुये उन्होंने कहा कि कांग्रेस गुमराह करने के लिए जातीय जनगणना का झुनझुना पकड़ाया है। इसके माध्यम से यह हिंदू जातियों को लड़ाएंगे और जब आरक्षण का मुद्दा इनके मुद्दे से अलग हो जाएगा। हिंदू लड़ने लग जाएगा तो आपके हक को मुसलमानों को देंगे। फिर भारत के इस्लामीकरण- तालीबानीकरण की रूपरेखा कांग्रेस तैयार कर देगी। मजहब के आधार पर फिर से बंटवारा नहीं होने देना है।

उन्होंने कहा कि हिंदुओं को अपमानित करने के लिए इन लोगों ने क्या कुछ नहीं किया। यह वही कांग्रेस है, जिसने राम के अस्तित्व पर प्रश्न खड़ा किया था और हिंदुओं को अपमानित करने के लिए यूपीए सरकार में हिंदू आतंकवाद का शब्द भी दिया था। देश के तत्कालीन गृह मंत्री के परिवार के लोग खूनी पंजे से चुनाव लड़ने आए हैं। आपको उनसे सावधान रहना है। इन लोगों ने यह भी कहा था कि मालेगांव विस्फोट में योगी आदित्यनाथ का भी नाम होगा। हम सीबीआई रेड कराएंगे। हमने कहा कि प्रमाण के साथ भेजना। योगी ने कहा कि आज कोई दुश्मन देश भारत की सीमा में अतिक्रमण नहीं कर सकता। नक्सलवाद, आतंकवाद समाप्त हो गया। अब पटाखा फूटने पर पाकिस्तान सफाई देता है कि मेरा हाथ नहीं है, क्योंकि उसे पता है कि नया भारत किसी को छेड़ता नहीं, लेकिन छेड़ने वाले को छोड़ता भी नहीं। यह कांग्रेस के समय का भारत नहीं है कि कोई थप्पड़ मारता था तो कहते थे कि रुक जाओ, कहीं माहौल खराब न हो जाए। अब कोई थप्पड़ मारेगा तो नया भारत जोरदार घूसे से उसका जबड़ा तोड़ने की ताकत रखता है। उन्होने कहा कि रामजन्मभूमि आंदोलन में महाराष्ट्र के भाजपा व शिवसेना कार्यकर्ताओं ने भी बढ़चढ़ कर भाग लिया और सफलता अर्जित की। पीएम मोदी के प्रयास व सभी के सहयोग से अयोध्या में प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर बन गया है। यह मंदिर भव्य भारत के राष्ट्र मंदिर का चित्रण प्रस्तुत करता है। राम मंदिर इस बात का संकेत है कि हम एकजुट होकर कार्य करेंगे तो सिद्धि जरूर प्राप्त होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या में श्रीराम मंदिर कांग्रेस के लोग नहीं बना पाते। वे कहते थे कि राम हुए ही नहीं। जब राम मंदिर का फैसला हो रहा था तो कहते थे कि खून की नदियां बहेंगी। मैंने कहा कि यूपी में हम हैं, मच्छर भी नहीं मरने वाला। यूपी में सात वर्ष में दंगा-कर्फ्यू तक नहीं लगा। यूपी में राम मंदिर बना है तो माफिया का राम नाम सत्य भी हो रहा है।

चुनाव आयोग ने मतदाताओं से उम्मीदवारों की जानकारी जांचने का किया आग्रह

नई दिल्ली,एजेंसी। लोकसभा चुनाव के छठे चरण के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही चुनाव आयोग ने बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी के मतदाताओं से अपने उम्मीदवारों के बारे में जानकारी जांचने का आग्रह किया।

लोकसभा चुनाव 2024 के छठे चरण के लिए अधिसूचना जारी होने के साथ ही नामांकन प्रक्रिया 29 अप्रैल को शुरू हो गई है और यह छह मई तक जारी रहेगी। आयोग ने कहा है कि उसने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर नामांकन दाखिल करने वाले उम्मीदवारों की जानकारी अपलोड कर दी है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के सभी पंजीकृत मतदाताओं को सूचित किया जाता है कि संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों यानी चांदनी चौक, उत्तर पूर्व, पूर्व, नई दिल्ली, उत्तर पश्चिम (सुरक्षित), पश्चिम और दक्षिण के उम्मीदवारों द्वारा फॉर्म -26 में शपथ पत्र जमा किए जा रहे हैं। शपथ-पत्र मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) दिल्ली की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दिए गए हैं। शपथपत्रों में नामांकन दाखिल करने वाले उम्मीदवारों से संबंधित शैक्षणिक योग्यता, चल और अचल संपत्ति, अदालती मामले, सरकारी बकाया और अन्य देनदारियों जैसी जानकारी शामिल हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने दिल्ली के सभी मतदाताओं को सलाह दी और उन्हें प्रोत्साहित किया कि वे अपने उम्मीदवारों के बारे में घोषित जानकारी वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यडॉटसीईओदिल्ली डॉटएनआईसीडॉटइन पर प्राप्त कर सकते हैं।

घर-दफ्तर छोड बच्चों को लेने स्कूल की ओर दौड़ पड़े अभिभावक

मो. हबीबुल्लाह उर्फ मुन्ना, सद्भावना टुडे संवाददाता

नई दिल्ली। स्कूलों में बम होने की कॉल पुलिस को मिलने के बाद जैसे ही इसकी सूचना सोशल मीडिया प्लेटफार्म और टीवी चैनलों पर प्रसारित हुई, अभिभावकों को बच्चों की सुरक्षा की चिंता सताने लगी। कुछ स्कूलों के प्रबंधन की ओर से भी अभिभावकों को व्हाट्सएप ग्रुप और ई-मेल से सूचना भेज दी गई थी। थोड़ी ही देर में अफरातफरी का माहौल बन गया। बच्चों को स्कूलों से लाने के लिए अभिभावक घर-दफ्तर छोड़ स्कूलों की ओर दौड़ पड़े। लोगों में तनाव इस तरह बढ़ गया कि बच्चों को स्कूल से लाने के लिए लोगों ने डॉक्टर के अप्वाइंटमेंट तक छोड़ दिए। हड़बड़ी में वाहन लेकर सड़कों पर लोग उतरे तो एकाएक वाहनों की संख्या बढ़ जाने से जगह-जगह यातायात जाम हो गया। स्कूलों के आसपास रहने वाले लोग पैदल ही घरों से स्कूलों के लिए निकल पड़े। बच्चों के सुरक्षित घर पहुंच जाने पर उन्होंने राहत की सांस ली।

बुधवार सुबह पीतमपुरा स्थित डीएवी (पुष्पांजलि एन्क्लेव) में अचानक से अभिभावकों को भीड़ जुट गई। लोग कैब संचालकों का इंतजार किए बैगर सीधे स्कूलों में पहुंच गए, जिससे स्कूल के बाहर भीषण जाम की स्थिति खड़ी हो गई। चौथी कक्षा में पढ़ रही बेटी को लेने पहुंचे संदीप कोहली ने कहा कि मैं अभिभावक भी हूं और स्कूली कैब भी चलाता हूं। बच्चों को स्कूल में छोड़कर अपनी नौकरी पर चला जाता हूं। सुबह बच्चों को स्कूल छोड़कर ड्युटी पर पहुंचा ही था तो घर से फोन आया

कि स्कूल ने मैसेज भेजा है। स्कूल ने सुरक्षा के चलते छुट्टी कर दी है। उसके बाद घरवालों के फोन आने लगे तो ड्यूटी बीच में छोड़कर यहां आया हूं, लेकिन यहां पर हर कोई परेशान है। जिन बच्चों को कैब में लाता और ले जाता हूं, उनके परिजनों के भी लगातार कॉल आ रहे हैं। स्कूल प्रबंधन लोगों को समझा रहे हैं कि कोई घबराने की बात नहीं है, लेकिन दिल को सुकून नहीं मिल रहा। जो लोग अपने बच्चों को कैब से भेजते थे वो अपनी निजी कार या अन्य वाहन लेकर स्कूल आ गए हैं।

स्कूल में बम की कॉल से न केवल वह स्कूल प्रभावित हुए जहां मेल आया था बल्कि अन्य स्कूलों में भी परिजन बच्चों को लेने पहुंचने लगे। रेयान इंटरनेशनल स्कूल रोहिणी सेक्टर-25 पर मौजूद सूरज ने बताया कि उनका भतीजा यहां पढ़ता है। उसके स्कूल के ग्रुप में मैसेज कर बताया गया कि उनके यहां सब ठीक है। लेकिन फिर भी वह चाहें तो बच्चे को स्कूल से ले जा सकते हैं। यह मैसेज देखकर बड़े भाई ने उन्हें कॉल कर तुरंत बच्चे को स्कूल से लाने के लिए कहा। स्कूल में ऐसे सैकड़ों परिजन अपने बच्चों को लेने के लिए पहुंच गए थे। सुबह लगभग 11.30 बजे तक अधिकांश बच्चों को उनके परिजन यहां से ले गए। नवीन शाहदरा स्थित एसआर कैपिटल पब्लिक स्कूल के बाहर बच्चों को लेने के लिए अभिभावकों की भीड़ जुटी हुई थी। अभिभावक भागे-भागे बच्चों को स्कूल से लेने के लिए पहुंच रहे थे। बच्चे की स्कूल से छुट्टी कराने को लेकर अभिभावक काफी बेचैन दिखे। अभिभावकों द्वारा स्कूल के बाहर इधर-उधर वाहन खड़े करने की वजह से जाम की स्थिति भी स्कूल के बाहर बन गई। हालांकि स्कूल में बम की सूचना नहीं थी, लेकिन टीवी पर दिल्ली के स्कूलों में बम की सूचना पाकर अभिभावक बच्चों की चिंता में स्कूल चले आए। कोई अपने भाई को लेने के लिए स्कूटी से आया तो किसी बच्चे की मां रिक्शा से स्कूल पहुंचीं थी। एक पर्ची पर बच्चे का नाम और सेक्शन लिखकर देने पर स्कूल द्वारा बच्चों को अभिभावकों को सुरक्षित सौंपा जा रहा था। बुधवार सुबह डीपीएस द्वारका में बम की सूचना से अफरातफरी मच गई। सुरक्षाकर्मी ने बताया कि स्कूल में बम होने की सूचना करीब सुबह 6.30 बजे मिली थी। इसकी जानकारी तत्काल पुलिस को दी गई। इस दौरान विद्यालय की ओर से परिजनों को भी व्हाट्सएप ग्रुप पर बुधवार को अकस्मिक अवकाश की सूचना दे दी गई। इसके चलते विद्यालय में बच्चों या विद्यालय से बाहर उनके परिजन नहीं पहुंचे। सूचना के बाद पुलिस के साथ ही अग्निशमन और बम स्क्वाएड भी मौके पर पहुंचे। काफी देर तक स्कूल में तलाशी के बाद कुछ नहीं मिला तो स्थानीय पुलिस को छोड़कर बाकी टीमें मौके से रवाना हो गई। इसी बीच करीब 11.30 बजे डीपीएस के पास में ही द्वारका सेक्टर तीन स्थित साइट-1 व साइट-2 स्कूलों के बाहर परिजनों की भीड़ लग गई। दिल्ली भर के विभिन्न स्कूलों में बम की सूचना मिलने के बाद इन स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के परिजन दोनों स्कूलों के बाहर जमा हो गए। परिजन स्कूल प्रशासन से अपने बच्चों को उन्हें सौंपने की गुहार लगाने लगे। जबकि इन स्कूलों में बम इत्यादि की कोई सूचना नहीं थी। इस विद्यालय में कुल दो पालियों से दो हजार से ज्यादा बच्चे पढ़ते हैं। इस बीच विद्यालय के बाहर परिजनों का जमघट देख विद्यालय के कर्मचारियों ने परिजनों को समझाने की कोशिश की लेकिन परिजन मानने को तैयार नहीं थे।

डीयू के आरक्षित श्रेणी के उम्मीदवारों का कोटा पूरा न भरने पर फोरम ने याचिका दायर की

सैफुल्लाह सिद्दीकी, सद्भावना टुडे

नई दिल्ली। फोरम ऑफ एकेडेमिक्स फॉर सोशल जस्टिस ने दिल्ली स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स के अर्थशास्त्र विभाग में एससी/एसटी के उम्मीदवारों को पीएचडी एडमिशन में यूजीसी व भारत सरकार की आरक्षण नीति की सरेआम उल्लंघन किए जाने पर राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग, अनुसूचित जाति के कल्याणार्थ संसदीय समिति व राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग में एक विशेष याचिका दायर कर पीएचडी एडमिशन में हुई अनियमितताओं की उच्च स्तरीय कमेटी से जाँच कराने की मांग की है।

फोरम के चेयरमैन डॉ.हंसराज सुमन ने आयोग व संसदीय समिति में दायर याचिका में बताया है कि अर्थशास्त्र विभाग ने अपने यहाँ पीएचडी में एडमिशन के लिए उम्मीदवारों से आवेदन मांगे। विभाग की अधिसूचना के अनुसार अनारक्षित श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए -11 सीटें, एससी-04, एसटी -02 सीटें व ओबीसी कोटे- 08 आरक्षित रखी गई थीं। लेकिन विभाग ने आरक्षित श्रेणी के उम्मीदवारों को पीएचडी एडमिशन में रोकने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के नियमों को दरकिनार करते हुए अर्थशास्त्र विभाग ने अपने नियम बनाते हुए पीएचडी एडमिशन के लिए सीयूईटी में प्राप्त कटऑफ मार्क्स अनारक्षित श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए -55 प्रतिशत और एससी /एसटी के उम्मीदवारों के लिए 50 प्रतिशत कटऑफ रखी गई जबकि दिल्ली विश्वविद्यालय के नियमानुसार पीएचडी एडमिशन के मानदंड अनारक्षित उम्मीदवारों के लिए -50 प्रतिशत और आरक्षित श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए -45 प्रतिशत कटऑफ रखी गई है। डॉ.सुमन ने बताया है कि अर्थशास्त्र विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय, यूजीसी व भारत सरकार की आरक्षण नीति का सरेआम उल्लंघन करते हुए पीएचडी एडमिशन में आरक्षित श्रेणी का कोटा पूरा न देते हुए पीएचडी एडमिशन का परिणाम घोषित कर दिया गया जिसमें अनारक्षित श्रेणी के-14 उम्मीदवारों को रखा गया जबकि एससी -01 व एसटी-01 सीट को खाली छोड़ दिया गया। उनका कहना है कि विभाग ने किस आधार पर अनारक्षित उम्मीदवारों को-03 अतिरिक्त सीटें दी। इतना ही नहीं विभाग ने आरक्षित श्रेणी के उम्मीदवारों की सीटों को अनारक्षित में बदल दिया गया। जबकि होना यह चाहिए था कि एसटी उम्मीदवार उपलब्ध नहीं है तो उसे एससी उम्मीदवार को वह सीट दे दी जाती है लेकिन अर्थशास्त्र विभाग ने अनारक्षित श्रेणी की-11 सीटों के स्थान पर-14 सीटें किस नियम के तहत यह सीट दी है। उनका यह भी कहना है कि विभाग ने आरक्षित सीटों को अनारक्षित सीटों में बदल दिया गया। इतना ही नहीं विभाग में एससी /एसटी सीटों को जानबूझकर खाली रखा जाता है।

अब आईपीयू में स्पोर्ट्स कोटे से होंगे दो फीसदी दाखिले

नई दिल्ली। अब गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (आईपीयू) में भी स्पोर्ट्स कोटे से दाखिले हो सकेंगे। आईपीयू ने शैक्षणिक सत्र 2024-25 से यूजी-पीजी प्रोग्राम में दो फीसदी स्पोर्ट्स(खेल) कोटा देने का फैसला किया है। यह कोटा आईपीयू की कुल सीटों से अलग होगा। स्पोर्ट्स कोटे के दाखिले स्पोर्ट्स ट्रायल व खेल से जुड़े दस्तावेजों व प्रवेश परीक्षा की वेटेज के आधार पर होंगे। राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल स्पर्धा में भाग लेने वाले छात्रों को दाखिले के लिए स्पोर्ट्स ट्रायल नहीं देना होगा। आईपीयू के कुलसचिव डॉ. कमल पाठक ने बताया कि विश्वविद्यालय में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए इस सत्र से यह प्रावधान किया गया है। ताकि खेल में प्रतिभावान छात्र अपनी पसंद की डिग्री लेने से वंचित न रहें। उन्होंने बताया कि विभिन्न प्रोग्राम के लिए निर्धारित यह दो फीसदी सीटें दाखिला ब्रोशर में अधिसूचित सीटों के अलावा होंगी। मालूम हो कि आईपीयू में सभी प्रोग्राम की लगभग चालीस हजार सीटें हैं। यदि कोई छात्र ट्रायल में हिस्सा नहीं लेना चाहता तो स्पोर्ट्स कोटे में आवेदन के लिए आवेदक को किसी स्पोर्ट्स में देश का प्रतिनिधित्व किया होना चाहिए। उस प्रतिनिधित्व का दस्तावेज आवेदन के समय आवेदनकर्ता को जमा कराना होगा। ट्रायल से छूट के लिए आवेदन कर्ता का समर ओलंपिक, वर्ल्ड चैंपियनशिप, कॉमनवेल्थ गेम्स, एशियन गेम्स, साउथ एशियन गेम्स, पैरा ओलंपिक जैसे खेलों में शामिल होना जरूरी है। इससे कम स्तर के स्पोर्ट्स स्पर्धा में भाग लेने वाले आवेदकों को स्पोर्ट्स ट्रायल देना होगा।

मेरी जन्मभूमी और कर्मभूमि है चांदनी चौक संसदीय क्षेत्रः खंडेलवाल

नई दिल्ली। ऐतिहासिक चांदनी चौक संसदीय क्षेत्र से भाजपा के प्रत्याशी प्रवीन खंडेलवाल ने आज एक पत्रकार सम्मेलन में कहा की चांदनी चौक मेरे लिए एक चुनाव क्षेत्र नही है, यह मेरी जन्म भूमी है मेरी व्यवसायिक कर्म भूमी है, मेरी सामाजिक राजनीतिक है और आज मै जो कुछ हूँ चांदनी चौक के निवासियों एवं व्यवसायियों से मिले प्रेम एवं सहयोग के बल पर हूँ। प्रवीन खंडेलवाल ने कहा की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा चुनाव 2024 के लिए जो संकल्प पत्र जारी किया है वह गरीब को, महिलाओं को, वंचितों को, किसानों को समर्पित संकल्प है और सबके समग्र विकास के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संकल्प पत्र है। मैं उस संकल्प पत्र के अक्षरश लाभ चांदनी चौक की जनता को दिलवाने को कृतसंकल्प रहूंगा।

श्री खंडेलवाल ने कहा की आज जब मै 2024 का चुनाव लड़ने जा रहा हूँ तो मैं केवल वादे नही करना चाहता बल्कि अपने साथी मतदाताओं के समक्ष 2029 में चांदनी चौक कैसा होगा इसका संकल्प पत्र रख रहा हूँ। चांदनी चौक संसदीय क्षेत्र

के मटिया महल, बल्लीमारान एवं चांदनी चौक विधानसभा क्षेत्र इसको परम्पराओं का सभ्यता का क्षेत्र बनाते हैं तो वहीं यहाँ की व्यवसायिक गतिविधियों ने भी इसको विश्व प्रसिद्ध बनाया है। दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार ने इस क्षेत्र की पूरी उपेक्षा की है और इस क्षेत्र के विकास के लिए विशेष तौर पर गठित शाहजहाँनाबाद रीडेवलपमेंट कार्पोरेशन को भी पंगु बना रखा है, उसका कोई मुख्य अधिकारी तक ही नही -- उपराज्यपाल का हस्तक्षेप करवा कर 60 दिन में शाहजहाँनाबाद रीडिवेलपमेंट कार्पोरेशन पुनर्गठित होगा, उसमे रिहायशी एवं व्यवसायिक प्रतिनिधि होंगे और मटिया महल, बल्लीमारान एवं चांदनी चौक विधानसभाओं का समग्र विकास होगा। इस क्षेत्र में 2025 से रोज़ाना 4 घंटे पेयजल सप्लाई लाना मेरा संकल्प है। मटिया महल विधानसभा क्षेत्र एक एतिहासिक क्षेत्र है जहाँ भारतीय लोकतंत्र का प्रतिक स्थल रामलीला मैदान है। मैं इसको लाल किला मैदान की तर्ज पर विकसित करूंगा, इसकी दीवार के साथ साथ हरियाली होगी मैदान में घास, यह आस पास रहने वालों के लिए आक्सीजन स्थल होगा। यहाँ बड़ी रैली भी होंगी, पारम्परिक रामलीला भी होगी और यह रोजमर्रा में सुबह शाम सैर का मैदान भी होगा। दिल्ली गेट स्थित पारसी केन्द्र से लेकर ईदगाह मैदान एवं मजनू का टीला तक इस क्षेत्र में सभी धर्मो के धर्मस्थल हैं और शाहजहाँनाबाद रीडिवेलपमेंट कार्पोरेशन इन सभी के आसपास सौन्दर्यीकरण पर ध्यान देकर इनको टूरिस्ट स्पाट बनायेगा। सदर बाजार एवं मॉडल टाउन विधानसभाओं के क्षेत्र भी बड़े रिहाइश एवं व्यवसाय केन्द्र है। बारा टूटी चौक, कमला नगर गोल चक्कर मार्किट, मॉडल टाउन मार्किट का सामायिक सौन्दर्यीकरण होगा।

राजधानी में भाजपा ने चुनाव प्रचार को तीन चरणों में बांटा

नई दिल्ली। राजधानी में चुनाव की तिथि जैसे-जैसे नजदीक आती जा रही है, वैसे-वैसे राजनीतिक सरगर्मी बढ़ने लगी है। सभी दल रणनीति बनाने के बाद उसके क्रियान्वयन पर जोर दे रहे हैं। इसी कड़ी में भाजपा ने राजधानी में चुनाव प्रचार को तीन चरणों में बांटा है। इस सप्ताह भाजपा के सभी प्रत्याशी नामांकन दाखिल करेंगे और इसके बाद पार्टी चुनाव प्रचार में तेजी लाएगी। पार्टी से जुड़े लोग बताते हैं कि पहले चरण में शनिवार और रविवार को लोकसभा सीट के हिसाब से रोड शो होंगे। दूसरे चरण में जनसभाएं की जाएंगी साथ ही तीसरे चरण में यानी 15 मई के बाद पार्टी के दिग्गज नेता दिल्ली में चुनाव प्रचार की कमान संभालेंगे। पार्टी चुनाव प्रचार में कोई ढिलाई नहीं बरतना चाहती है। यही कारण है कि प्रत्याशियों के नामांकन में भी दिग्गज नेताओं को भेजा जा रहा है। बुधवार को उत्तर पूर्वी दिल्ली से पार्टी प्रत्याशी मनोज तिवारी के साथ केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह नामांकन प्रक्रिया में शामिल हुए। पूर्वी दिल्ली से पार्टी प्रत्याशी हर्ष मल्होत्रा के साथ उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी नामांकन कराने पहुंचे। इससे पहले मंगलवार को नई दिल्ली से पार्टी प्रत्याशी बांसुरी स्वराज के साथ केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी नामांकन प्रक्रिया के दौरान मौजूद रहे। पुरी बृहस्पतिवार को पश्चिमी दिल्ली से पार्टी प्रत्याशी कमलजीत सहरावत के नामांकन में भी शामिल होंगे। उधर, अब अन्य राज्यों के नेता भी दिल्ली में डेरा डालेंगे और चुनाव प्रचार में हिस्सा लेंगे। पार्टी का कहना है कि बूथ अध्यक्ष, बूथ प्रभारी समेत अन्य कार्यकर्ताओं द्वारा घर-घर अभियान जारी रहेगा। इसमें पार्टी से जुड़े निगम पार्षद, पूर्व पार्षद व मोर्चों के पदाधिकारी शामिल होंगे। इसके अतिरिक्त बूथ और प्रकोष्ठ को अपने-अपने क्षेत्रों में लोगों से जनसंपर्क अभियान जारी रखने का निर्देश दिया गया है, जिसकी नियमित समीक्षा भी की जाएगी।

बम की अफवाहः राजधानी में कई जगह सड़कों पर जाम लगा

नई दिल्ली। बम की सूचना पर दिल्ली के अलग-अलग स्कूलों के बाहर परिजनों की भारी भीड़ जुट गई। एक के बाद एक स्कूलों से मेल मिलने की खबर पर अभिभावक अपने बच्चों को लेने के लिए दौड़ पड़े। इसकी वजह से राजधानी के विभिन्न इलाकों में जाम की समस्या बन गई। पूसा रोड पर एक साथ तीन स्कूल बने हुए हैं। परिजनों के पहुंचने से सड़क पर जाम लग गया। इसके चलते हनुमान मूर्ति गोल चक्कर, शंकर रोड, करोल बाग, फैज रोज और राजेन्द्र नगर में वाहनों की रफ्तार थम गई। स्कूलों के बाहर भारी भीड़ और गाड़ियां जुटने से चालकों का यहां से निकलना बेहद मुश्किल हो गया। इसी तरह का नजारा बारखंबा रोड, गोल मार्केट और द्वारका में भी देखने को मिला। वहीं, धौलाकुआं स्थित स्प्रिंगडेल्स स्कूल के बाहर भी अंडरपास में जाने के लिए वाहन चालकों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। नवीन शाहदरा स्थित एसआर कैपिटल पब्लिक स्कूल में कोई मेल नहीं आया था, लेकिन बड़ी संख्या में परिजन यहां भी बच्चों को लेने के लिए पहुंच गए, जिसकी वजह से काफी देर तक जाम लगा रहा। चाणक्यपुरी स्थित संस्कृति स्कूल में पुलिस की ओर से जांच अभियान चलाया गया। इसके अलावा एंबुलेंस एवं दमकल की गाड़ियां भी यहां मौजूद रहीं। इस वजह से चाणक्यपुरी में भी यातायात प्रभावित रहा। ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, बुधवार सुबह नौ बजे से लेकर दोपहर एक बजे तक विभिन्न स्कूलों के बाहर परिजनों की भीड़ जुटती रही। बच्चों को लेने के लिए वह अपनी गाड़ियों, कैब या ऑटो से आए थे। इसके चलते यातायात प्रभावित रहा। स्कूल ट्रांसपोर्ट एकता यूनियन का आरोप है कि स्कूलों में बम की सूचना के बाद अफरातफरी मची, जिसके चलते लोग अपने निजी वाहनों से बच्चों को लेने के लिए निकल पड़े। इसके चलते रास्तों पर भीषण जाम लगा। यूनियन के अध्यक्ष रामचंद्र का कहना है कि अधिकांश चौराहों पर ट्रैफिक पुलिस दिखाई नहीं दी, जिसके चलते स्थिति ज्यादा खराब हुई। रोहिणी, पीतमपुरा, पूर्वी दिल्ली समेत राजधानी के अन्य इलाकों में लोग सिग्नल तोड़कर चलने को मजबूर हुए। उधर, यूनियन ने सोशल मीडिया के जरिए वीडियो जारी कर लोगों से अपील की कि वो परेशान न हो, स्थिति सामान्य है।

दिल्ली एनसीआर में शुरू होगा जागरुकता कार्यक्रम

शबाना बेगम, सद्भावना टुडे

नई दिल्ली। ऑटोइम्यून रूमेटिक बीमारियों (एआईआरडी) के प्रति लोगों को जागरुक करने के लिए दिल्ली-एनसीआर में व्यापक रूप से जागरुकता कार्यक्रम की शुरूआत होगी। कास फाउंडेशन (इंडिया) लोगों को इन बीमारियों के प्रति जागरुक करेगा। संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष अंकुर शुक्ला ने बताया कि ऑटो इम्यून रूमेटिक बीमारियों के प्रति सामाजिक जागरुकता की कमी है। जिसके कारण इसका निदान और उपचार प्रभावित होता है। अधिकतर युवाओं को प्रभावित करने वाली इस बीमारी का सबसे गंभीर पहलू यह है कि इन बीमारियों की वजह से युवा अवस्था में ही मरीज विकलांग हो जाते हैं। क्रिटिकल बीमारियों की सूची में इन्हें शामिल नहीं किए जाने के कारण इनके उपचार के लिए स्वास्थ्य बीमा की सुविधा भी नहीं दी जाती है। नतीजतन, मरीजों को महंगे उपचार की वजह से इसे बीच में ही छोडना पडता है। मिलाप कार्यक्रम के तहत जागरुकता सभाएं आयोजित की जाएंगी। जिसके तहत लोगों को इन बीमारियों के प्रति जागरुक करने के साथ ऐसी बीमारियों से बचने के उपाए भी बताए जाएंगे।

सामुदायिक स्तर पर फैलेगी जागरुकता

कास इंडिया के महासचिव अविनाश झा के मुताबिक ऑटोइम्यून रूमेटिक बीमारियों के प्रति लोगों छोटी-छोटी सभाओं के माध्यम से जागरुक किया जाएगा। इन सभाओं को रूमेटोलॉजिस्ट, ऑर्थोपेडिक विशेषज्ञ सहित कई अन्य चिकित्सक संबोधित करेंगे। इन बीमारियों का प्रभावी उपचार नहीं है। ऑटोइम्यून रूमेटिक बीमारियों से पीडित मरीजों की के उपचार में कई विशेषज्ञों की जरूरत पडती है। इनमें रूमेटोलॉजिस्ट की प्रमुख भूमिका होती है। एडवांस स्टेज वाले मरीजों के उपचार में ऑर्थोपेडिक सर्जन उपचार करते हैं। इस बीमारी से पीडित मरीजों की प्रतिरोधक क्षमता उनके अपने शरीर के ही खिलाफ काम करती है और किसी न किसी अंग को नुकसान पहुंचाने लगती है। एआईआरडी का ही एक रूप एंकिलोजिंग स्पॉन्डिलाइटिस है। जिससे आमतौर पर 15-40 वर्ष के युवा प्रभावित होते हैं। इनका निदान और उपचार समय रहते नहीं किए जाए, तो शरीर में मौजूद अधिकतर जोड फ्यूज होने लगते हैं और अपने अपने जीवन की युवा अवस्था में ही मरीज विकलांगता का शिकार होकर आईसोलेटेड हो जाता है।

दिल्ली में विकास कार्यों को रोका जा रहाः कन्हैया कुमार

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली से इंडिया के तहत कांग्रेस उम्मीदवार कन्हैया कुमार ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल से सिविल लाइंस स्थित सीएम आवास पर मुलाकात की। आधे घंटे से अधिक समय तक हुई इस मुलाकात में अरविंद केजरीवाल पर हुई कार्रवाई, देश के हालात समेत अन्य मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक के दौरान आप विधायक दुर्गेश पाठक मौजूद रहे। कन्हैया कुमार ने कहा कि दिल्लीवालों के ऊपर जो थोपा जा रहा है, हम उस तानाशाही के खिलाफ एकजुट हैं। दिल्ली में चुनाव के सवाल पर कन्हैया कुमार ने कहा कि गठबंधन के तहत हम दिल्ली की सातों सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं। हम जो भी रणनीति बना रहे हैं, वह एक प्रत्याशी या पार्टी के लिए नहीं बना रहे हैं। पूरी दिल्ली के लिए बना रहे हैं। दिल्ली के लोगों के लिए बना रहे हैं। यह दिल्लीवालों के आत्मसम्मान की बात है। यह किसी को सांसद या प्रधानमंत्री बनाने का सवाल नहीं है। सवाल है, दिल्ली के लोगों को अपमानित किया जा रहा है। निर्वाचित मुख्यमंत्री को जेल में डाल दिया गया। दिल्ली के अधिकारों पर रोज हमले करके विकास कार्यों को रोका जा रहा है। कन्हैया कुमार ने कहा कि राजनीतिक भाषा में इसे शिष्टाचार मुलाकात कहते हैं, लेकिन व्यक्तिगत तौर पर मेरा मानना है कि यह एक आत्मीय मुलाकात है। ऐसा इसलिए क्योंकि देश में जो परिस्थिति है, जो तानाशाही चल रही है और किसी को भी पकड़कर जेल में बंद किया जा रहा है। इसके खिलाफ हम लंबे समय से लड़ रहे हैं। एकजुट होकर हम देश में चल रही तानाशाही को खत्म करेंगे। अरविंदर सिंह लवली के इस्तीफे के सवाल पर कन्हैया कुमार ने कहा कि अभी तक मुझे उनका न तो वह पत्र मिला है, न ही मैंने पढ़ा है। यह ज्यादा गंभीर भी नहीं है, क्योंकि देशभर में भाजपा जो कर रही है वह ज्यादा खतरनाक है, बजाए इसके की कांग्रेस के नेता ने इस्तीफा दे दिया।

जीबी पंत अस्पताल यूनियन द्वारा मजदूर दिवस मनाया

शहनवाज़ सैफ, सद्भावना टुडे संवाददाता

नई दिल्ली। जी.बी.पंत पैरामेडिकल एंड टेक्निकल एंप्लाइज यूनियन और जीबी पंत कर्मचारी यूनियन 3103 ने नेशनल पब्लिक हेल्थ एलाइंस के आह्वान पर अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस मनाया गया। अस्पताल कर्मचारियों ने काली पट्टी बांध कर कार्य करते किया सरकार की पीपीपी नीति के खिलाफ विरोध दर्ज कराया भोजन अवकाश के समय आम सभा करते हुए मई दिवस के शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि दी। सभा का संचालन जीबी पंत पैरामेडिकल टेक्निकल एम्पलाइज यूनियन चेयरमैन भारत वीर द्वारा किया गया, जिसकी अध्यक्षता एन.पी.एच.ए के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष विजय कुमार द्वारा की गई, अस्पताल यूनियन के अध्यक्ष विकास सारस्वत, ओटी टेक्निकल यूनियन के अध्यक्ष पवन वर्मा, ने सभा को संबोधित किया उन्होंने कहा, जी.बी.पंत अस्पताल के अंदर अस्पताल कर्मचारी की बहुत सी मांगे लंबित है और कर्मचारी लगातार आंदोलित हैं प्रशासन द्वारा कई महीनों से कर्मचारियों की मांगों के लिए प्रशासन द्वारा कोई भी सकारात्मक कदम नहीं उठाए जा रहे।

नेशनल पब्लिक हेल्थ एलाइंस के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष विजय कुमार ने कहा कि 2023 को माननीय उपराज्यपाल महोदय 10 सूत्री मांग पत्र दिया गया था जिसमें मरीजों और जनता के हित को देखते स्वास्थ्य क्षेत्र के बजट 10त्न करते हुए स्वास्थ्य क्षेत्र को विस्तारित और सृदृढ़ किया जाना चाहिए नई सुविधाओं से लैस सरकारी अस्पताल खुलने चाहिए लेकिन इसके विपरीत सरकारी अस्पतालों में प्राइवेट कंपनियों के कर्मचारियों द्वारा लैब के रक्त सेंम्पल ले प्राइवेट लैब में भेजे जा रहे हैं। दिल्ली सरकार अगर करना ही चाहती है तो प्राइवेट अस्पताल की ओपीडी और डॉक्टर कंसंट्रेशन फ्री माफ कर दे तब सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों के कर्मचारीयों की कार्य दक्षता का पता चलेगा। ऑल इंडिया यूनाइटेड ट्रेड यूनियन सेंटर के सचिव मंडल सदस्य विक्रम, जसविंदर लोजव को कर्मचारी, मजदूरों के हित में कार्य करने वाली ट्रेड यूनियन को अस्पताल कर्मचारियों द्वारा एक सहयोग राशि भी दी गई। नेशनल पब्लिक हेल्थ एलाइंस दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष विजय कुमार मुख्य वक्ता के तौर पर बोलते हुए कहा कि सरकार द्वारा लैब कर्मचारियों की कम्पनी के द्वारा भरती किए जाने का भी विरोध किया जबकि डीएसएसबी द्वारा द्वारा खाली पड़े पदों को भरने की प्रक्रिया समय रहते नहीं अपनाई जाती खाली पड़े पदों को नहीं भरा जा रहा मरीजों के अनुपात के अनुसार ने पद सृजित (क्रिएट) नहीं की जा रहे सालो से सेवा दे रहे संविदा कर्मियों को पक्का नहीं किया जा रहा। स्वास्थ्य कर्मचारियों को कैशलेस सुविधा नहीं दी

जा रही है। उन्होंने कहा सरकार की मजदूर विरोधी, कर्मचारी विरोधी, जन विरोधी उदारीकरण, निजीकरण, निगमीकरण, आउट सोर्स, पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप को सरकार लागू करते हुए श्रम कानूनों में मजदूर विरोधी संशोधन कर रही है स्थाई रोजगार को पूरी तरह खत्म कर अप्रेंटिसशिप एक्ट में बदलाव, फिक्स्ड टर्म ऐम्पप्लॉयमेंट को लाया जा रहा है पुरानी पेंशन को लागू नहीं की जा रही इससे कर्मचारियो अवगत कराते और सरकार की दमनकारी कर्मचारी विरोधी नीतियों के खिलाफ एकतावद होकर विरोध किया जाना चाहिए यही मई दिवस के शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि होगी श्रमिक दिवस का नारा है दुनिया के मजदूरों एक हो तभी हम सरकार से अपनी मांगों को मनवा सकते हैं उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कोर्ट के आदेश के बाद भी ठेका मजदूरों का पक्का करने समान काम का समान वेतन के बारे में कोई काम नहीं किया जा रहा मजदूरों को कानून के अनुसार सुविधा देने के बदले सरकार न्यूनतम वेतन को भी कम करने की कोशिश कर रही है भवन निर्माण मजदूरों को उनके कानून संबंध हक भी नहीं दिया जा रहा सार्वजनिक उद्योग को बेचने व जनकल्याणकारी सेवाएं जैसा शिक्षा, इलाज, बिजली-पानी रेलवे, परिवहन को मुनाफा खोरों, पूंजीपतियों के हवाले कर रही है महंगाई पर रोक नहीं लगा पा रही है बेरोजगारी बेतहाशा बढ़ रही है और मंहगाई की मार के कारण जन जीवन को त्रस्त है।

जीबी पंत अस्पताल में लिवर और दिल का प्रत्यारोपण शुरू होगा

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के जीबी पंत अस्पताल में लिवर और दिल के प्रत्यारोपण की सुविधा शुरू होने जा रही है। यह जानकारी संस्थान के 60वें स्थापना दिवस पर अस्पताल के निदेशक डॉक्टर अनिल अग्रवाल ने दी। प्रो. अग्रवाल ने बताया कि अस्पताल रोबोटिक सर्जरी शुरू करने और लैब के डिजिटलीकरण पर भी काम रहा है। उन्होंने कहा कि हम रिसर्च को बढ़ावा देने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि अस्पताल जल्द टेलीमेडिसीन की शुरुआत भी करने वाला है। इसके जरिये आनलाइन उपचार की सुविधाएं दी जाएंगी। इससे पहले ई-पुस्तकालय लांच किया गया। इसमें अंतरराष्ट्रीय स्तर के 800 से अधिक जर्नल, 1200 पुस्तकें हर वक्त उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि अस्पताल लगातार अपना विस्तार कर रहा है और सुविधाएं बढ़ाने पर जोर दे रहा है। 1964 में 229 बेड के साथ अस्पताल शुरू हुआ था। वर्तमान में 700 से अधिक बेड यहां उपलब्ध हैं। कार्यक्रम में पूर्व डाक्टरों को मामेंटो देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जीबी पंत के पूर्व निदेशक पद्म भूषण डा. एम खलील उल्लाह थे। विशिष्ट अतिथि पूर्व निदेशक डा. दिनेश चंद्र रहे। इस मौके पर मौलाना आजाद मेडिकल कालेज की डीन डा. पूनम नारंग विशेष तौर पर मौजूद रहीं। न्यूरोसर्जरी विभाग के डा. दिलजीत सिंह ने अस्पताल की स्थापना के बारे में जानकारी दी।

एक नजर

आईपी यूनिवर्सिटी में अब 2 प्रतिशत स्पोर्ट्स कोटा

नई दिल्ली। आईपी यूनिवर्सिटी ने सत्र 2024-25 से अपने सभी यूनिवर्सिटी स्कूल और सेंटर में चलने वाले यूजी और पीजी प्रोग्राम में 2 प्रतिशत का अतिरिक्त स्पोर्ट्स कोटा देने का निर्णय लिया है। यूनिवर्सिटी के कुलसचिव डॉ. कमल पाठक ने बताया कि विश्वविद्यालय में स्पोर्ट्स कल्चर को प्रोमोट करने के लिए यह प्रावधान किया गया है ताकि स्पोर्ट्स के प्रतिभावान छात्र अपनी पसंद की डिग्री लेने से महरूम न रह जाएँ। उन्होंने बताया कि विभिन्न प्रोग्राम के लिए निर्धारित यह 2 प्रतिशत सीटें एडमिशन ब्रोशर में अधिसूचित सीटों के अलावा होंगी। बिना ट्राइयल के स्पोर्ट्स कोटा में आवेदन के लिए आवेदक को किसी स्पोर्ट्स में देश का प्रतिनिधित्व किया होना चाहिए। उस प्रतिनिधित्व का दस्तावेज आवेदन के समय जमा कराना होगा। समर ओलंपिक, वर्ल्ड चैम्पीयनशिप, कामन्वेल्थ गेम्ज़, एशियन गेम्ज़, साउथ एशियन गेम्ज़, पारा ओलंपिक, इत्यादि जैसे स्पोर्ट्स इसमें शामिल हैं। इससे कम स्तर के स्पोर्ट्स स्पर्धा में भाग लेने वाले आवेदकों को स्पोर्ट्स ट्राइयल देना होगा। दाख़िला में 25 प्रतिशत वैटेज संबद्ध प्रवेश परीक्षा का, 25 प्रतिशत स्पोर्ट्स से जुड़े जमा कराए दस्तावेज़ों पर और शेष 50 प्रतिशत स्पोर्ट्स ट्राइयल का होगा।

फौजी की पत्नी से बंदूक की नौक पर घर में घुसकर रेप किया

पलवल। पलवल में विवाहिता को घर पर अकेली देखकर बंदूक के बल पर धमकी दे दुष्कर्म करने का मामला बुधवार को प्रकाश में आया है। किसी को बताने पर उसको उसके बच्चों को जान से मारने की धमकी दी गई। महिला को ब्लैकमेल कर आरोपी लगातार उसका यौन शोषण करता रहा। विरोध करने पर मारपीट भी की। सदर थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार सदर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी एक महिला ने पुलिस को दी शिकायत में कहा है कि उसका पति फौज में नौकरी करता है। इसलिए अक्सर घर से बाहर रहता है। उसका आरोप है कि पड़ोस में ही रहने वाला कुलदीप नामक युवक अक्सर उसके घर आता-जाता रहता है। एक दिन उसका पति घर पर नहीं था और वह रात के समय अपने बच्चों के साथ घर पर ही मौजूद थी। महिला ने कहा कि रात के समय आरोपी उसके घर में घुस आया और उसकी कनपटी पर बंदूक लगा कर जबरदस्ती करने लगा। उसके विरोध करने पर बच्चों को जान से मारने की धमकी दी और दुष्कर्म किया। उसके बाद आरोपी ने कई बार ब्लैकमेल कर उसके साथ दुष्कर्म किया। उसने बताया कि 28 अप्रैल को भी आरोपी ने रात के समय घर में घुसकर फिर से उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया। विरोध करने पर मारपीट की। शोर सुनकर परिवार वाले आ गए तो आरोपी ने उनके साथ भी झगड़ा किया। सदर थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बुधवार को बताया कि शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

चार प्रत्याशियों ने दाखिल किया तीसरे दिन नामांकन

फरीदाबाद। जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह के समक्ष फरीदाबाद लोकसभा क्षेत्र के लिए तीसरे दिन बुधवार को एक निर्दलीय और जन नायक पार्टी उम्मीदवार नलिन हुड्डा सहित चार लोगों द्वारा नामांकन पत्र दाखिल किए गए। जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह ने कहा कि लोकसभा चुनाव-2024 के चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के लिए नामांकन प्रक्रिया अधिसूचना जारी होने के बाद 29 अप्रैल से शुरू हो गई थी। जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह के समक्ष आज बुधवार को भारत निर्वाचन आयोग की हिदायतों के अनुसार निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर स्वामी राजेन्द्र देव, जेजेपी के नलिन हुड्डा और उनकी कवरिंग कैन्डीडेट के रूप में तान्या हुड्डा ने नामांकन फार्म दाखिल किए। वहीं सत्यदेव यादव ने बुलंद भारतीय पार्टी के कैन्डीडेट के रूप नामांकन पत्र दाखिल किया।

दुष्कर्म और भ्रूण हत्या मामले में 16 साल से फरार आरोपित गिरफ्तार

फरीदाबाद। सदर बल्लभगढ़ थाने में दुष्कर्म और भ्रूण हत्या मामले में दर्ज मामले में 16 साल से फरार चल रहे आरोपित को क्राइम ब्रांच सेक्टर-65 प्रभारी तरुण कुमार की टीम ने गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बुधवार को बताया कि गिरफ्तार राजस्थान के डीग जिले के घगवाड़ी गांव का निवासी रफीक (33) है। रफीक के खिलाफ सितंबर 2008 में सदर बल्लभगढ़ थाने में दुष्कर्म तथा भ्रूण हत्या की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। इस पर आरोप था कि उसने अपने भाई की साली को झांसा देकर उसके साथ अवैध संबंध बनाए और जब वह गर्भवती हो गई तो सात महीने के भ्रूण को गिरवाने के लिए फतेहपुर बिलोच में स्थित महावीर हॉस्पिटल ले गया था। पुलिस के पहुंचने से पहले अस्पताल में भ्रूण गिरवा दिया था। पुलिस ने पीड़ित लड़की के बयान के आधार केस दर्ज किया था। आरोपित पुलिस की गिरफ्त से बचने के लिए जगह बदल बदल कर रहने लगा। कोर्ट ने आरोपित को फरार घोषित कर दिया था। उन्होंने बताया कि आरोपित को पकड़ने के लिए लगातार कोशिश कर रही थी। क्राइम ब्रांच पुलिस ने गुप्त सूत्रों तथा तकनीकी सहायता के आधार पर आरोपित को फरीदाबाद से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ के बाद आरोपित को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

कन्हैया कुमार ने की आप नेता संजय सिंह से मुलाकात

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने बुधवार को आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह से मुलाकात की। उन्होंने इसकी जानकारी सोशल मीडिया साइट एक्स पर दी। इससे पहले उन्होंने सीएम अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल से भी मुलाकात की। कांग्रेस नेता ने इसे शिष्टाचार मुलाकात बताया। कन्हैया कुमार ने संजय सिंह से मुलाकात के बाद एक्स पर पोस्ट कर शायराना अंदाज में केंद्र पर तंज कसा। उन्होंने लिखा- वो और होंगे जो डर जाते हैं जेल से, हम पुराने वाकिफ हैं तेरे इस खेल से। राज्यसभा सांसद संजय सिंह से उनके आवास पर शिष्टाचार मुलाकात की और दिल्ली में इंडिया गठबंधन की चुनावी रणनीति पर चर्चा की। लड़ेगी दिल्ली, जीतेगा इंडिया!

तानाशाही के दौर बहादुरी से डटे हैं- कन्हैया

वहीं सुनीता केजरीवाल से मुलाकात के बाद उन्होंने लिखा था- आज दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास पर उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल से मुलाकात की। तानाशाही के इस दौर में वे जिस बहादुरी के साथ चेहरे पर मुस्कान लिए डटे हुए हैं, वो वाकई प्रेरणा दायक है। इस लड़ाई में हम हर कदम उनके साथ हैं। लोकतंत्र को बचाने की ये लड़ाई हम सब मिल कर लड़ेंगे। 25 मई को दिल्ली की जनता जेल का बदला वोट से लेने जा रही है।

कई कांग्रेस नेताओं ने दिया इस्तीफा

बता दें, कांग्रेस ने कन्हैया कुमार को उत्तर-पूर्वी दिल्ली से बीजेपी के मनोज तिवारी के खिलाफ मैदान में उतारा है। इसका कांग्रेस के अंदर ही विरोध होना शुरू हो गया था। इस कारण अरविंद सिंह लवली ने प्रदेश अध्यक्ष के पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद दो और पूर्व विधायकों ने इस्तीफा दे दिया। इनका कहना था कि दिल्ली में बाहरी लोगों को टिकट दिया गया। इसके साथ ही आप के साथ गठबंधन को लेकर भी इन्होंने नाराजगी जताई।

इंडिया गठबंधन को जिताएगी जनता: महेंद्र प्रताप

फरीदाबाद। फरीदाबाद लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी महेन्द्र प्रताप सिंह को बुधवार को एनआईटी विधानसभा क्षेत्र के 28 गावों के लोगों ने एकजुट हो पाली गांव में आयोजित विशााल जनसभा में अपने खुले समर्थन का ऐलान किया। महेंद्र प्रताप ने भावुक हो जनता का आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि चुनावी शुरूआत में ही इतना अपार प्यार व स्नेह देकर मेरे दिल को जीत लिया है और वह भी विश्वास दिलाते हैं कि सांसद बनने के बाद एनआईटी क्षेत्र में समानता के साथ हर वर्ग के विकास में कोई कोर कसर बाकी नहीं छोडेंगे। उन्होंने कहा कि फरीदाबाद में अब बदलाव की हवा शुरू हो गई है, जो बहुत जल्द ही आंधी का रूप लेगी क्योंकि अब समय आ गया है, जब जनता भाजपा के कुशासन और भ्रष्टाचार से मुक्ति पाने के लिए इंडिया गठबंधन को विजयी बनाएगी। उन्होंने एनआईटी के विधायक नीरज शर्मा की भी खुलकर तारीफ करते हुए कहा कि विपक्ष में रहते हुए भी आपके विधायक नीरज शर्मा ने एनआईटी का मान पूरे प्रदेश में बढ़ाया है। भ्रष्टाचार के खिलाफ सडक से लेकर विधानसभा तक लडाई लडी है। सभा में एनआईटी क्षेत्र के कांग्रेस विधायक नीरज शर्मा ने अपने संबोधन में भाजपा सरकार में भेदभाव की नीति अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपाईयों के सबका साथ सबका विकास की पोल एनआईटी क्षेत्र में खुलकर सामने आई है। आपने मुझे विधायक बनाया इससे भाजपाईयों के पेट में दर्द हुआ और क्षेत्र के साथ भेदभाव किया।

दिल्ली-एनसीआर के स्कूलों में धमकी भरे ईमेल को पुलिस ने बताया फेक

शोएब आलम, संद्भावना टुडे

नोएडा। स्कूलों में बम होने के धमकी भरे ईमेल के बाद गौतमबुद्ध नगर के कई स्कूल सामान्य रूप से चल रहे हैं। कई स्कूलों ने बच्चों को जल्द घर भेजने के लिए पेरेंट्स को मैसेज कर दिया है। वहीं कुछ स्कूलों के प्रिंसिपल ने पेरेंट्स को मैसेज कर ये संदेश दिया है कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है, सब कुछ सामान्य है। पुलिस ने भी कहा है कि परेशान करने के लिए अफवाह फैलाई गई।

पुलिस अधिकारियों ने भी इसे होक्स ईमेल बताया है, लेकिन उन्होंने कहा कि चेकिंग जारी रहेगी। बुधवार सुबह डीपीएस स्कूल में बम होने के धमकी भरे ईमेल के बाद सभी बच्चों को घर वापस भेज दिया गया था। पुलिस टीम बम स्क्वॉड और डॉग स्क्वायड टीम लगातार चेकिंग कर रही है। लेकिन कोई भी संदिग्ध चीज नहीं मिली है। स्कूल में आए इस धमकी भरे ईमेल के बाद कई स्कूलों ने बच्चों की जल्द छुट्टी का मैसेज पेरेंट्स को भेज दिया, तो कुछ पेरेंट्स अपने बच्चों को स्कूल जाकर पहले ही ले आए। इसके अलावा कई स्कूल के प्रिंसिपल ने पेरेंट्स को मैसेज भेज कर कहा कि घबराने की बात नहीं है। नोएडा में इंद्रप्रस्थ ग्लोबल स्कूल (आईपीजीएस) की प्रिंसिपल निकिता तोमर मान ने बताया, मैं लोगों से आग्रह करूंगी कि वे अनावश्यक घबराहट पैदा न करें और इस स्थिति को एक परिपक्व वयस्क के रूप में लें। दिल्ली-एनसीआर के जिन स्कूलों को धमकियां मिलीं, उन्हें खाली करा लिया गया है और हमारे सहित बाकी स्कूल सामान्य रूप से काम कर रहे हैं। कोई धमकी भरा संदेश प्राप्त नहीं हुआ है। गौतमबुद्ध नगर के ज्वाइंट सीपी शिव हरी मीणा ने बताया कि नोएडा के एक स्कूल में धमकी भरा ईमेल मिला था।

इसके बाद पुलिस अधिकारी पूरी टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। पूरी तरीके से चेकिंग के बाद स्कूल को सैनिटाइज कराया गया और जिन-जिन स्कूलों में धमकी भरे ईमेल मिले, उन सभी में चेकिंग की जा रही है। यह पूरी तरीके से सिद्ध हो गया है कि यह अफवाह फैलाई गई, लोगों को परेशान करने के लिए। उन्होंने पेरेंट्स को बिल्कुल भी परेशान और पैनिक ना होने की बात कही है।

युवाओं को आत्मनिर्भरता का प्रशिक्षण देंगे छह संस्थान

अशोक कुमार, सद्भावना टुडे संवाददाता

गुरुग्राम। युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने और बाजार की मांग के अनुसार स्किल्ड मेनपावर तैयार करने के लिए सेवक बिल्डिंग सेंटर ने छह औद्योगिक व शिक्षण संस्थानों के साथ करार किया है। बुधवार को एक कार्यक्रम में इस करार पर हस्ताक्षर किए गए। सेवक बिल्डिंग सेंटर (विकास सदन) के चेयरमैन एवं एडीसी हितेश कुमार मीणा के मुताबिक ये संस्थान विद्यार्थियों को विभिन्न कौशल कलाओं में पारंगत कर उन्हें मार्किट में सर्विस सेक्टर से जुड़ी चुनौतियों व उनके निवारण में पारंगत कर उनकी आर्थिक उन्नति के लिए उन्हें बेहतर मार्केट उपलब्ध कराने में भी सहयोग करेंगे।

एडीसी हितेश कुमार मीणा का कहना है कि जिला में युवा वर्ग में बेरोजगारी की समस्या को दूर करने के लिए वर्ष 1991 में पंजीकरण सोसाईटी एक्ट 1980 के तहत सेवक सोसायटी (सेल्फ एम्प्लॉयड वर्कर्स एसोसिएशन केंद्र) गठन किया गया था। यह सोसाइटी राजकीय शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों व ग्रामीण पृष्ठभूमि के बेरोजगार युवाओं को मार्किट की डिमांड के अनरूप जैसे ईलेक्ट्रीशियन, मोटर वाईडिंग, प्लम्बर व कम्प्यूटर आदि का कौशल प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाती रही है। सोसाईटी में प्रशिक्षित कर्मियों द्वारा रिहाईसी क्षेत्रों में उचित मूल्य पर भिन्न-भिन्न कार्यों के लिए के लिए सेवा देने का लक्ष्य था। उन्होंने बताया कि इस सोसाइटी के तहत वर्तमान में सेक्टर 15 में एक केंद्र संचालित किया जा रहा है। जिसमें पहले से ट्रेंड 25 सेवक शामिल हैं, जोकि विभिन्न क्षेत्रों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। एक लंबे अरसे से इस सोसाइटी की सेवाओं व नियमों को अपडेट नही किया गया था। ऐसे में जिला प्रशासन ने एक नई पहल करते हुए जिला में सोसायटी सेवकों की संख्या बढ़ाने के लिए छह विभिन्न औद्योगिक व शिक्षण संस्थानों के साथ एमओयू किया है। उन्होंने बताया कि सेक्टर-14 स्थित गवर्नमेंट आईटीआई के विद्यार्थियों को प्लम्बर व इलेक्ट्रिकल ट्रेड में प्रशिक्षण देने के लिए जगुआर कंपनी, कंप्यूटर से जुड़े कोर्स के लिए तीन शिक्षण संस्थानों व गवर्नमेंट गर्ल्स कॉलेज सेक्टर-14 व महिला आईटीआई की छात्राओं को ड्राइविंग का प्रशिक्षण देने के लिए दो एनजीओ के साथ करार हुआ है। इस अवसर पर गवर्नमेंट गर्ल्स कॉलेज सेक्टर-14 के प्रिंसिपल डॉ जितेंद्र मलिक, गवर्नमेंट महिला आईटीआई से जेपी यादव, जगुआर कंपनी के एचओडी शमशेर सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

डेंगू मलेरिया का प्रकोप जोरों पर, हाथ पर हाथ रखें बैठा है निगम प्रशासन-राजा इकबाल सिंह

शहजाद सैफ, सद्भावना टुडे संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष सरदार राजा इकबाल सिंह ने मच्छरजनित बीमारियों के बढ़ते प्रकोप को लेकर आम आदमी पार्टी सरकार पर निशाना साधा है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि एक ओर निगम परेशानियों से जूझ रहा है वहीं आप सरकार हाथ पर हाथ रखकर बैठी है। इससे लोगों की परेशानी बढ़ रही है। दिल्ली में डेंगू के 120 मरीज आ चुके हैं। जबकि 2022 में इन मरीजों का आंकड़ा 25 था 2020 में आठ तो 2021 में तीन था। भाजपा की सरकार थी तो मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम की तैयारी पहले ही शुरू हो जाती थी लेकिन इस वर्ष कोई तैयारी शुरू नही हुई है। इसकी वजह से आम जन को पिछले साल की तुलना में ज्यादा मच्छर अपने आस-पास भी नजर आ रहे हैं जिससे डेंगू के मरीज भी बढ़ रहे हैं।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि आप सरकार ने जानबूझकर दिल्ली नगर निगम की मलेरिया स्थायी समिति के साथ मलेरिया निरोधक कमेटी का भी गठन रोक रखा है। अगर, यह कमेटी होती तो इससे न केवल अफसरों की जवाबदेही तय होती बल्कि लोगों को मच्छरों के प्रकोप से भी बचाया जा सकता था। नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि बीते वर्ष की तुलना में नालों की सफाई सिर्फ कागजों पर हो रही है। इसकी वजह से मच्छर भी ज्यादा पनप रहे हैं। जबकि दिल्ली सरकार से लेकर नगर निगम पर ही नालों की सफाई की जिम्मेदारी है। सरदार राजा इकबाल सिंह ने मांग की है कि इस मच्छरों का प्रकोप बढ़े और मच्छर जनित बीमारियों से स्थिति काबू से बाहर हो जाए इससे पहले ही एक सर्वदलीय बैठक बुलाकर इस पर गंभीरता से कार्य करना चाहिए। अगर, राजधानी में मच्छरजनित बीमारियों से लोगों को दिक्कत हुई तो इसके जिम्मेदार सीधे तौर पर आप सरकार होगी। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि जब से आप सरकार निगम में आई है तब से निगम ठप हो गया है। हाईकोर्ट ने स्थायी समिति का गठन न होने की वजह से आप सरकार को जो लताड़ लगाई है वह हमने सभी ने देखा है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा यह बड़े दुख की बात है कि निगम अपने स्कूल के पड़ने वाले गरीब परिवारों के बच्चों को नया सेशन शुरू होने के बाद एक महीना बीत गया है लेकिन किताबे, स्टेशनरी और वर्दी नहीं मिली है।

दिल्ली पुलिस पर हमला करने के मामले में आरोपी दो दिन के रिमांड पर

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच सेक्टर-65 की टीम ने दिल्ली पुलिस पर हमला करने वाले आरोपी को दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बुधवार को बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी का नाम दिनेश (34) है, जो रोहतक के रिटोली गांव का रहने वाला है। दिल्ली पुलिस की काउंटर इंटेलीजेंस स्पेशल सेल टीम को 29 अप्रैल को सूचना मिली थी कि आरोपी दिनेश अपने साथी भोलू उर्फ जसवंत व एक अन्य के साथ मिलकर किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में घूम रहे हैं। सूत्रों की सूचना के आधार पर पुलिस टीम जब उन्हें पकडने् के लिए पहुंची तो टीम ने आरोपी दिनेश को काबू कर लिया, परंतु उसके दो अन्य साथी पुलिसकर्मियों पर गाड़ी से हमला करके फरार हो गए। आरोपी दिनेश के कब्जे से एक पिस्तौल और जिंदा कारतूस बरामद हुए। दिल्ली पुलिस ने सेंट्रल थाने में आरोपी के खिलाफ शिकायत दी, इसके पश्चात आरोपी के खिलाफ हत्या के प्रयास और अवैध हथियार का मुकदमा दर्ज किया।

प्लाट में धोखाधड़ी से आहत होकर युवक ने खाया जहर, मुकदमा दर्ज

पलवल। पलवल में प्लाट को लेकर विवाद में एक व्यक्ति ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या करने का मामला बुधवार को सामने आया है। प्लाट का बयाना लेने के बाद प्लाट बदलने का विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की गई और दूसरा प्लाट लेने का दबाब बनाया गया। पुलिस ने मृतक की पत्नी की शिकायत पर 2 नामजद के खिलाफ आत्महत्या के लिए मजबूर करने का केस दर्ज किया है।

शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। मिली जानकारी के अनुसार गेलपुर गांव निवासी मंजू ने पुलिस को दी शिकायत में कहा है कि उसके पति परमवीर ने 200 वर्ग गज का एक प्लाट लीलावती से खरीदने के लिए लालपुर गांव निवासी नेत्रपाल ने बात कराई। इसका सौदा रेलवे क्रॉसिंग गौडोता चौक होडल निवासी लेखराज के वहां तय हुआ। इसके बाद नेत्रपाल व लेखराज ने मिलकर उसके पति को उक्त प्लाट की कीमत 14 लाख 50 हजार रुपए बताई। इसके बाद 8 लाख रुपए बयाने के तौर पर दे दिए गए। मंजू ने बताया कि उसका पति खरीदे हुए प्लाट पर पहुंचा तो लेखराज व नेत्रपाल ने दूसरी प्लाट बताई, जो पहली वाली प्लाट से दूसरी थी। उन्होंने कहा कि यह प्लाट तो वह नहीं है, जो हमें खरीदने से पहले दिखाई गई थी। दोनों ने कहा कि यही प्लाट लेनी पड़ेगी। इसको लेकर उसके पति व इन दोनों में कहासुनी हुई और उसके बाद दोनों आरोपियों ने उसके पति को धक्के देते हुए कहा कि जो करना है वो कर लेना। इसके बाद से उसके पति परमवीर परेशान रहने लगे। महिला के अनुसार तीन-चार दिन पहले उसके पति ने दोबारा उनसे कहा कि या तो वही प्लाट दे दो या फिर मेरे पैसे वापस दे दो। इस पर उन्होंने कहा कि अब तुझे कुछ नहीं मिलेगा, जो करना है कर ले। इसके बाद से उसके पति दुखी और परेशान रहने लगे और नेत्रपाल व लेखराज के कारण मजबूर होकर अपनी जान दे दी। मंजू का आरोप है कि ये दोनों ही उसके पति की मौत के जिम्मेदार हैं।

पत्नी को जहर देकर मारने का प्रयास, पति सहित तीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज

पलवल। पलवल में बुधवार को दहेज उत्पीड़न व जहर देकर जान से मारने के प्रयास के मामले में परिवार के दोनों पक्षों को महिला थाने बुलाया गया। इस दौरान ससुराल पक्ष के लोगों ने थाने में मारपीट की। पीड़िता की शिकायत पर कैंप थाना पुलिस ने बुधवार को पति सहित तीन के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार दीघौट गांव निवासी पूजा ने पुलिस को शिकायत में कहा है कि उसकी शादी कौंडल गांव निवासी सतेंद्र सिंह के साथ हुई थी। जिसके बाद ससुराल वाले लगातार दहेज की मांग करते थे। पीडिता के माता-पिता दहेज की मांग पूरी नहीं कर पाए तो आरोपियों ने उसे जहर देकर मारने की कोशिश की। जिसके संबंध में पीड़िता ने एक शिकायत महिला थाना पुलिस को दी थी। परिजनों के साथ पीड़िता महिला थाने पहुंची थी।

पुलिस ने दोनों पक्षों को पूछताछ के लिए महिला थाना बुलाया था। पीड़िता (पूजा) अपने परिजनों के साथ महिला थाने पहुंची और थाने के अंदर बैठकर परिजन इंतजार करने लगे। इसी दौरान पीड़िता का जेठ राजेंद्र सिंह थाने के अंदर आया और उसे थप्पड़ मारने लगा। परिजनों के साथ भी मारपीट की। पीड़िता ने बताया कि मुझे बचाने के लिए जब पिता आए तो पति सतेंद्र सिंह व नरवीर ने मेरे पिता को पकड़ लिया और राजेंद्र ने मेरे पिता के साथ मारपीट कर घायल कर दिया। उन्हें बचाने के लिए उसका जीजा, जीजा के पिता व छोटा भाई आए तो सतेंद्र सिंह व नरवीर ने उनके साथ भी मारपीट की। कैंप थाना पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर उसके जेठ राजेंद्र, पति सतेंद्र व ससुर नरवीर के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है, जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। महिला थाना प्रभारी सुशीला देवी से बात की तो उनका कहना था कि थाने के अंदर कोई झगड़ा नहीं हुआ। थाने के बाहर हुआ होगा या फिर आपस में थाने के अंदर बातचीत के दौरान कहासुनी हुई होगी। इस प्रकार की मारपीट थाने में होने का मामला उनके संज्ञान में नहीं है।

तीसरे दिन राहुल फाजिलपुरिया समेत दो ने भरे नामांकन

गुरुग्राम। गुरुग्राम संसदीय क्षेत्र के लिए जारी नामांकन प्रक्रिया के तीसरे दिन बुधवार को दो प्रत्याशी व एक कवरिंग कैंडिडेट ने अपना पर्चा दाखिल किया। साथ ही दो प्रत्याशी ने अपना दूसरा सेट जमा कराया। गुरुग्राम संसदीय क्षेत्र के रिटर्निंग अधिकारी एवं डीसी निशांत कुमार यादव ने बताया कि बुधवार को जननायक जनता पार्टी के प्रत्याशी राहुल यादव पुत्र रामबीर व एसयूसीआई (कम्युनिस्ट) पार्टी के प्रत्याशी श्रवण कुमार ने अपना नामांकन भरा है।

उन्होंने बताया कि बुधवार को जननायक जनता पार्टी की ओर से राहुल यादव पुत्र नरेश कुमार ने बतौर कवरिंग कैंडिडेट पर्चा भरा है। इसी क्रम में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी राव इंद्रजीत सिंह व एसयूसीआई (कम्युनिस्ट) पार्टी के प्रत्याशी श्रवण कुमार ने नामांकन का अपना दूसरा सेट जमा कराया है। उन्होंने बताया कि छह मई तक सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक उम्मीदवारों के नामांकन पत्र दाखिल किए जाएंगे, इस बीच 5 मई को रविवार का अवकाश रखा गया है। नामांकन पत्र की 7 मई को सुबह 11 बजे जांच होगी। 9 मई को दोपहर 3 बजे तक तक उम्मीदवार अपना नामांकन पत्र वापस ले सकते हैं। इसके उपरांत 9 मई को ही दोपहर 3 बजे चुनाव चिन्ह आवंटित किए जाएंगे। नामांकन लघु सचिवालय स्थित डीसी कोर्ट रूम में लिए जाएंगे।

तर्कहीन बयानों से जूझती चुनावी राजनीति

सुरेश हिंदुस्तानी

भारत में एक समय ऐसा भी था ज़ब राजनीति से आम जनमानस का विश्वास समाप्त होता जा रहा था। राजनीतिक दलों से जो अपेक्षा थी, सब जनता की इन अपेक्षाओं पर पानी फेरते दिखाई दे रहे थे। उस समय देश की यह अवधारणा बन गई थी कि अब भारत की राजनीति ऐसे ही चलती रहेगी। लेकिन 2014 के बाद देश ने एक नई राजनीति का साक्षात्कार किया। एक ऐसी राजनीति जिसमें सपने भी थे और एक उम्मीद भी थी। आज इस समय को दस वर्ष का समय व्यतीत हो गया है। सपने पूरे हुए या नहीं, यह तो परीक्षण का विषय है, लेकिन आज की राजनीति बदली हुई दिखाई देती है, यह अवश्य ही कहा जा सकता है। लेकिन आज भी जिस प्रकार से सत्ता प्राप्त करने की लालसा लेकर राजनीतिक दल राजनीति कर रहे हैं, वह प्रथम दृष्टया यही परिलक्षित कर रहे हैं कि राजनीतिक दलों के पास अपने कोई स्थायी सिद्धांत नहीं हैं। विपक्ष के दल वर्तमान केंद्र सरकार को घेरने के लिए कई प्रकार के राजनीतिक दांव पेच खेल रहे हैं, वहीं सत्ता धारी दल भाजपा भी किसी भी तरीके से पीछे नहीं कही जा सकती।

इस प्रकार की राजनीति के चलते देश का आम जनमानस निश्चित रूप से भ्रम की अवस्था में है। सारे दल अन्य दलों से अपने आपको बेहतर बताने की राजनीति कर रहा है। इसके लिए कुछ राजनीतिक दल अपने हिसाब से तर्क भी दे रहे हैं। लेकिन एक बात स्पष्ट है कि इस बार विपक्षी दलों के राजनेता सधे हुए क़दमों से अपनी पारी को अंजाम दे रहे हैं। क्योंकि पिछले लोकसभा चुनावों के दौरान जिस प्रकार से कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सार्वजनिक रूप से चोर कहने का दुस्साहस किया गया, उससे कांग्रेस की फ़जीहत हो गई थी, इतना ही नहीं राहुल गाँधी को माफ़ी भी मांगनी पड़ी। इस बार परिदृश्य बदला हुआ है। विपक्ष के नेता सरकार को लक्ष्य करके आलोचना कर रहे हैं। लेकिन ऐसा लगता है कि इन आलोचनाओं में भी वह धार नहीं है कि वह अकेले दम पर सरकार बनाने का सामर्थ्य पैदा कर सकें। वर्तमान लोकसभा के प्रचार में विपक्षी दलों की ओर से जिस प्रकार की सक्रियता दिखाई जा रही है, उससे कमोवेश ऐसा ही लगता है कि विपक्ष ने इस चुनाव को आरपार की लड़ाई बना दिया है। यह सभी जानते हैं कि मुख्य विपक्ष की भूमिका निभाने वाली कांग्रेस पार्टी लम्बे समय तक सत्ता का सुख भोगा है, इसलिए यह कहा जाना कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी कि कांग्रेस के नेताओं को सत्ता में बने रहने की आदत सी हो गई है। उनके बयानों में भी सत्ता प्राप्त करने की तड़प दिखाई देती है। यही तड़प चुनावी बयानों में पैनापन ला रही है। देश में अब दो चरणों के मतदान संपन्न हो चुके हैं, बचे हुए पांच चरणों के मतदान के लिए जोर आजमाईश की जा रही है। चुनावी रैलियों में राजनेताओं के बयानों की व्याख्या निकालने का क्रम भी चल रहा है। किसी बड़े मुद्दे पर समाचार चैनलों पर बहस भी होती है। इन बहस में सभी नेता अपने हिसाब से अर्थ निकाल कर बहस करते हैं। कोई किसी के कम नहीं दिखता, लेकिन इन बहस में लगभग विवाद जैसी स्थिति बनती दिखाई देती है। एक दूसरे से लड़ने की मुद्रा में आने वाले यह राजनेता शायद इस बात को भूल जाते हैं कि इसे जनता भी देख रही है और आज की जनता यह भी जानती है कि क्या अच्छा है और क्या बुरा। इसके बाद भी आम समाज का एक बड़ा वर्ग ऐसा भी है जो इन चर्चाओं को सुनकर भ्रमित भी होते होंगे। राजनेताओं द्वारा दावे के साथ कही जाने वाली किस बात को जनता सही माने, आज यह सबसे बड़ी चिंता है। चैनलों पर जो बहस होती है, उसमें अपनी पार्टी के विचार को कम रखा जाता है, सामने वाले की बात को जोरदार तरीके से नकारने की ही राजनीति की जाती है। विपक्षी नेताओं को इन्हीं बहसों के दौरान एंकरों पर दबाव बनाते हुए भी देखा और सुना जा सकता है। यह बहस का सारा खेल जनता को गुमराह करने वाला होता है। इसमें पूरी तरह से आम जन के मुद्दों का अभाव ही रहता है। इस कारण यह आसानी से कहा जा सकता है कि आज की राजनीति केवल विरोध करने तक ही सीमित हो गई है, इसमें रचनात्मक विरोध समाप्त होता जा रहा है। रचनात्मक विरोध का आशय यही है कि सामने वाले के अच्छे कार्यों का समर्थन भी किया जाए। लेकिन आज की राजनीति में ऐसा होना असंभव सा ही लगता है। ऐसा पिछले दस वर्षों में कुछ ज्यादा ही होता जा रहा है। जहां तक चुनावी मुद्दों की बात है तो विपक्ष की ओर से कोई ख़ास मुद्दे नहीं उठाए जा रहे हैं। जिस महंगाई और बेरोजगारी को विपक्ष मुद्दा बनाकर राजनीति कर रहा है, वह कोई नया नहीं है। यह दोनों ही मुद्दे लगभग हर चुनाव में उठे हैं, और हो सकता है आगे भी उठते रहेंगे, क्योंकि बेरोजगारी का मुद्दा तभी तक होता है ज़ब तक व्यक्ति केवल नौकरी की तलाश में बैठा रहता है। सरकार सबको नौकरी दे भी नहीं सकती, फिर चाहे कोई भी सरकार क्यों न हो। हाँ इस चुनाव में पिछली बार की तरह हिंदुत्व का मुद्दा भी सामने आया है। हिंदुत्व राजनीति का विषय नहीं हो सकता, यह तो असली भारत की आत्मा है।

यह बात सही है कि आज की राजनीति और दस वर्ष पहले की राजनीति में ज़मीन आसमान का अंतर है। भारतीय जनता पार्टी जिस प्रकार की राजनीति करती हुई दिखाई दे रही है, उसका अंदाज निराला है, वहीं कांग्रेस के नेताओं के बयानों से लगता है कि वे ही शासन करने के लिए आए हैं, जबकि उनको यह मालूम होना चाहिए कि वह विपक्षी की भूमिका में हैं। इसके अनुसार ही उनके कार्यक्रम होने चाहिए, लेकिन कभी कभी विपक्षी नेताओं का व्यवहार ऐसा होता है, जैसे वे सरकार से बड़े हैं। विपक्ष की इसे एक बड़ी कमजोरी माना जा सकता है, क्योंकि सामने वाली पार्टी ने सत्ता पर कब्ज़ा नहीं किया, बल्कि लोकतान्त्रिक तरीके से चुनकर आई है। विरोधी पक्ष को यह भी समझना चाहिए कि भारत में लोकतंत्र तभी तक जीवित है, ज़ब तक जनता की राय को महत्व दिया जाएगा। जनता के सही बात रखना चाहिए, ऐसी कोई बात नहीं आना चाहिए जिससे जनता भ्रमित हो।

यह भी खुलासा हुआ है कि व्यंजनों को लजीज बनाने, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने व पाचन सुधारने वाले कुछ कंपनियों के मसालों में सेहत को नुकसान पहुंचाने वाले तत्व पाये गए हैं। मसालों को सुरक्षित रखने के लिये कीटनाशक जैसे पदार्थ मिलाए गए हैं। भारत में तो लोग जैसे-तैसे इन्हें खा ही रहे हैं अब तो दुनिया के कई मुल्कों में भी दो भारतीय मसाला कंपनियों की साख पर सवाल उठाये जा रहे हैं। सिंगापुर व हांगकांग का दावा है कि दो भारतीय कंपनियों के मसाला पैकेटों में सेहत के लिये हानिकारक पदार्थ पाए गए हैं। सैकड़ों सालों से भारत की पहचान रहे मसाले न केवल रोगनाशक बल्कि इम्यूनिटी बढ़ाने वाले भी होते हैं। याद करें कि कोरोना संकट में इन मसालों ने ही देश के लोगों का मनोबल बनाये रखने में खासी मदद की। आये दिन हम मिलावटी खानपान की चीजों की बरामदगी की खबरें पढ़ते हैं। कुछ लोग बीमार होते हैं, कुछ अपना जीवन गवां बैठते हैं। लेकिन सुनने में नहीं आया कि किसी हादसे के बाद किसी की जवाबदेही तय करके बड़ी सजा दी गई हो। ऐसी सजा जो दोषियों के लिये सबक का फैसला साबित हो। आज आखिर बचा ही क्या है बिना मिलावट के? दूध, बेसन, घी, पनीर, खोया, दवाइयां, दैनिक जरूरत की चीजें आटा, चावल व दालें भी मिलावट की चपेट में हैं। यहां तक कि पानी तक में मिलावट है। इस मिलावट का ही असर है कि कम उम्र में लोग बड़ी उम्र की बीमारियों से पीड़ित होने लगे हैं। जिन अधिकारियों व कर्मचारियों पर खाने-पीने की चीजों की निगरानी की जिम्मेदारी है, वे होली-दीवाली पर दिखावटी अभियान चलाकर अपनी जिम्मेदारी पूरी कर लेते हैं और जेबें भी भर लेते हैं।

मिलावट इतनी कि शुद्ध खाएं, फिर भी बीमार हो जाएं

नरेश कौशल

डेढ़ साल की राबिया को क्या पता था कि जब वह पटियाला से ननिहाल के लाड़-प्यार की मिठास से भरी चॉकलेट लुधियाना आकर खाएगी तो उसकी जान पर बन आएगी। दुर्भाग्य से इस लाड़-प्यार के रिश्तों के बीच बेरहम बाजार आ गया। बाजार जो सिर्फ मुनाफे का पीर है। कोई मासूम मरे या जीये, उसकी बला से। चॉकलेट खाकर बच्ची बहुत बीमार हो गई। बड़े अस्पताल ले जाया गया तो डॉक्टरों ने किसी जहरीली चीज खाने की बात कही। बात चॉकलेट की आई, रैपर देखा गया तो चॉकलेट की एक्सपाइरी डेट छह महीने पहले खत्म हो चुकी थी। यह दुखद संयोग ही है कि पिछले दिनों पटियाला में ही जन्मदिन पर ऑनलाइन मंगवाए गए केक को खाने से एक 'बर्थडे गर्ल' की मौत हो गई थी। जांच पड़ताल के बाद पता चला था कि किसी बेकरी का मालिक दूसरी जगह से अलहदा नाम से बेकरी का सामान ऑनलाइन बेच रहा था। पक्की बात है, ये कानून से बचने-बचाने की तरकीब थी। इस चाकलेट व केक बेचने वाली दुकानों का इलाका पटियाला में पीली सड़क के आसपास का ही है।

यह संयोग ही है कि पिछले कुछ अरसे से देश में कई ऐसे खुलासे हुए, जिनमें बताया गया कि दशकों से हम जिन उत्पादों को तंदुरुस्ती संवारने वाला मानते आ रहे थे, वे तो सेहत के लिये नुकसानदायक निकले। पहले खुलासा हुआ कि बॉर्नविटा व सेरेलेक्स में बहुराष्ट्रीय कंपनियां आवश्यकता से अधिक शूगर मिलाकर विकासशील व गरीब मुल्कों के बच्चों के जीवन से खिलवाड़ कर रही हैं। यह भी खुलासा हुआ है कि व्यंजनों को लजीज बनाने, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने व पाचन सुधारने वाले कुछ कंपनियों के मसालों में सेहत को नुकसान पहुंचाने वाले तत्व पाये गए हैं। मसालों को सुरक्षित रखने के लिये कीटनाशक जैसे पदार्थ मिलाए गए हैं। भारत में तो लोग जैसे-तैसे इन्हें खा ही रहे हैं अब तो दुनिया के कई मुल्कों में भी दो भारतीय मसाला कंपनियों की साख पर सवाल उठाये जा रहे हैं। सिंगापुर व हांगकांग का दावा है कि दो भारतीय कंपनियों के मसाला पैकेटों में सेहत के लिये हानिकारक पदार्थ पाए गए हैं। सैकड़ों सालों से भारत की पहचान रहे मसाले न केवल रोगनाशक बल्कि इम्यूनिटी बढ़ाने वाले भी होते हैं। याद करें कि कोरोना संकट में इन मसालों ने ही देश के लोगों का मनोबल बनाये रखने में खासी मदद की। आये दिन हम मिलावटी खानपान की चीजों की बरामदगी की खबरें पढ़ते हैं। कुछ लोग बीमार होते हैं, कुछ अपना जीवन गवां बैठते हैं। लेकिन सुनने में नहीं आया कि किसी हादसे के बाद किसी की जवाबदेही तय करके बड़ी सजा दी गई हो। ऐसी सजा जो दोषियों के लिये सबक का फैसला साबित हो। आज आखिर बचा ही क्या है बिना मिलावट के? दूध, बेसन, घी, पनीर, खोया, दवाइयां, दैनिक जरूरत की चीजें आटा, चावल व दालें भी मिलावट की चपेट में हैं। यहां तक कि पानी तक में मिलावट है। इस मिलावट का ही असर है कि कम उम्र में लोग बड़ी उम्र की बीमारियों से पीड़ित होने लगे हैं। जिन अधिकारियों व कर्मचारियों पर खाने-पीने की चीजों की निगरानी की जिम्मेदारी है, वे होली-दीवाली पर दिखावटी अभियान चलाकर अपनी जिम्मेदारी पूरी कर लेते हैं और जेबें भी भर लेते हैं। कुछ स्थानों पर छापेमारी होती है और कुछ जगह नमूने भरे जाते हैं। फिर ढाक के वही तीन पात। होना तो यह चाहिए कि शासन-प्रशासन ऐसे सख्त कदम उठाये कि कोई फिर से मिलावट करने का दुस्साहस न कर सके। वैसे लोगों को सचेत करने की भी जरूरत है। यह कैसी अजीब स्थिति है कि अब तक हम जिन प्रॉडक्ट को दशकों से सेहत के लिये वरदान मानते रहे हैं, अब खुलासा हुआ कि वे तो सेहत के लिए नुकसानदायक हैं। ऐसे कई देसी-विदेशी उत्पादों के खुलासे एक साथ हुए। इसी कड़ी में उत्तराखंड सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल किया है कि राज्य सरकार ने पतंजलि आयुर्वेद के 14 उत्पादों का निर्माण लाइसेंस निलंबित किया है। राज्य सरकार की ओर से बताया गया है कि स्टेट लाइसेंसिंग अथॉरिटी की ओर से भ्रामक प्रचार मामले में दिव्य फार्मेसी और पतंजलि आयुर्वेद के उत्पाद मामलों में यह कार्रवाई की गई है। जो भी हो, सुप्रीम कोर्ट ने इस साल न्यायिक जिम्मेदारी का नमूना पेश किया। जिस तरह पतंजलि आयुर्वेद के कर्ताधर्ताओं की क्लास लगाई, उसे पूरे देश ने देखा और मीडिया के जरिये आम लोगों ने महसूस किया। लेकिन अदालत ने इसमें याचिका दायर करने वाली आईएमए को भी नहीं बख्शा। अदालत ने सख्त लहजे में कहा कि एक उंगली यदि बाबा रामदेव की तरफ उठी तो चार तुम्हारी तरफ भी उठी हैं। तुम्हारा दामन भी पाक साफ नहीं है। नाराज न्यायाधीशों ने कहा कि आखिर कौन दवा कंपनियों को लाभ पहुंचाने के लिए महंगी-महंगी दवाएं लिखता है? इसी बीच खबर आई कि बच्चों के लिये स्वास्थ्यवर्धक बताये जाने वाले बॉर्नविटा की पड़ताल में पता चला कि उसमें चीनी की मात्रा यूरोपीय व अमेरिकी देशों में बेचे जाने वाले उत्पाद के मुकाबले काफी ज्यादा थी। चीनी की यह मात्रा एशिया व अफ्रीका के गरीब मुल्कों में बेचे जाने वाले बॉर्नविटा में भारत से भी ज्यादा थी। लेकिन यूरोप व अमेरिकी देशों में बॉर्नविटा में यह मात्रा स्वास्थ्य मानकों के अनुरूप ही रही। बाद में कंपनी ने दावा किया कि भारत में बेचे जाने वाले बॉर्नविटा में चीनी की मात्रा तीस प्रतिशत कम कर दी गई है। कभी संपन्न वर्ग के बच्चों का पसंदीदा स्वास्थ्यवर्धक पेय बताये जाने वाला बॉर्नविटा स्टेटस सिंबल माना जाता था। बड़े मोहक व भ्रामक विज्ञापन इसकी तारीफ में गढ़े जाते रहे हैं। गरीब बच्चों के लिये तो बॉर्नविटा का स्वाद चखना एक सपना हुआ करता था। कई पुराने फिल्मी व टीवी कलाकार उपभोक्ताओं को लुभाने के लिये अपनी प्रतिभा का इस्तेमाल करते रहे। इसी तरह यूरोपीय कंपनी नेस्ले ने भी अपने उत्पादों में चीनी व अन्य हानिकारक पदार्थ हटाने की बात कही थी। सवाल है कि भारत में खाने-पीने की क्वालिटी की निगरानी करने वाली एजेंसियां क्यों चुप्पी साधे बैठी रहती हैं। अपने-आप पहल करते हुए तथाकथित विदेशी सेहत बढ़ाने वाले प्रॉडक्ट तथा स्वदेशी आयुर्वेदिक दवाओं की गुणवत्ता की पड़ताल क्यों नहीं करतीं? यदि बच्चों को दिये जाने वाले कथित पेय पदार्थों में वास्तव में नुकसानदायक पदार्थ मौजूद हैं तो फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने जांच क्यों नहीं की? क्यों करोडों भारतीयों बच्चों की सेहत को भगवान भरोसे छोड़ दिया गया? एक दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह भी है कि देश के शहरों-कस्बों में कथित खानदानी वैद्य, चमत्कारी इलाज, यौवन और ताकत की दवाएं बेचते रहते हैं। कुछ धर्म परिवर्तन कराने वाले भी चमत्कारी इलाज का दावा करते हैं। उनकी निगरानी करने वाला कोई महकमा अभी तक नहीं बना। वे सीधे-साधे ग्रामीणों को छलते रहते हैं। इतना ही नहीं, ट्रेनों व बसों में कथित हकीम दवा बेचते और इलाज की शर्तिया गारंटी देते मिलेंगे। इन दवाओं को खाने से कई लोगों के लीवर व किडनी तक खराब हो जाते हैं। लेकिन सेहत से खिलवाड़ की जवाबदेही तय करने वाला कोई विभाग नहीं बना। दुखद है कि होटलों, ढाबों में व खोमचों में खाने-पीने का सामान बेचने वालों की योग्यता और खाने की गुणवत्ता की जांच करने वाले निरीक्षक कभी अपनी ड्यूटी को निभाते नजर नहीं आते। मोटी-मोटी रकम देकर निरीक्षक पदों पर तैनात लोग इस रकम को कई गुना करने के खेल में लगे रहते हैं। दीवाली और अन्य त्योहारों में बाजार में खोया व मिठाई की बहुतायत हैरान करने वाली होती है। सवाल यह उठता है कि जब पशुधन लगातार सिमट रहा हो। गोवंश को लगे रोग से लाखों गायें मर रही हों, फिर भी बाजार में दूध व खोये की कोई कमी नहीं दिखी! कहां से आ रहा है यह पनीर व खोया? आखिर कब तक देश के लोगों की सेहत से खिलवाड़ यूं ही होता रहेगा? हमारे हुक्मरान कब नींद से जागेंगे? क्यों नहीं हर शहर-गांव में खाने की चीजों व दूध की तुरत-फुरत जांच करने वाले केंद्र बनाए जाते? अंत में इसी आशा के साथ; वह सुबह कभी तो आयेगी।

विचार

ड्रैगन के लगातार बढ़ते वर्चस्व की चुनौती

केएस तोमर

हाल ही में चीन समर्थक, मालदीव के राष्ट्रपति चुनाव में मोहम्मद मुइज्जू की भारी जीत भारत के लिए एक बड़ा झटका है। इस जनादेश के मायने यह भी हैं कि मालदीव की जनता भी चीन की ओर अपने राष्ट्रपति के राजनीतिक झुकाव का समर्थन कर रही है। इसके साथ ही, मुइज्जू ड्रैगन की सैन्य उपस्थिति के लिए जगह बनाने को अपने व्यक्तिगत एजेंडे को लागू करने के लिए तैयार है। कूटनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि मुइज्जू बेशक सफल राजनेता हैं लेकिन भूल रहे हैं कि कूटनीति में चरम स्थिति आत्मघाती भी हो सकती है। बहरहाल, चीन हिंद महासागर में अपनी सैन्य उपस्थिति के मकसद से मालदीव को लुभाने को उत्सुक है। सुरक्षा बलों को मुफ्त प्रशिक्षण देने के अलावा बीते मार्च में मालदीव और चीन द्वारा गैर-घातक हथियारों के लिए हस्ताक्षरित 'सैन्य सहायता' समझौते से स्पष्ट है, मुइज्जू की हालिया जीत उन्हें भारत विरोधी रुख अपनाने को प्रोत्साहित कर सकती है। बदले परिदृश्य में भारत को अपनी नीतियों में बदलाव कर मुइज्जू की गंभीर चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहना पड़ेगा। क्योंकि मुइज्जू ने तो 'इंडिया आउट' अभियान पर ही चुनाव जीता था। हाल ही में उन्होंने चुनावों में दो-तिहाई बहुमत हासिल किया, जिसमें उनकी पार्टी पीपल्स नेशनल कांग्रेस (पीएनसी) ने 93 में से 66 सीटों पर कब्जा कर लिया। जो चीन के साथ घनिष्ठ आर्थिक सहयोग का मार्ग प्रशस्त कर सकती है।

बहरहाल, भारत के लिए ये अच्छे संकेत नहीं कि मालदीव से अपने सैनिकों को वापस लाना पड़ रहा है। भारत ने सैन्य कर्मियों को वापस लेने के मुइज्जू के फैसले पर सहमति व्यक्त की थी। उनके स्थान पर सिविल तकनीकी कर्मियों को नियुक्त किया गया है। दूसरी ओर, नेपाल में भी चीन समर्थक विचारधारा वाले कम्युनिस्टों का शासन है। सरकार बदलने के साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री केपीएस ओली और वर्तमान प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड के बीच नया गठबंधन हो जाने की संभावना के चलते भारत के साथ आपसी संबंधों में असंतुलन पैदा हो सकता है। लेकिन भारत को पड़ोसी देश भूटान के साथ फिलहाल कोई समस्या नहीं है जबकि म्यांमार चुनौतियां पैदा कर सकता है। क्योंकि सैन्य शासक अपनी पकड़ ढीली कर रहे हैं और दुनिया को उम्मीद है कि भारत अपदस्थ आंग सान सू की के नेतृत्व वाली लोकतांत्रिक ताकतों के साथ खड़ा रहेगा। चीन इस क्षेत्र में अपने संबंधों का विस्तार करने में आगे बढ़ रहा है। क्षेत्र में पड़ोसियों के साथ भारत के संबंधों पर एक नजर डालें तो हमारे पड़ोसी को चीन को अपने पाले में लाने के लिए सावधानी बरतने की सख्त जरूरत है और इसका ताजा उदाहरण नेपाल है। सरकार बदलने के बाद, नेपाल का कम्युनिस्ट शासन वैचारिक रूप से ड्रैगन के प्रति प्रतिबद्ध है और उसकी 'ऋण नीति' के जाल में फंस रहा हैं जो खतरनाक है। वहीं पाकिस्तान के मामले में आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि चीन ने पाक को 23 अरब डॉलर का भारी कर्ज दिया है, जिसमें वे 10 अरब डॉलर भी शामिल हैं, जो बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के निमित्त काम करने वाले वाणिज्यिक बैंकों और अन्य ऋणदाताओं का बकाया है। इसका मतलब है कि पाकिस्तान कभी भी इस ऋण से बाहर नहीं आ सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत सरकार को श्रीलंका के साथ रिश्ते सामान्य होने से कुछ संतुष्टि मिल सकती है।

श्रीलंका के गंभीर आर्थिक संकट में भारत उसके बचाव में आया व आईएमएफ के 48 महीने के विशेष पैकेज से भी अधिक डॉलर 4 बिलियन की आर्थिक सहायता और मानवीय सहायता प्रदान की। चीन मदद से पीछे हट गया था। चीन इस देश के लोगों की नजरों में बेनकाब हो गया है। भारत को बांग्लादेश के साथ भी कोई समस्या नहीं है जिसने गत 23 नवंबर, 2023 को भारत को अपने पड़ोस का सबसे बड़ा विकास भागीदार बताया था, जब दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने तीन भारतीय सहायता प्राप्त परियोजनाओं का उद्घाटन किया था। कुछ पूर्व राजनयिकों का मानना है कि यदि चीन हमारे पड़ोसियों को हमसे दूर करने में सफल हो जाता है तो संयुक्त राज्य अमेरिका भी प्रभावित होगा क्योंकि इससे सुरक्षा की गंभीर समस्या पैदा होगी। वहीं चीन की ऋण नीति उनकी अर्थव्यवस्थाओं को बर्बाद कर देगी। चीन के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए मालदीव और नेपाल के साथ भारत और अमेरिका को नयी रणनीति व लचीलेपन से कदम उठाने होंगे वरना भारत सीधे तौर पर प्रभावित होगा।

एक नजर

अधिकारियों ने चुनाव को लेकर किया ब्रीफिंग-सह-प्रशिक्षण

अररिया,एजेंसी। अररिया टाउन हॉल में जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी इनायत खान एवं पुलिस अधीक्षक अमित रंजन की संयुक्त अध्यक्षता में बुधवार को सभी सेक्टर दण्डाधिकारियों एवं सेक्टर पुलिस पदाधिकारियों की ब्रीफिंग-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ब्रीफिंग-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम में सेक्टर दण्डाधिकारियों एवं सेक्टर पुलिस पदाधिकारियों को 07 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव हेतु सभी मतदान केन्द्रों पर एएमएफ (एश्योर्ड मिनिमम फैसिलिटी) सुनिश्चित करने, भेद्यता से संबंधित कारकों की पहचान करने, चिन्हित भेद्य मतदाताओं को आश्वस्त करने, डिस्पैच सेन्टर पर सेक्टर से सम्बद्ध सभी मतदान दलों को मतदान केन्द्र की जानकारी प्राप्त कराने, चेकलिस्ट के अनुसार सामग्री एवं ईवीएम,वीवीपैट प्राप्त करने में सहायता करने, मतदान दल के सभी कर्मियों के मतदान केन्द्र पर पहुँचने के उपरान्त ओके रिपोर्ट नियंत्रण कक्ष को भेजने, मॉक पोल का अनुश्रवण करने, मतदान में बाधा पहुँचाने वाले किसी व्यक्ति व्यक्ति समूह के संबंध में एआरओ या आरओ को सूचित करने, रिजर्व ईवीएम ,डिफेक्टिव ईवीएम,रिप्लेस्ड ईवीएम के बारे में निर्वाची पदाधिकारी द्वारा निर्धारित स्थल पर जमा करने आदि के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया। साथ ही बताया गया कि निष्पक्ष निर्वाचन सम्पन्न कराने हेतु सभी सेक्टर दण्डाधिकारी एवं सेक्टर पुलिस पदाधिकारी उत्तरदायी हैं। इसलिए किसी भी स्तर पर लापरवाही बरतने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उक्त ब्रीफिंग-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम में अपर समाहर्त्ता सह-वरीय प्रभारी अजय कुमार ठाकुर, निर्वाचन, नोडल पदाधिकारी, प्रक्षिण कोषांग एवं सभी सहायक निर्वाची पदाधिकारी मौजूद थे।

93 हजार रुपये व ठगी के सामानों के साथ दो साइबर अपराधी गिरफ्तार

नवादा,एजेंसी। नवादा जिले की पकरिवरवां पुलिस ने एसपी कार्तिकेय शर्मा के निर्देश पर 93200 रुपये के साथ ही ठगी के सामानों के साथ दो साइबर अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है। जो बड़ी-बड़ी कंपनियों के एजेंसी दिलाने के नाम पर ठगी करते है। पकरीवरवां थाना प्रभारी अजय कुमार ने बताया कि मुंबई के शांतिकुंज थाने में दोनों के विरुद्ध बड़ी-बड़ी कंपनियां के एजेंसी दिलाने का नाम पर ठगी के मामले दर्ज किए गए थे, जिसकी सूचना पर नवादा के एसपी ने स्पेशल टास्क फोर्स का गठन कर गिरफ्तारी के निर्देश दिए ।एसपी के निर्देश पर थाना प्रभारी अजय कुमार के नेतृत्व में पकरिवरवां थेन के भगवानपुर गांव में छापेमारी कर जयराम मांझी के पुत्र बिरजू मांझी तथा उपेंद्र मांझी को ठगी के मामले में 93200 के साथ कई मोबाइल फोन, सिम कार्ड, मेमोरी कार्ड तथा ठगी में प्रयुक्त होने वाले दर्जनो सामानों के साथ गिरफ्तार कर लिया है। दोनों के विरुद्ध पकरीबरमा थाने में भी प्राथमिकी दर्ज की गई है। दोनों साइबर अपराधियों ने स्वीकार किया है कि बड़ी-बड़ी कंपनियों का वेबसाइट बनाकर भोले-भाले नागरिकों से ठगी का काम कर रहा था। बरामद रूपये भी ठगी के पैसे हैं। पकरी वर्मा थाना प्रभारी ने बताया कि अपराधियों के विरुद्ध व्यापक अभियान चलाया जा रहा है।

औरंगाबाद में दो बाइक की टक्कर में महिला समेत तीन की मौत

पटना,एजेंसी। राज्य के औरंगाबाद में अंबा-नबीनगर मुख्य पथ पर बुधवार को कुटुंबा थाना क्षेत्र अंतर्गत तमसी मोड के समीप दो बाइक की आमने-सामने की टक्कर में महिला समेत तीन लोगों की मौत हो गई जबकि नवजात शिशु समेत दो गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों की पहचान नवीनगर प्रखंड अंतर्गत बरूना गांव निवासी मीना देवी, निकेश विश्वकर्मा एवं झरी बलथर गांव के टिंकू विश्वकर्मा के रूप में की गई है। पुलिस के अनुसार निकेश विश्वकर्मा भाई के साले टिंकू विश्वकर्मा के साथ बाइक पर सवार होकर नवीनगर से अंबा की ओर जा रहा था जबकि बरुणा गांव के ही मनोज साव भाभी मीना देवी को लेकर घर की ओर जा रहा था। इस बीच तमसी मोड पर दोनों बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई। मीना देवी की गोद में नवजात शिशु भी था। दुर्घटना में मीना देवी एवं निकेश विश्वकर्मा की मौत हो गई। आसपास के लोगों एवं पुलिस की मदद से टिंकू विश्वकर्मा एवं मनोज साव को उपचार के लिए रेफरल अस्पताल को कुटुंबा पहुंचाया गया, जहां के डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत देखते हुए दोनों को रेफर कर दिया। पता चला कि टिंकू विश्वकर्मा की मौत बनारस ले जाने के दौरान रास्ते में हो गई। फिलहाल, घायलों का इलाज किया जा रहा है। पुलिस शवों का पोस्टमार्टम करा रही है।

पूर्वी चंपारण के दो तस्कर 75 लाख के ड्रग्स के साथ दिल्ली में गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण। जिले के दो ड्रग्स तस्कर को भारी मात्रा में ड्रग्स के साथ दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गुप्त सूचना पर पूर्वी दिल्ली जिला पुलिस ने दोनो ड्रग्स तस्करों को उस वक्त गिरफ्तार किया है,जब वे ड्रग्स की खेप लेकर दिल्ली के अपने सहयोगों को डिलीवरी देने जा रहे थे। पुलिस ने इनके पास से 6 किलो चरस और डेढ़ किलो अफीम के अलावा दो नेपाली सिम कार्ड बरामद किए हैं। बरामद ड्रग्स की कीमत 75 लाख रुपये से ज्यादा बताई जा रही है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान,पूर्वी चंपारण जिले के रक्सौल के अमित ठाकुर (32) और जोकियारी गांव के रवि मान शाह (23) के रूप में हुई है। पूछताछ के दौरान यह खुलासा हुआ है,कि दोनों नेपाल बॉर्डर को क्रॉस कर ड्रग्स की खेप दिल्ली समेत भारत के अन्य शहरो में पहुंचाते है ।साथ ही यह खुलासा किया है,कि उक्त ड्रग्स अन्य देशो से नेपाल पहुंचता है,फिर ये लोग रक्सौल सहित इंडो-नेपाल के खुली सीमा का लाभ उठाकर ड्रग्स को पहले नेपाल से भारतीय शहर या गांव में स्टोर करते है,फिर डिमांड के अनुसार भारत के अन्य राज्यो में पहुंचाते है। दिल्ली पुलिस ने प्रीत विहार थाना में इन दोनो के विरूद्ध मामला दर्ज कर उनसे पूछताछ कर रही है,ताकि नेपाल से दिल्ली तक फैले इस पूरे नेटवर्क का खुलासा किया जा सके।

झंझारपुर में विरोधियों के कन्टेस्ट से दूर राजग उम्मीदवार को मोदी इम्पैक्ट से जीत पक्का- नीतीश मिश्रा

मधुबनी,एजेंसी। जिला के झंझारपुर संसदीय क्षेत्र में सघन प्रचार अभियान जारी बताया। दोपहर के समय बुधवार को कड़ी धूप में सर्वसीमा नरूआर लोहना रूपौली हैंठीवाली लालगंज गांव की दलान पर झंझारपुर के भाजपा विधायक व मंत्री नीतीश मिश्रा ने आमलोगों के बीच बैठकर विचार मंथन विमर्श में घिरे दिखा। मंत्री नीतीश मिश्रा ने बताया कि झंझारपुर संसदीय क्षेत्र में राजग उम्मीदवार रामप्रीत मंडल को किसी से कोई कॉन्टेस्ट नहीं हैं। झंझारपुर संसदीय क्षेत्र में एक ही कॉन्सेप्ट बन गया है कि नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार फिर से प्रधानमंत्री पद सौंपना है। यूथ आईकोन मंत्री नीतीश मिश्रा ने कहा कि झंझारपुर संसदीय क्षेत्र के राजग प्रत्याशी रामप्रीत मंडल के पक्ष में मतदान करने का व समुच्चय मानसिकता के साथ जिताने के लिए एक ही इम्पैक्ट मोदी हवा सबतरि बन गया है ।कहा कि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में झंझारपुर संसदीय क्षेत्र में सभी जाति धर्म वर्ग के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम पर एकीकृत गुच्छ वोट डालने का चहुंओर इन्टरनल करेन्ट बन गया है।

मंत्री नीतीश मिश्रा राजग घटक दल के सभी जनप्रतिनिधि, नेताओं एवं कार्यकर्ताओं का सघन प्रचार -प्रसार अभियान में जुटे रहने की चर्चा किया। कहा कि यहां पर विरोधियों की आपसी सिरफुटौबल स्थिति सार्वजनिक है ।बताया कि झंझारपुर संसदीय क्षेत्र में विरोधी दल की आपसी खींचतान का सीधा लाभ राजग के जदयू उम्मीदवार रामप्रीत मंडल को मिल रहा। मंत्री नीतीश मिश्रा ने कहा कि झंझारपुर संसदीय क्षेत्र में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का राजनगर मैदान में विशाल चुनावी सभा का प्रभाव राजग उम्मीदवार को सम्बल दिया। मंत्री श्री मिश्रा ने बताया कि झंझारपुर संसदीय क्षेत्र में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह का चुनावी सभा का आयोजन-आगमन हुआ। गृह मंत्री अमित शाह ने मंच से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी राष्ट्र निर्माण विकसित भारत व केन्द्र सरकार की अनेक लाभपरक योजनाबद्ध लाभ की वचनबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय गृह मंत्री का भव्य आगाज व सम्भाषण राजग उम्मीदवार रामप्रीत मंडल के पक्ष में सटीक माहौल व्याप्त तैयार किया। झंझारपुर संसदीय क्षेत्र के छह विधानसभा क्षेत्र में से पांच पर एनडीए का कब्जा है। कहा कि इस संसदीय क्षेत्र के सभी छह विधान सभा पर वर्तमान में क्रमश: पांच जगहों पर तीन में भाजपा व दो पर जदयू के विधायक बर्ष 2020 में एकीकृत चुनाव में जीत हासिल किया। इनमे से वर्तमान में झंझारपुर, खजौली, राजनगर, फुलपरास व बाबूबरही में एनडीए के विधायक हैं। मंत्री नीतीश मिश्रा ने बुधवार को प्रचार क्रम में प्रफुल्लित मन से कहा कि झंझारपुर संसदीय क्षेत्र में मतदाताओं की निर्णायक चुप्पी %%कमला मैया तरे- तर की सोचपरक वैचारिक मतैक्य प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम पर %% फोनेटिक वोट करने का मन बना लिया है। चुनाव सात मई को है। परिणाम को चार जून का इन्तजार भर करना है। अवसर पर मंत्री के साथ जद यू शिक्षा प्रकोष्ठ अध्यक्ष डा संजीव कुमार झा सहित कई गणमान्य लोग व भाजपाई कार्यकर्ताओं,युवको व एनडीए घटक दल के

राजग उम्मीदवार को जीताने के लिए सीएम नीतीश कर रहे लगातार सभा और रैली

पटना,एजेंसी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राजग गठबंधन उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित कराने के लिए लगाता जनसभा और रेली कर रहे हैं। इसी क्रम में उहोंने तीसरे चरण की पांच सीटों पर अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। मधेपुरा में कैंप करने के बाद सीएम नीतीश कुमार ने बुधवार को कई चुनावी सभाओं में भाग लिया। सीएम ने झंझारपुर लोकसभा क्षेत्र में आज दो जनसभाएं की। वहीं सुपौल और मधेपुरा लोकसभा क्षेत्र में उनकी एक-एक जनसभा थी। तीसरे चरण का मतदान आगामी सात मई को है। बिहार में लोकसभा की सभी 40 सीटों में 9 पर मतदान हो चुके हैं। तीसरे चरण में पांच सीटों में से तीन सीट मधेपुरा, झंझारपुर और सुपौल जदयू की है। वहीं अररिया में भाजपा का और खगड़िया में चिराग पासवान की पार्टी का उम्मीदवार मैदान में है। तीसरे चरण के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 29 अप्रैल से ही चुनाव अभियान की शुरुआत कर दी है। पिछले दो दिनो में सीएम 8 चुनावी सभाओं और दो रोड शो कर चुके हैं और आज एकबार फिर से चुनावी सभा के साथ एक रोड शो का कार्यक्रम था। जदयू की तरफ से तीनों सीट जीतने के लिए पूरी ताकत लगाई जा रही है। नीतीश कुमार लोकसभा चुनाव में राज्य की सभी 40 सीटों पर एनडीए की जीत सुनिश्चित करने को लेकर लगातार पार्टी पदाधिकारियों से संवाद भी कर रहे हैं। इसी क्रम में वह जल्द की तीसरी वर्चुअल बैठक करेंगे। इस दौरान वह जिला, प्रखंड और पंचायत स्तर तक के पार्टी पदाधिकारियों को दिशा-निर्देश देंगे। साथ ही उनकी बात भी सुनेंगे। उल्लेखनीय है कि एनडीए के तहत जदयू के उम्मीदवार बिहार की कुल 16 सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं। दूसरे चरण में जिन पांच सीटों पर मतदान संपन्न हुए हैं उन सभी पांच सीटों पर जदयू के ही उम्मीदवार थे। शेष 11 उम्मीदवार आगे के पांच चरणों में अपने भाग्य का फैसला करेंगे। बिहार की 40 सीटों पर जीत हासिल करने के लिए एनडीए के सभी बड़े नेता बिहार में पूरी ताकत लगा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह,भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ जीतनराम मांझी, चिराग पासवान, सम्राट चौधरी, उपेंद्र कुशवाहा भी लगातार कार्यक्रम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार चुनावी सभाओं के साथ वर्चुअल बैठकें भी कर रहे हैं। वह दो वर्चुअल बैठक कर चुके हैं और इसी सप्ताह तीसरी बैठक भी करने वाले हैं। उसकी तैयारी चल रही है।

बिहार के किशनगज में सिलेंडर ब्लास्ट से एक परिवार के चार की मौत, तीन की हालत नाजुक

पटना,एजेंसी। बिहार में किशनगंज जिले के पौआखाली में रसोई गैस सिलेंडर में ब्लास्ट होने से महिला और उसके तीन बच्चों की मौत हो गई जबकि तीन लोगों की हालत गंभीर है। उन्हें पूर्णिया में भर्ती करवाया गया है। इस दुर्घटना को लेकर सीएम नीतीश ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। पुलिस के मुताबिक, गैस सिलेंडर में आग लग गई। जब तक परिवार के लोग संभल पाते तब तक आग पूरे किचन में फैल गई। देखते ही देखते गैस सिलेंडर ब्लास्ट कर गया। इसकी जद में परिवार के छह लोग आ गए। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। दमकल की गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पाया। आनन-फानन में घायलों को पहले किशनगंज में भर्ती करवाया गया। यहां से सभी को जीएमसीएच, पूर्णिया में भर्ती करवाया गया। यहां डाक्टरों ने महिला और उसके तीन बच्चों को मृत घोषित कर दिया। बच्चे के मामा और मौसी का गंभीर हालत में प्राइवेट अस्पताल में इलाज जारी है। मृतकों में किशनगंज के पौआखाली गांव निवासी मो. अंसार की पत्नी साहिबा के अलावा उनके बच्चे

अनीशा, आरुषि और अनीश हैं। इस दुखद हादसे के बाद से परिजन में चीख-पुकार मची है। पूरे गांव में मातमी सन्नाटा है। मृतका का पति मेरठ में काम करता है।

सीएम नीतीश ने जताया शोक

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने किशनगंज जिले के पौआखाली के ननकार गांव में खाना बनाने के दौरान गैस सिलेंडर फटने से हुये हादसे में चार लोगों की मौत पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह घटना अत्यंत दुखद है। मुख्यमंत्री ने घटना में घायल लोगों के समुचित इलाज का निर्देश दिया है। साथ ही उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। मुख्यमंत्री ने मृतक के परिजनों को दु:ख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

सरकार बनी तो 15 अगस्त को देश के एक करोड़ बेरोजगारों को दी जायेगी सरकारी नौकरी: तेजस्वी प्रसाद

अररिया। बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद ने अररिया के वीरनगर विषहरिया में राजद प्रत्याशी शाहनवाज आलम के पक्ष में बुधवार को चुनावी जनसभा को संबोधित किया ।भारी भीड़ के बीच नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद ने अपने संबोधन में भाजपा और एनडीए नेताओं को आड़े हाथ लिया और प्रधानमंत्री समेत भाजपा पर जमकर बरसे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि यह चुनाव काफी महत्वपूर्ण है। चुनाव देश को बचाने और बनाने का चुनाव है। देश के लोकतंत्र और संविधान को बचाने के साथ-साथ गंगा जमुनी तहजीब बचाने का यह चुनाव है।

उन्होंने भाजपा सांसद पर प्रहार करते हुए कहा कि भाजपा सांसद जीतकर जाने के बाद दोबारा नहीं आते हैं ।राज्य और केंद्र सरकार में भाजपा की सरकार है लेकिन वे केवल लोगों को ठगने का काम कर रहे हैं। आज देश का सबसे बड़ा दुश्मन बेरोजगारी, गरीबी और महंगाई है लेकिन प्रधानमंत्री महंगाई, बेरोजगारी और गरीबी के बारे में कुछ नहीं बोलते हैं वे केवल हिंदू मुसलमान के बीच झगड़ा लगाकर दस वर्षों से राज करने का काम कर रहे हैं। तेजस्वी प्रसाद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को झूठा प्रधानमंत्री करार दिया और कहा कि वह गोबर को भी हलवा बना देते हैं। वहीं भीड़ को संबोधित करते हुए कहा कि 17 महीने के अपने कार्यकाल में उन्होंने 5 लाख सरकारी नौकरी देने का काम किया और यदि देश में इंडिया गठबंधन की सरकार बनी तो 15 अगस्त को बेरोजगारी से

बेरोजगारों को आजादी दी जाएगी। देश में एक करोड़ लोगों को सरकारी नौकरी दी जाएगी ।साथ ही उन्होंने घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत पांच सौ रुपये करने,200 यूनिट बिजली मुफ्त करने, प्रति साल गरीबी रेखा से नीचे रहने वाली बहनों को एक लाख रुपैया का सहयोग देने की भी बात कही। उन्होंने आमजनों से संगठित होकर राजद प्रत्याशी के पक्ष में मतदान करने की अपील की। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए गाना गाकर लोगों को लुभाने की कोशिश की। चुनावी जनसभा में तेजस्वी प्रसाद के अलावे राजद नेता अब्दुल बारी सिद्दीकी, विधान पार्षद कारे साहब, पूर्व सांसद सुकदेव पासवान, पूर्व विधायक अनिल यादव, प्रत्याशी शाहनवाज आलम, अनवर, कमरूज्जमा, पोलो झा सहित भारी संख्या में रजत के नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे।

आंगनबाड़ी केंद्रों पर कमीशखोरी से आफत में नौनिहालो का जीवन

पूर्वी चंपारण। जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों पर पोषाहार बनाने के लिए गैस कनेक्शन वितरण में कमीशनखोरी का मामला सामने आया है। मिली जानकारी के अनुसार कमीशन गटकने के चक्कर में पदाधिकारी सेविका व सहायिका से लेकर नौनिहालों के जान जोखिम में डालने से भी गुरेज नही कर रहे है। मामला आंगनबाड़ी केन्द्रो पर पोषाहार बनाने के लिए वितरित किये गये गैस चूल्हा से जुड़ा है। जहां नौनिहाल बच्चो के स्वास्थ और भविष्य को उज्जवल बनाने वाले इन केन्द्रों पर आईएसआई मार्क सिंगल चूल्हा के जगह घटिया किस्म का भट्ठी का वितरण किया जा रहा है।

पदाधिकारी और गैस एजेंसी संचालक दोनो के मिलीभगत से सरकार के निर्धारित मानक के विपरीत ढ्स्ढ मार्का चूल्हा के बजाय घटिया किस्म का भट्ठी चूल्हा आगनबाड़ी केंद्र पर दिया जा रहा है। जो किसी भी मानक के अनुसार नही है। फिलहाल तहकीकात के दौरान इस मामले का खुलासा अरेराज प्रखंड में हुआ है। लेकिन जानकार बताते है,कि कमीशनखोरी की लालच में ऐसा कार्य जिले के अन्य परियोजना कार्यालय में भी चल रहा है ।जिसकी जांच होने पर पुरा मामला उजागर हो सकता है। घटिया भठ्ठी वितरण का काम केवल उन्ही प्रखंड परियोजना कार्यालय में लंबित है,जहां गैस एजेंसी संचालक व अधिकारियो के बीच कमीशन की सेटिंग नही हो पायी है। विभागीय कार्यालय में कार्यरत एक कर्मी की माने आगनबाड़ी केंद्र पर दिये जाने वाले कनेक्शन में दो सिलिंडर,ढ्स्ढ मार्क सिंगल फ्लेम चूल्हा,रेगुलेटर व पाइप देना है। लेकिन कमीशन के खेल में नियम को ताक पर रख वैसा चूल्हा वितरित हो रहा है,जो कभी भी लीक हो सकता है। गैस संचालक की माने तो सीडीपीओ कार्यालय द्वारा ढ्स्ढ चूल्हा वितरण नही कर नमूना देखने के बाद सलेक्ट किया हुआ गैस भट्ठी चूल्हा वितरण किया गया है। वही गैस एजेंसी कर्मी की माने तो प्रति कनेक्शन 800 से 1000 रुपया कमीशन का खेल किया गया है।

एमबीआईटी का बैंक से नीलामी के बाद खरीददार आर.के.रुंगटा चैरिटेबल ट्रस्ट का कब्जा

अररिया। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा पहली बार मुख्यमंत्री बनने के बाद अप्रवासी भारतीय को बिहार में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया गया था,जिसके तहत सॉफ्टवेयर डेवलपर एवं ऑस्ट्रेलियन निवासी अप्रवासी भारतीय अमित दास के द्वारा फारबिसगंज के रामपुर स्थित बियाडा की 18 एकड़ जमीन में मोती बाबू इंस्टीट्यूट टेक्नोलॉजी (एमबीआईटी) नाम से इंजीनियरिंग कॉलेज स्थापित की गई थी,जिसमे 2009 से ही शैक्षणिक कार्य चल रहा था लेकिन बैंक के ऋण अदायगी नहीं किए जाने पर नीलामी के फलस्वरूप आर.के.रूंगटा चैरिटेबल ट्रस्ट ने सबसे अधिक बोली लगाकर इन्हे अपने नाम कर लिया था लेकिन नीलामी के बाद पैसे जमा करने के बावजूद आर.के.रूंगटा चैरिटेबल ट्रस्ट का इस पर कब्जा नहीं हो पा रहा था।

जिसके बाद कोर्ट का भी निर्णय हुआ,लेकिन कब्जा को लेकर लगातार अड़चन आ रही थी। अंततः आर.के.रूंगटा चैरिटेबल ट्रस्ट ने एमबीआईटी इंजीनियरिंग कॉलेज पर अपना आधिपत्य जमा लिया। एमबीआईटी प्रबंधन ने कोर्ट के आदेश के आलोक में आर.के.रूंगटा चैरिटेबल ट्रस्ट के सीईओ अभिनंदन

नौड़ियाल,डायरेक्टर डा.संजय प्रधान,ट्रस्ट के सदस्य गौतम साह को सुपुर्द करते हुए प्रशासकीय भवन समेत अन्य भवनों को खाली कर सुपुर्द कर दिया है,जहां आर.के.रूंगटा चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से रूंगटा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी इंजीनियरिंग कॉलेज खोलने का ऐलान किया गया ।जिसके लिए एआईसीटीई में मान्यता के लिए आवेदन करने की बात ट्रस्ट के सदस्यों ने की। एआईसीटीई से मान्यता मिलने के बाद यूनिवर्सिटी से परमिशन लेने के बाद जल्द ही विश्व स्तर का आर.के.रूंगटा चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से रूंगटा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी इंजीनियरिंग कॉलेज खोली जाएगी ।जहां छात्रों को रोजगारपरक शिक्षा प्रदान करने के साथ साथ उनका प्लेसमेंट पर विशेष ध्यान दिया जायेगा ।सीमांचल क्षेत्र के छात्रों के उज्जवल भविष्य को लेकर आर.के.रूंगटा चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से भविष्य में कई साहसिक कदम उठाने की बात ट्रस्ट के सदस्यों ने की ।वहीं एमबीआईटी को तत्काल अपने एकेडमिक सेशन पूरा करने के लिए एक भवन अलॉट किया गया है। ट्रस्ट के सदस्यों ने बताया कि एमबीआईटी के छात्रों के हितों का पूरा ख्याल रखा जायेगा और यदि सरकार चाही तो आने वाले समय में उनके सत्र को पूरा करने की दिशा में भी ट्रस्ट सकारात्मक सहयोग अपनाएगी।

एक नजर

गाजा युद्धविराम समझौते को आगे बढ़ाने एंटनी ब्लिंकन इजरायल पहुंचे

तेल अवीव। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन इजरायल पहुंचे। यहां पर वह गाजा युद्धविराम समझौते को आगे बढ़ाने के लिए बुधवार को देश के राष्ट्रपति इसहाक हर्जोग और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात करेंगे। 7 अक्टूबर 2023 को हमास और इजरायल के बीच युद्ध छिड़ने के बाद से एंटनी ब्लिंकन की यह सातवीं यात्रा है। इजरायल के प्रधानमंत्री के कार्यालय ने मंगलवार रात एक बयान में कहा कि इसहाक हर्जोग के साथ बैठक तेल अवीव में होगी, जबकि ब्लिंकन नेतन्याहू के साथ यरूशलम में उनके कार्यालय में बातचीत करेंगे। वह इजरायल के रक्षा मंत्री योव गैलेंट और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार तजाची हानेग्बी से भी मुलाकात करेंगे। ब्लिंकन बंधकों के परिवारों से भी मुलाकात करेंगे। शीर्ष अमेरिकी राजनयिक सोमवार को मध्य पूर्व पहुंचे थे और क्षेत्र में शांति के संबंध में जॉर्डन और सऊदी अधिकारियों के साथ बातचीत की थी। इजरायल ने इजरायली जेलों में बंद लगभग 600 फिलिस्तीनी कैदियों के बदले में हमास की हिरासत में अपने 33 बंधकों (महिलाओं, बुजुर्गों और बीमारियों से पीड़ित) को रिहा करने के मध्यस्थों के सुझाव पर सहमति व्यक्त की है। जेलों में बंद इन फिलिस्तीनियों में से कई हत्या के मामलों में आरोपी हैं। ब्लिंकन ने पहले घोषणा की थी कि वह मध्य पूर्व की अपनी वर्तमान यात्रा के दौरान इजरायल नहीं पहुंचेंगे, लेकिन इजरायल के प्रधानमंत्री कार्यालय के सूत्रों ने आईएएनएस को बताया कि हमास और इजरायल के बीच काहिरा में होने वाली अप्रत्यक्ष मध्यस्थता वार्ता में कुछ अड़चनें थीं।

इजरायली पीएम ने हमास के साथ समझौते या उसके बिना राफा पर जमीनी हमले की कसम खाई

यरूशलम। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हमास के साथ समझौते के साथ या उसके बिना, राफा पर जमीनी हमला करने की कसम खाई। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने मंगलवार को बंधकों के परिवारों के साथ एक बैठक में कहा कि इजरायल ने राफा से फिलिस्तीनी नागरिकों को निकालना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा, हम राफा में प्रवेश करेंगे और पूरी जीत हासिल करने के लिए समझौते के साथ या उसके बिना, वहां हमास की बटालियनों को खत्म कर देंगे। इज़रायल राफा को फिलिस्तीनी क्षेत्र में हमास का आखिरी प्रमुख गढ़ मानता है। राफा गाजा का सबसे दक्षिणी शहर है, जहां करीब 12 लाख फिलिस्तीनी शरण मांग रहे हैं।

गाजा में फिलीस्तीनियों की मौत का आंकड़ा बढ़कर 34,535 हुआ

गाजा, एजेंसी। हमास द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि गाजा पट्टी में हो रहे इजरायली हमलों में मरने वाले फिलिस्तीनियों की संख्या बढ़कर 34,535 हो गई है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, बीते 24 घंटों के दौरान इजरायली सेना ने 47 फिलिस्तीनियों को मार डाला और 61 अन्य घायल हुए हैं। इजरायल-हमास युद्ध शुरू होने के बाद से मरने वालों की कुल संख्या 34,535 हो गई और घायलों की संख्या 77,704 है। मंगलवार को जारी एक बयान के अनुसार, भारी बमबारी और बचाव दल की कमी के बीच कुछ पीड़ित मलबे में दबे हुए मिले। इजरायली पब्लिक रेडियो के अनुसार, इजरायली सेना ने गाजा में सुरंग प्रवेश द्वार और एक मिसाइल लॉन्च प्लेटफॉर्म सहित 24 लक्ष्यों पर हमला करने की सूचना दी। गाजा में नागरिक सुरक्षा महानिदेशालय ने अनुमान लगाया कि गाजा पट्टी में ध्वस्त इमारतों के मलबे के नीचे कुल मिलाकर 10 हजार से ज्यादा लोग अभी भी लापता हैं।

आयोग ने सांगठनिक चुनाव और ढांचे को लेकर इमरान खान की पार्टी के दर्जे पर सवाल उठाया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के निर्वाचन आयोग ने जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी के दर्जे पर सवाल उठाते हुए दावा किया है कि पार्टी ने पांच साल तक उचित तरीके से चुनाव नहीं कराए हैं और इसका कोई संगठनात्मक ढांचा नहीं है। पाकिस्तान के मुख्य निर्वाचन आयुक्त सिकंदर सुल्तान राजा की अगुवाई वाली निर्वाचन आयोग की पांच सदस्यीय पीठ ने मंगलवार को इस बात का संज्ञान लिया कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने उच्चतम न्यायालय और आयोग के निर्देश के बाद पार्टी के आंतरिक चुनाव नये सिरे से कराये थे लेकिन चुनाव संबंधी आपत्तियों पर स्पष्टीकरण की जरूरत है। आयोग के महानिदेशक (राजनीतिक वित्त) मसूद अख्तर ने पार्टी को सूचित कर दिया है और ज्यादा जानकारी नहीं दी है। 'डॉन न्यूज' की खबर के अनुसार पार्टी अध्यक्ष की नियुक्ति और उसकी आम सभा की बैठक के संबंध में आपत्तियों को बाद में प्रतिवादियों के साथ साझा किया गया। खान की अगुवाई वाली पीटीआई पार्टी के साथ साझा किए गए दस्तावेज में पार्टी के दर्जे पर सवाल उठाया गया है। इसके मुताबिक, पार्टी में पांच साल से चुनाव नहीं हुआ है, उसका कोई सांगठनिक ढांचा नहीं है और चुनाव चिह्न भी नहीं है।

चीन ने दक्षिण चीन सागर में तनाव के बीच तीसरे विमानवाहक पोत का समुद्री परीक्षण शुरू किया

बीजिंग, एजेंसी। चीन ने अपने तीसरे विमानवाहक पोत 'फुजियान' का बुधवार को पहला समुद्री परीक्षण शुरू किया। 'फुजियान' को सबसे उन्नत घरेलू युद्धपोत बताया जा रहा है। विवादित दक्षिण चीन सागर और ताइवान जलडमरूमध्य में अमेरिका के साथ बढ़ते तनाव के बीच बीजिंग ने अपनी नौसैनिक शक्ति को बढ़ाते हुए इस युद्धपोत का परीक्षण शुरू किया है। सरकार के स्वामित्व वाली शिन्हुआ समाचार एजेंसी की खबर के अनुसार, यह युद्धपोत समुद्री परीक्षण के लिए बुधवार सुबह शंघाई जियांगनान शिपयार्ड से रवाना हुआ। परीक्षण के दौरान विमान वाहक की प्रणोदन शक्ति और विद्युत प्रणालियों की विश्वसनीयता व स्थिरता की जांच की जाएगी।

फुजियान को जून 2022 में पानी में उतारा गया था, जिसने नौबंध परीक्षण, उपकरण समायोजन और अन्य दूसरी जरूरी परीक्षण पूरे कर लिए हैं। युद्धपोत ने समुद्री परीक्षण के लिए जरूरी तकनीकी आवश्यकताएं भी पूरी कीं। परीक्षण से पहले चीन ने यांगत्जे नदी के मुहाने के आसपास समुद्री यातायात नियंत्रण लगा दिया है, जहां जियांगनान शिपयार्ड 'सैन्य गतिविधियों' के लिए तैनात है। खबर के मुताबिक, यातायात नियंत्रण नौ मई तक रहेगा। पिछली आधिकारिक खबरों के अनुसार, चीन ने विवादित दक्षिण चीन सागर और ताइवान जलडमरूमध्य में वर्ष 2035 तक पांच से छह विमान वाहक पोत तैनात करने की योजना बनाई है। बीजिंग, दक्षिण चीन सागर के

अधिकांश हिस्से पर अपने कब्जे का दावा करता है तो वहीं ताइवान जलडमरूमध्य चीन की मुख्य भूमि को ताइवान से अलग करता है। इतना ही नहीं चीन, हिंद महासागर में भी अपनी शक्ति को बढ़ा रहा है। वर्तमान में दक्षिण चीन सागर में चीनी नौसेना का अमेरिका समर्थित फिलीपीन के नौसैनिक जहाजों के साथ गतिरोध जारी है। फिलीपीन, दक्षिण चीन सागर में सैकंड थॉमस टापू पर अपना दावा जताने की कोशिश कर रहा है जबकि चीन इसका कड़ा विरोध कर रहा है। चीन, दक्षिण चीन सागर के अधिकांश हिस्से पर अपना दावा करता है। वहीं फिलीपीन, मलेशिया, ब्रुनेई और ताइवान चीन के इस दावे का सख्ती से विरोध करते हैं।

पुलिस ने फलस्तीन समर्थक प्रदर्शनकारियों को कोलंबिया विवि के हैमिल्टन हॉल से हटाया

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क स्थित कोलंबिया विश्वविद्यालय के हैमिल्टन हॉल में इकट्ठा हुए 30 से 40 फलस्तीन समर्थक प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने मंगलवार रात परिसर से हटा दिया। प्रदर्शनकारी दिन के वक्त इस प्रशासनिक इमारत में इकट्ठा हो गये थे, जिसके बाद प्राधिकारियों को पुलिस बुलानी पड़ी। आइवी लीग स्कूल के अध्यक्ष ने कहा कि परिसर में सुरक्षा सुनिश्चित करने व व्यवस्था बहाल करने का कोई दूसरा विकल्प नहीं है और उन्होंने पुलिस विभाग से मदद मांगी, जिसके बाद न्यूयॉर्क पुलिस के अधिकारियों ने यह कार्रवाई की।

प्रदर्शनकारियों ने आइवी लीग स्कूल मैदान में तंबुओं में प्रदर्शन करते हुए इस इमारत पर कब्जा कर लिया था। पुलिस 17 मई तक परिसर में मुस्तैद रहेगी क्योंकि इस दिन विश्वविद्यालय के नये शैक्षणिक सत्र की तैयारियां समाप्त हो रही हैं। पिछले माह कोलंबिया में प्रदर्शनों की शुरुआत हुई थी, जो अब कैलिफोर्निया से लेकर मैसाचुसेट्स तक फैल गए हैं। जैसे-जैसे मई में नये शैक्षणिक सत्र की शुरुआत का समय नजदीक आ रहा है, विश्वविद्यालय प्राधिकारियों को प्रदर्शनकारियों को हटाने के लिए अतिरिक्त दबाव का सामना करना पड़ रहा है। फलस्तीन समर्थक प्रदर्शनकारियों के प्रशासनिक इमारत पर कब्जे को हटाने के लिए सैकड़ों की संख्या में पुलिस अधिकारी मंगलवार रात को कोलंबिया विश्वविद्यालय में घुसे और उन्होंने प्रदर्शनकारियों के तंबू उखाड़ फेंके। स्कूल के अध्यक्ष ने कहा था कि परिसर में सुरक्षा सुनिश्चित करने और व्यवस्था बहाल करने का कोई दूसरा विकल्प नहीं है, जिसके बाद पुलिस अधिकारियों ने यह कार्रवाई की। हेलमेट पहने और दंगों के दौरान प्रयोग किये जाने वाले सुरक्षा कवच हाथों में लिये पुलिसकर्मी रात नौ बजे विश्वविद्यालय के आइवी लीग प्रवेश द्वार से परिसर में घुसे, जिसके बाद परिसर का पूरा नजारा ही बदल गया। बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया और बसों में बैठाकर परिसर से ले जाया गया। प्रदर्शनकारियों ने 12 घंटे से ज्यादा समय तक हैमिल्टन हॉल पर कब्जा किया हुआ था। उन्होंने इससे करीब दो सप्ताह पहले मैदान में तंबू लगाकर प्रदर्शन शुरू किया था। पिछले दो सप्ताह में टेक्सास, वर्जीनिया, उत्तरी कैरोलिना, न्यू मेक्सिको, कनेक्टिकट, लुइसियाना, कैलिफोर्निया और न्यू जर्सी सहित राज्यों के विश्वविद्यालय परिसरों से एक हजार से अधिक प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें से कुछ को दंगा भड़काने के लिए पुलिस के साथ टकराव के बाद गिरफ्तार किया गया।

भारतीय मूल की ब्रिटिश लेखिका को लंदन विश्वविद्यालय ने 'डॉक्टरेट' की मानद उपाधि प्रदान की

लंदन। कोलकाता में जन्मी इतिहासकार-लेखिका श्राबणी बासु को साहित्य तथा साझा ब्रिटिश भारतीय इतिहास के अध्ययन के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए लंदन विश्वविद्यालय ने 'डॉक्टरेट' की मानद उपाधि प्रदान की है।

सर्वाधिक बिकने वाली जीवनी संबंधी पुस्तकों 'स्पाई प्रिंसेंज - द लाईफ ऑफ नूर इनायत खान' और 'विक्टोरिया एंड अब्दुल-द ट्रू स्टोरी ऑफ क्वीन्स क्लोजेस्ट कॉन्फिडेंट' की लेखिका बासु ने मंगलवार को एक दीक्षांत समारोह में 'डॉक्टर ऑफ लिटरेचर' की अपनी मानद उपाधि ग्रहण की। 'विक्टोरिया एंड अब्दुल-द ट्रू स्टोरी ऑफ क्वीन्स क्लोजेस्ट कॉन्फिडेंट' पर एक फिल्म भी बनी है जिसे ऑस्कर के लिए नामित किया गया था और उसमें डेम जूडी डेंच ने अभिनय किया था। ब्रिटेन के किंग चार्ल्स तृतीय की बहन प्रिंसेंज रॉयलङ्क प्रिसेंज एन्नी ने विश्वविद्यालय की कुलाधिपति के तौर पर बासु को यह डिग्री प्रदान की। बासु ने इस 'विनम्रतापूर्ण एवं गौरवपूर्ण क्षण' का उल्लेख करते हुए अपने संबोधन में कहा, "2009 में यह लंदन विश्वविद्यालय ही था जिसने हमें गॉर्डन स्क्वायर पर द्वितीय विश्वयुद्ध की नायिका नूर इनायत खान का स्मारक बनाने की अनुमति दी थी। उन्होंने कहा, "विश्वविद्यालय ने नूर इनायत खान की स्मृतियों के महत्व को पहचाना जिनके बारे में उस समय लोग बहुत कम जानते थे।

गाजा समझौते के लिए बड़ी रियायतें देने को तैयार है इजरायल: रिपोर्ट

काहिरा/तेल अवीव, एजेंसी। गाजा युद्ध में संघर्ष विराम पर काहिरा में चल रही वार्ता के दौरान फिलिस्तीनी आतंकवादी समूह हमास द्वारा पेश एक समझौते के प्रस्ताव के बारे में विवरण सामने आया है। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने मंगलवार को मिस्र के अधिकारियों का हवाला देते हुए बताया, जिस प्रस्ताव को तैयार करने में इजरायल शामिल था, उसे अभी तक मंजूरी नहीं दी गई है। प्रस्ताव में दो चरणों की परिकल्पना की गई है।

पहले चरण में फिलिस्तीनी कैदियों के बदले में तीन हफ्ते के भीतर कम से कम 20 बंधकों की रिहाई शामिल होगी। टाइम्स ऑफ इजरायल अखबार ने मंगलवार को एक इजरायली अधिकारी के हवाले से कहा, इजरायल किसी समझौते पर पहुंचने के लिए लचीलापन दिखाने में आगे बढ़ गया है। उदाहरण के लिए, पहले चरण में हमास द्वारा रिहा किये जाने वाले बंधकों की संख्या कम कर दी गई है। इजरायल उन फिलिस्तीनियों की संभावना के लिए भी खुला है जो गाजा पट्टी के दक्षिण में लड़ाई से भाग गए थे और इजरायली सुरक्षा जांच के बिना उत्तर में लौट आए। इजरायली अखबार के अनुसार, वर्तमान में

जिन विकल्पों पर विचार किया जा रहा है, उनमें से एक विकल्प यह है कि मिस्र सुरक्षा जांच अपने हाथ में ले। इजरायली सरकार हमास से लेटेस्ट प्रस्ताव पर बुधवार शाम को प्रतिक्रिया की उम्मीद कर रही है। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने इजरायली और मिस्र के अधिकारियों के हवाले से कहा कि इजरायल आने वाले दिनों में काहिरा में अप्रत्यक्ष वार्ता के लिए एक प्रतिनिधिमंडल भेजने के लिए तैयार है। इजरायल लेटेस्ट प्रस्ताव को आखिरी मौका के रूप में देख रहा है। इजरायली मीडिया ने हाल ही में वरिष्ठ अधिकारियों के हवाले से कहा कि अगर हमास के साथ जल्द ही समझौता नहीं हुआ, तो दक्षिणी गाजा के रफा शहर में जमीनी आक्रमण शुरू हो जाएगा। एक अधिकारी ने वॉल स्ट्रीट जर्नल को बताया कि रफा में हमले की तैयारी जारी है।

बैसाखी पर ब्रिटिश संसद में गुरबानी की भक्तिपूर्ण गूंज सुनाई दी

लंदन। लंदन में अपनी तरह के पहले बैशाखी समारोह में इस सप्ताह संसद के दोनों सदनों में गुरबानी की भक्तिपूर्ण धुनों और सद्भाव के संदेशों की गूंज सुनाई दी। ब्रिटिश भारतीय थिंक टैंक '1928 इंस्टीट्यूट' और प्रवासियों के संगठन 'सिटी सिख्स एंड ब्रिटिश पंजाबी वेल्फेयर एसोसिएशन' द्वारा सोमवार शाम को आयोजित इस समारोह में 'कॉमनवेल्थ पार्लियामेंटरी एसोसिएशन रूम' में विभिन्न क्षेत्रों के पेशेवर, सामुदायिक नेता और समाजसेवी एकत्र हुए तथा ब्रिटेन-भारत संबंधों एवं ब्रिटिश जनजीवन में सिख समुदाय के योगदान पर प्रकाश डाला गया। 'सिटी सिख्स' के अध्यक्ष जसवीर सिंह ने इस कार्यक्रम की अगुवाई की

जिसमें कई वक्ताओं ने भाषण दिया एवं अनहद कीर्तन सोसायटी ने गुरबानी प्रस्तुत की। '1928 इंस्टीट्यूट' की सह अध्यक्ष किरण कौर मंकू ने कहा, "वर्ष 1699 में श्री गुरू गोविंद सिंह जी द्वारा खालसा की स्थापना की वर्षगांठ के मौके पर मनाई जाने वाली बैसाखी का इस तरह का आयोजन वाकई में असली सम्मान है। बैसाखी खालासा की शुरुआत तथा उससे जुड़े उपदेशों को लेकर मनाई जाती है। इन उपदेशों में ऊंच-नीच, अहंकार और भय को दूर करते हुए समानता पर बल दिया गया है। संसद में लेबर पार्टी के ब्रिटिश सिख सदस्य तनमनजीत सिंह धेसी और इसी पार्टी के लिए एशिया एवं प्रशांत क्षेत्र से संबंधित छाया मंत्री कैथरीन वेस्ट, बैरोनेस सैंडी वर्मा, दक्षिण एशिया मंत्री लॉर्ड तारिक अहमद समेत विभिन्न दलों के सांसद भी इस समारोह में शामिल हुए। ऐसी आशा है कि यह समारोह संसदीय कैलेंडर में वार्षिक आयोजन के रूप में शामिल हो जाएगा।

कोविड-19 के अनुक्रमण का प्रकाशन करने वाले चीनी वैज्ञानिक को प्रयोगशाला मे लौटने की अनुमति मिली

बीजिंग। चीन में कोविड-19 वायरस के अनुक्रमण से जुड़ी जानकारी सबसे पहले प्रकाशित करने वाले वैज्ञानिक ने कहा कि उन्हें कई दिन के विरोध प्रदर्शन के बाद अपनी प्रयोगशाला में वापस जाने की अनुमति दे दी गई है। वैज्ञानिक झांग योंगझेन ने बुधवार को सोशल मीडिया में अपने पोस्ट में लिखा कि अधिकारी उन्हें और उनकी टीम को प्रयोगशाला में जाने देने और शोध जारी रखने पर "अस्थाई रूप से सहमत" हो गए हैं। झांग और उनकी टीम को अचानक प्रयोगशाला छोड़ने को कहा गया था। वह सप्ताहांत से अपनी प्रयोगशाला के बाहर धरना दे रहे थे। यह घटनाक्रम कोरोना वायरस पर अनुसंधान कर रहे वैज्ञानिकों पर बीजिंग के बढ़ते दबाव का संकेत देता है। 'शंघाई पब्लिक हेल्थ क्लिनिकल सेंटर' ने

पहले कहा था कि झांग की प्रयोगशाला का नवीनीकरण किया जा रहा है और सुरक्षा कारणों से इसे बंद किया गया है लेकिन झांग ने कहा कि उनकी टीम को कोई विकल्प नहीं दिया गया और नई प्रयोगशाला अनुसंधान के लिए सुरक्षा मानकों के अनुरूप नहीं है। झांग से जुड़ी यह घटना यह दिखाती है कि चीन कैसे वायरस से जुड़ी जानकारियों को नियंत्रित कर रहा है। 'एसोसिएटेड प्रेस' की जांच में पाया गया कि सरकार ने कोरोना वायरस फैलने के शुरुआती दिनों से ही इसके बारे में पता लगाने संबंधी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय प्रयासों को रोका था। यह सिलसिला अब भी जारी है, प्रयोगशालाएं बंद हैं, विदेशी वैज्ञानिकों को देश से जाने के लिए कहा गया और चीनी अनुसंधानकर्ताओं के देश छोड़ने पर रोक लगाई गई है।

हजारो गोलों, गोलियों और 37 मिसाइलों की सैन्य अड्डे से चोरी हुई : कोलंबिया के राष्ट्रपति

बोगोटा। कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने मंगलवार को कहा कि देश के दो सैन्य अड्डों से हजारों गोलों (ग्रेनेड) और गोलियों की चोरी हुई है। पेट्रो ने एक संक्षिप्त बयान में कहा कि सेना ने इस माह निरीक्षण किया और पाया कि हजारों गोलियां, हजारों गोले और तोप रोधी 37 मिसाइलें सैन्य अड्डों से चुराई गई हैं। इन सैन्य अड्डों में से एक देश के मध्य भाग में जबकि दूसरा कैरेबियाई तट के निकट स्थित है। राष्ट्रपति ने कहा कि हो सकता है कि ये गोला-बारूद कोलंबियाई विद्रोही संगठनों के हाथ लगे हों या उन्हें अन्य देशों में आपराधिक समूहों को अवैध रूप से बेच दिया गया हो जिनमें हैती के विद्रोही भी शामिल हैं। उन्होंने कहा," जो सामान गायब है उसके संबंध में यही कहा जा सकता है कि सशस्त्र बलों में भी ऐसे लोगों के नेटवर्क हैं जो हथियारों की अवैध खरीद-फरोख्त में शामिल हैं।" राष्ट्रपति ने कहा कि " सशस्त्र बलों को किसी भी आपराधिक संगठन से दूर रखने के लिए" सैन्य अड्डों का निरीक्षण जारी रहेगा। सैन्य अडडों की जांच ऐसे वक्त हुई है जब कोलंबिया ने देश के दक्षिण-पश्चिम में विद्रोही संगठन 'एफएआरसी-ईएमसी' के खिलाफ लड़ाई फिर से शुरू की है। वर्ष 2016 में 'रेवोल्यूशनरी आर्म्ड फोरसेज ऑफ कोलंबिया' और सरकार के बीच शांति समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद इस विद्रोही संगठन से अलग होकर 'एफएआरसी-ईएमसी' बना था।

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख गुटेरेस ने राफा में इजरायली घुसपैठ को रोकने के लिए अंतर्राष्ट्रीय दबाव की अपील की

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू राफा में सेना भेजने के अपने दृढ़ संकल्प पर दृढ़ता से खड़े हैं, उधर संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने उस क्षेत्र पर हमले को रोकने के लिए अंतर्राष्ट्रीय दबाव की अपील की, जहां 12 लाख से अधिक फिलिस्तीनी शरण लिए हुए हैं। गुटेरेस ने मंगलवार को कहा, मैं इजरायल पर प्रभाव रखने वाले सभी लोगों से इसे रोकने के लिए अपनी शक्ति में सब कुछ करने की अपील करता हूं।

उन्होंने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, राफा पर सैन्य हमला असहनीय है, जिसमें हजारों नागरिक मारे जाएंगे और हजारों लोगों को भागने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। वह क्षेत्र जहां 12 लाख से अधिक लोग अब राफा गवर्नरेट में शरण मांग रहे हैं, उनमें से अधिकांश इजरायली बमबारी के कारण भाग रहे हैं। कथित तौर पर 34,000 से अधिक लोग मारे गए हैं। इस बीच, नेतन्याहू ने कहा - हम राफा में प्रवेश करेंगे और हम पूरी जीत हासिल करने के लिए समझौते के साथ या उसके बिना, हमास की बटालियनों को खत्म कर देंगे। यह बयान अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी

ब्लिंकन की इजरायल यात्रा से पहले आया है, जहां उनसे राफा पर हमले के कारण राष्ट्रपति जो बाइडेन के विरोध को बुलंद करने की उम्मीद है। गुटेरेस ने चेतावनी दी कि राफा में घुसपैठ से कब्जे वाले वेस्ट बैंक और व्यापक क्षेत्र पर गंभीर असर होगा। अमेरिका और उसके सहयोगी इजरायल और हमास को एक समझौते पर लाने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे युद्धविराम हो सके और अक्टूबर में इजरायल पर हमले में आतंकवादी संगठन द्वारा अपहरण किए गए कुछ बंधकों को रिहा किया जा सके।

इमरान के पास गोपनीय दस्तावेज होने का कोई सबूत नहीं : इस्लामाबाद उच्च न्यायालय

इस्लामाबाद। गोपनीय दस्तावेज मामले में उस समय एक नया मोड़ आ गया जब इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने कहा कि संघीय जांच एजेंसी के पास यह साबित करने के लिए कुछ भी नहीं है कि जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के पास गोपनीय राजनयिक दस्तावेज थे और उनके पास से ये गुम हो गए। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश आमिर फारूक और न्यायमूर्ति मियांगुल हसन की खंडपीठ ने मंगलवार को गोपनीय दस्तावेज रखने के मामले में 71 वर्षीय इमरान खान और उनकी सरकार में विदेश मंत्री रहे शाह महमूद कुरैशी को दोषी करार दिए जाने के खिलाफ उनकी अपीलों पर सुनवाई मंगलवार को फिर शुरू की थी। पीठ ने पूछा कि अभियोजन एजेंसी के पास यह साबित करने के लिए कोई सामग्री है या नहीं कि इमरान खान के पास गोपनीय दस्तावेज थे। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान को इस मामले में पूर्व विदेश मंत्री कुरैशी के साथ 10 साल के कारावास की सजा सुनाई गई थी।

एक नजर

पंजाब की टीम आज और चेन्नई की टीम शुक्रवार को पंहुचेंगी धर्मशाला

धर्मशाला। धर्मशाला के एचपीसीए क्रिकेट स्टेडियम में आईपीएल का रोमांच शुरू होने जा रहा है। पांच मई को खेले जाने वाले पहले आईपीएल मुकाबले के लिए मेजबान पंजाब किंग्स इलैवन की टीम कल वीरवार को धर्मशाला पंहुच जाएगी। वहीं इस मुकाबले की दूसरी टीम चेन्नई सुपर किंग्स अगले दिन तीन मई को धर्मशाला पंहुचेंगी। इसके साथ ही मैच आफिशियल भी टीमों के साथ धर्मशाला पंहुचेंगे। एचपीसीए के मीडिया प्रभारी मोहित सूद ने बताया कि तय कार्यक्रम के मुताबिक पंजाब की टीम वीरवार को चार्टर प्लेन से दोपहर बाद करीब ढाई बजे गगल एयरपोर्ट पर पंहुचेगी। इसके बाद टीम के खिलाड़ी सीधा धर्मशाला के कंडी स्थित होटल रेडिसन पंहुचेंगे। वहीं चेन्नई की टीम के खिलाड़ी और मैच आफिशियल्स तीन मई को करीब एक बजे गगल एयरपोर्ट पर पंहेचेंगे। इसके अलावा दूसरे मैच के लिए आरसीबी की टीम छह मई को धर्मशाला पंहुचेगी। पांच मई के मुकाबले से पूर्व दोनों ही टीमें प्रैक्टिस के लिए स्टेडियम पंहुचकर पसीना बहाएंगी। तय कार्यक्रम के मुताबिक पंजाब की टीम तीन मई को दोपहर बाद दो बजे से शाम पांच बजे तक अभ्यास करेगी। इसके साथ ही अगले दिन चार मई को पंजाब की टीम दोपहर बाद दो बजे से शाम पांच बजे तक जबकि चेन्नई की टीम शाम छह बजे से रात नौ बजे तक अभ्यास करेगी। वहीं नौ मई को खेले जाने वाले दूसरे मुकाबले के लिए सात मई को आरसीबी की टीम पांच बजे से देर शाम आठ बजे तक जबकि पंजाब की टीम छह बजे से रात नौ बजे तक अभ्यास करेगी। इसी तरह आठ मई को आरसीबी की टीम शाम पांच बजे से आठ बजे तक जबकि पंजाब की टीम छह बजे से रात नौ बजे तक अभ्यास करेगी।

आस्ट्रेलिया की टी20 विश्व कप टीम के ऐलान में शामिल साइमंड्स के बच्चे भी

मेलबर्न। आस्ट्रेलिया ने दिवंगत हरफनमौला एंड्रयू साइमंड्स के बच्चों को जून में होने वाले टी20 विश्व कप के लिये आस्ट्रेलियाई टीम की घोषणा करने वाले 2007 विश्व कप विजेता टीम के प्रमुख सदस्यों में शामिल किया है। साइमंड्स का 46 वर्ष की उम्र में 2022 में एक कार दुर्घटना में निधन हो गया था। साइमंड्स के बेटे विल और बेटी चोले ने रिकी पोंटिंग, एडम गिलक्रिस्ट, माइकल क्लार्क और ग्लेन मैकग्रा जैसे धुरंधरों

के साथ आस्ट्रेलियाई टीम का वीडियो पर ऐलान किया। विल ने एश्टोन एगर के नाम की घोषणा की और चोले ने मिचेल स्टार्क का नाम लिया। साइमंड्स आस्ट्रेलिया की दो विश्व कप विजेता टीम के सदस्य रहे। भारतीय टीम के 2008 के आस्ट्रेलिया दौरे पर वह विवाद में फंस गए थे जब उन्होंने स्पिनर हरभजन सिंह पर नस्लीय टिप्पणी का आरोप लगाया। जांच के बाद हरभजन को आरोप से बरी कर दिया गया। दोनों ने बाद में आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिये साथ में खेला।

मैड्रिड ओपन : करेन खाचानोव को हराकर पहली बार क्वार्टरफाइनल में पहुंचे जननिक सिनर

मैड्रिड,एजेंसी। विश्व के दूसरे नंबर के टेनिस खिलाड़ी जननिक सिनर ने मंगलवार को करेन खाचानोव को हराकर पहली बार मैड्रिड ओपन के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। शीर्ष वरीयता प्राप्त इतालवी खिलाड़ी ने खाचानोव को 5-7, 6-3, 6-3 से हराया। 16वीं वरीयता प्राप्त खाचानोव के खिलाफ अरांत्सा सांचेज स्टेडियम में एक कठिन मुकाबले में, सिनर ने प्रतियोगिता का अपना पहला सेट हारने के बावजूद जोरदार पलटवार किया। उन्होंने निर्णायक सेट में सामना किए गए दोनों ब्रेक पॉइंट बचाए और दो घंटे और दस मिनट में जीत हासिल की। मैच जीतने के बाद सिनर ने एटीपी के हवाले से कहा, मुझे लगता है कि यह मैच वाकई बहुत कठिन था,

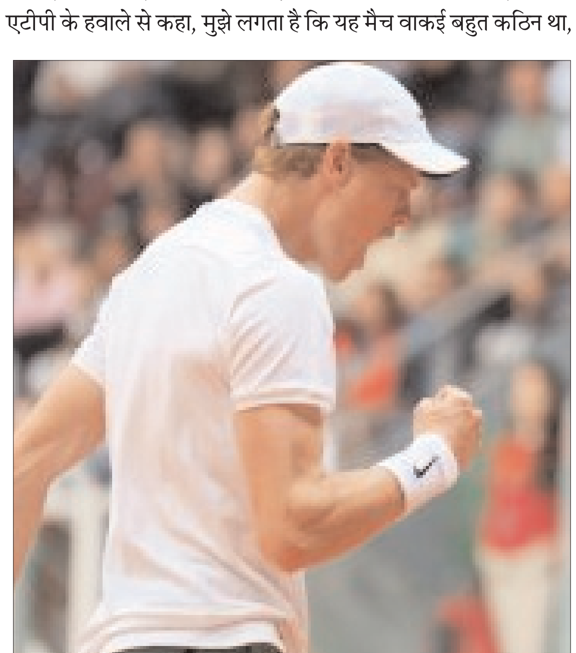

क्योंकि कुछ मौकों पर उन्होंने बहुत अच्छी सर्विस की, इसलिए वापसी करना मुश्किल था। पहले सेट में जब उन्होंने मेरी सर्विस तोड़ी तो मैंने कुछ गलतियां कीं, लेकिन ऐसा हो सकता है। दूसरे सेट में मैंने तुरंत ध्यान केंद्रित करने की कोशिश की, मैंने उनकी सर्विस तोड़ी और आत्मविश्वास का स्तर थोड़ा बढ़ा। उन्होंने कहा, तीसरे सेट के शुरुआती चरणों में जब मैं ब्रेक पॉइंट से पीछे था, तब मैं संघर्ष कर रहा था। मैंने उन्हें पार किया, वास्तव में अच्छी सर्विस की। फिर मुझे थोड़ा बेहतर महसूस हुआ, इसलिए मैं वास्तव में खुश हूं और देखते हैं कि अगले राउंड में क्या होता है। सिनर का अगला मुकाबला काजा मैजिका में पांचवीं वरीयता प्राप्त कैस्पर रूड या फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे से होगा।

पंजाब किंग्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को सात विकेट से हराया

चेन्नई,एजेंसी। जॉनी बेयरस्टो (46), राइली रुसो (43) की दमदार पारियों की बदौलत पंजाब किंग्स ने बुधवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 49वें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स को सात विकेट से हरा दिया है। पंजाब किंग्स की यह चौथी जीत और चेन्नई सुपर किंग्स की पांचवीं हार है। पंजाब किंग्स के गेंदबाजों ने बेहतरीन गेंदबाजी का मुजाहिरा करते हुए चेन्नई सुपर किंग्स को बड़ा स्कोर बनाने से रोका और उसके बाद जॉनी बेयरस्टो और राइली रुसो शानदार बल्लेबाजी करते हुए टीम को जीत की ओर अग्रसर किया। जॉनी बेयरस्टो ने 30गेंदों में सात चौके और एक छक्के की मदद से (46) रन बनाये। वहीं राइली रुसो ने 23 गेंदों में पांच चौके और दो छक्के लगाते हुए (43) रनों की पारी खेली। सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह 10 गेंदों में 13 रन बनाकर आउट हुये। शशांक सिंह 27 और सैम करन 26 रन बनाकर नाबाद रहे। पंजाब ने 17.5 ओवर में तीन विकेट पर 163 रन बनाकर सात विकेट से मुकाबला जीत लिया।

चेन्नई की ओर से शार्दुल ठाकुर, रिचर्ड ग्लीसन और शिवम दूबे ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ (62) और अजिंक्य रहाणे (29) की शानदार पारियों के दम पर चेन्नई सुपर किंग्स ने पंजाब किंग्स को जीत के लिए 163 रनों का लक्ष्य दिया था। आज यहां एम ए चिदंबरम स?टेडियम में पंजाब किंग्स के कप्तान सैम करन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है। पहले बल्लेबाजी करने उतरी चेन्नई की ऋतुराज गायकवाड़ और अजिंक्य रहाणे की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट लिये 64 रन जोड़े। हालांकि इस जोड़ी के बाद कोई बड़ी साझेदारी नहीं हो सकी। नौवें ओवर में हरप्रीत बराड़ ने पहले अजिंक्य रहाणे

24 गेंदों में (29) और इसी ओवर में शिवम दूबे (शून्य) पर आउटकर पंजाब को दोहरी सफलता दिलाई। इसके बाद रवींद्र जडेजा (2) और समीर रिजवी (21) रन बनाकर पवेलियन लौट गये। मोईन अली (15), एमएस धोनी(14) रन बनाकर आउट हुये। ऋतुराज गायकवाड़ ने 48 गेंदों में पांच चौके और दो छक्के लगाते हुये सर्वाधिक (62) रन बनाये। डैरिल मिचेल एक रन बनाकर नाबाद रहे। चेन्नई ने निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 162 रनों का स्कोर खड़ा किया। पंजाब किंग्स की ओर से हरप्रीत बराड़ और राहुल चाहर ने दो-दो विकेट लिये। कगिसो रबाडा और अर्शदीप सिंह एक-एक विकेट मिला।

टी20 विश्व कप के लिए टी नटराजन को नजरअंदाज किए जाने पर तमिलनाडु में विरोध प्रदर्शन

चेन्नई,एजेंसी। टी20 विश्व कप 2024 के लिए भारतीय टीम की घोषणा के बाद, तमिलनाडु में लोग लेफ्ट आर्म मीडियम फ़ास्ट बॉलर टी नटराजन को न चुने जाने के विरोध में उतर आए। अनुभवी डीएमके नेता टीआर बालू के बेटे और तमिलनाडु के उद्योग मंत्री टीआरबी राजा ने भी तेज गेंदबाज की अनदेखी के बाद अपना दुख जाहिर किया। राजा ने कहा कि नटराजन को भारतीय टीम में जगह नहीं मिलना दुर्भाग्यपूर्ण है। राज्य के उद्योग मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, यह देखकर अच्छा लगा कि इस पर व्यापक रूप से चर्चा हो रही है! लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले तमिलनाडु के एथलीटों को कई बार दिल्ली ने उनकी सही जगह से वंचित कर दिया है! यह अब अधिक बार हो रहा है लेकिन यह शासन से परे है।

कई खेलों में दिल्ली इसी तरह से काम करती है दिल्ली ने ज्यादातर समय दक्षिण के कई बेहद प्रतिभाशाली एथलीटों की ओर से आंखें मूंद ली हैं! खेल और विचारधारा से परे कई एथलीट यह जानते हैं! खुशी है कि नटराजन और हमारे अन्य लड़के वास्तव में बेहतर के हकदार हैं। पूर्व भारतीय टेस्ट खिलाड़ी और तमिलनाडु के लिए घरेलू क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वालों में से एक, एस बद्रीनाथ ने भी मंगलवार रात एक स्थानीय तमिल टेलीविजन शो में नटराजन को विश्व कप टीम से बाहर किए जाने पर निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि नटराजन बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे और उन्होंने आईपीएल सीजन में अच्छी संख्या में विकेट हासिल किए थे। उन्होंने कहा, तमिलनाडु के खिलाड़ियों को भारतीय टीम में शामिल होने के लिए अन्य क्षेत्रों के खिलाड़ियों की

तुलना में दोगुना प्रदर्शन करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि वह खुद भारतीय टीम में इस तरह के भेदभाव का शिकार हो चुके हैं। मौजूदा आईपीएल सीज़न में, नटराजन ने सनराइजर्स हैदराबाद के लिए 7 मैचों में 13 विकेट लिए हैं। तमिलनाडु के एक रणजी ट्रॉफी खिलाड़ी ने आईएएनएस से बात करते हुए नाम न छापने की शर्त पर कहा, नटराजन अपने चरम पर प्रदर्शन कर रहे हैं और वह टीम में चुने गए दो तेज गेंदबाजों मोहम्मद सिराज और अर्शदीप सिंह से काफी ऊपर हैं। जबकि सिंह को 11 विकेट मिले हैं। मौजूदा आईपीएल में सिराज के नाम सिर्फ 6 विकेट हैं। उन्होंने कहा, हमें नहीं पता कि नटराजन को जगह क्यों नहीं मिली, जो किसी भी क्रिकेट प्रारूप में बाएं हाथ के घातक तेज गेंदबाज हैं। वह टीम में बुमराह के साथ एक खतरनाक जोड़ी होते।

आईसीसी टी-20 विश्व कपः भारतीय टीम 21 मई को अमेरिका के लिए होगी रवाना

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 के लीग चरण के समाप्त होने के एक दिन बाद टी-20 विश्व कप के लिए 21 मई को अमेरिका के लिए रवाना होगी। क्रिकबज के अनुसार, जो खिलाड़ी आईपीएल प्ले-ऑफ के लिए क्वालीफाई करने वाली टीमों का हिस्सा नहीं होंगे, वे पहले बैच के साथ यात्रा करेंगे, जिसमें राहुल द्रविड़ के सहयोगी स्टाफ के सभी सदस्य शामिल हैं। दूसरा बैच 26 मई को आईपीएल फाइनल के पूरा होने के बाद अमेरिका के लिए उड़ान भरेगा।

टीम न्यूयॉर्क के लिए उड़ान भरेगी, जहाँ उसे तीन लीग मैच, 5 जून (विरुद्ध आयरलैंड), 9 जून (विरुद्ध पाकिस्तान) और 12 जून (विरुद्ध मेजबान अमेरिका), खेलने हैं। प्रारंभिक योजना न्यूयॉर्क में एक शिविर लगाने की है और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) मैनहट्टन से 30 किलोमीटर दूर नासाउ काउंटी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में अभ्यास सुविधाओं की व्यवस्था कर रही है। टीम के लिए लगभग छह ड्रॉप-इन अभ्यास पिचें होंगी। बता दें कि बीसीसीआई ने सोमवार को आईसीसी टी-20 विश्व कप के लिए टीम घोषित कर दी है, जिसमें ऋषभ पंत, और संजू सैमसन की वापसी हुई है, जबकि केएल राहुल को नहीं चुना गया है। आईसीसी टी-20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम- रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पांड्या (उप कप्तान), यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत (विकेट कीपर), संजू सैमसन (विकेट कीपर), शिवम दुबे, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद. सिराज।

ब्रेट ली ने मयंक की चोट से ठीक से नहीं निपटने के लिए एलएसजी की आलोचना की

लखनऊ,एजेंसी। युवा तेज गेंदबाज मयंक यादव मुंबई इंडियंस (एमआई) के खिलाफ आईपीएल 2024 मैच के दौरान असुविधा की शिकायत के बाद मैदान से बाहर चले गए, पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने लखनऊ सुपर जाइंट्स (एलएसजी) पर जमकर निशाना साधा और कहा कि एलएसजी ने तेज गेंदबाज की चोट का अच्छे से प्रबंधन नहीं किया। पेट के निचले हिस्से में दर्द के कारण पांच मैच न खेलने के बाद लखनऊ की ओर से वापसी करने वाले मयंक मंगलवार को अपना चौथा ओवर पूरा किए बिना ही मैदान से बाहर चले गए और 3.1 ओवर में 31 रन देकर एक विकेट हासिल किया। टूर्नामेंट की आधिकारिक स्ट्रीमिंग जियो सिनेमा पर ली ने कहा, साइड स्ट्रेन, या जो कुछ भी वे इसे कह रहे हैं, उसे ठीक होने में आम तौर पर कम से कम चार से छह सप्ताह लगते हैं। हम नहीं जानते कि यह कितना बड़ा स्ट्रेन था, लेकिन किसी ऐसे व्यक्ति के लिए जो अपनी सीमाओं को पार कर रहा है। यह बिल्कुल भी अच्छा प्रबंधन नहीं है। उनका वापस आना और घायल होना, इसका सीधा असर लखनऊ सुपर जायंट्स के नेतृत्व और मेडिकल स्टाफ पर है।

एकमात्र व्यक्ति जिसे यह कीमत चुकानी पड़ी है, वह बेचारा युवा मयंक है, जो सिर्फ तेज है। आईपीएल में हर कोई यह देखना पसंद करता है कि वह क्या लेकर आया है... आप चाहते हैं कि उसे सही सलाह मिले, इसलिए उसे ऐसा नहीं करना पड़ेगा आगे बढ़ें और इसे आत्मसात करें, अब, इसका सबसे अधिक

मतलब यह होगा कि अगर कोई चोट लगती है तो वह विश्व कप से बाहर हो जाएंगे। इस बीच, भारत के पूर्व बल्लेबाज सुरेश रैना ने भी मयंक की चोट और स्टार इंडिया और एमआई पेसर जसप्रीत बुमराह के साथ उनकी बातचीत पर चर्चा की। रैना ने एलएसजी के युवा खिलाड़ी से बात करने के एमआई दाएं हाथ के तेज गेंदबाज के सराहनीय कार्य की प्रशंसा की, और इस बात पर प्रकाश डाला कि मयंक को बुमराह के शब्दों से चोट प्रबंधन पर मूल्यवान जानकारी प्राप्त हुई है। युवा खिलाड़ी से बात करना बुमराह का एक शानदार इशारा था। उनके पास बहुत अनुभव है। जब मयंक उनसे मिलेंगे, तो वह चोट की देखभाल के बारे में बुमराह के शब्दों से बहुत कुछ सीखेंगे। चोट से वापसी करना आसान नहीं है रैना ने कहा, टीम डॉक्टर वैभव डागा पहले भी बीसीसीआई के साथ काम कर चुके हैं और उन्होंने बुमराह को फिटनेस हासिल करने में भी मदद की है। उन्होंने निष्कर्ष निकाला, जब मयंक लाल गेंद और सफेद गेंद से अधिक गेंदबाजी करता है, तो मैं उसे टेस्ट मैचों में देखना चाहता हूं जब हम ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड या न्यूजीलैंड में खेलते हैं। हमने कुछ समय से भारत में ऐसी गति नहीं देखी है। बुमराह ने अब उसे जो सुझाव दिया है वह एक दिन अमूल्य होगा।

जोकोविच ने लंबे समय के फिटनेस कोच मार्को पैनिची का साथ छोड़ा

मेड्रिड। नोवाक जोकोविच ने घोषणा की है कि वह फिटनेस कोच मार्को पैनिची से अलग हो गए हैं, जो मार्च में पूर्व कोच गोरान इवानिसेविच से अलग होने के बाद उनकी सहयोगी टीम में नए बदलाव हैं। पिछले सात वर्षों से, 36 वर्षीय मार्को पैनिची के साथ सहयोग कर रहे हैं, लेकिन अब वे एक नए रास्ते पर चलने के लिए तैयार हैं। एक सोशल मीडिया पोस्ट में नोवाक जोकोविच ने मार्को पैनिची को उनकी सेवाओं के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने लिखा, मार्को, हमने कितने अद्भुत वर्षों का आनंद लिया है। हम शिखर पर पहुंचे, खिताब जीते, रिकॉर्ड तोड़े। लेकिन सबसे बढ़कर मैंने जिम के अंदर और बाहर प्रशिक्षण के हमारे सबसे सामान्य दिनों का आनंद लिया।

पिछले महीने जोकोविच ने घोषणा की थी कि वह कोच इवानिसेविच से अलग हो गए हैं। 36 वर्षीय खिलाड़ी ने पिछले हफ्ते 2023 सीज़न के बाद रिकॉर्ड की बराबरी करते हुए पांचवीं बार लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्समैन ऑफ द ईयर का पुरस्कार

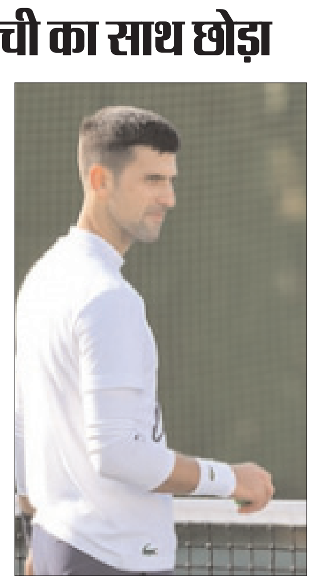

जीता, जिसमें उन्होंने चार में से तीन मेजर और निट्टो एटीपी फाइनल्स जीते। इस सीजन में सर्बियाई खिलाड़ी का स्कोर 11-4 है और उसने हाल ही में मोंटे-कार्लो में प्रतिस्पर्धा की थी, जहां वह सेमीफाइनल में पहुंचा था। अपने कार्यक्रम को सावधानीपूर्वक प्रबंधित करने के लिए उन्होंने मैड्रिड मास्टर्स 1000 से अपना नाम वापस ले लिया।

थॉमस कपः भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम इंडोनेशिया से हारी

चेंगदू,एजेंसी। भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम को बुधवार को थॉमस और उबेर कप टूर्नामेंट में इंडोनेशिया के खिलाफ 4-1 से हार का सामना करना पड़ा। दिन के पहले मुकाबले में भारतीय शटलर एचएस प्रणॉय ने एंथोनी सिनीसुका गिंटिंग 13-21, 21-12, 21-12 से हराकर भारत को जीत के साथ शुरुआत दिलाई। बैडमिंटन वर्ल्ड रैंकिंग में 7वें स्थान पर मौजूद भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी ने 9वें स्थान पर काबिज़ इंडोनेशियाई खिलाड़ी के खिलाफ पहला गेम गंवाने के बाद बैक-टू-बैक दोनों गेम जीतकर यह मुकाबला अपने नाम कर लिया।

वहीं दिन के दूसरे मुकाबले में चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी की युगल जोड़ी को इंडोनेशियाई जोड़ी के खिलाफ 24-22, 22-24, 21-19 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय जोड़ी को मुहम्मद शोहीबुल फिक्री और बागास मौलाना की जोड़ी के खिलाफ पहले गेम में हार मिली, लेकिन अगले गेम में भारतीय जोड़ी ने वापसी की और कड़ी टक्कर देते हुए 24-22 से अपने नाम कर लिया। हालांकि, निर्णायक गेम में भारतीय जोड़ी को हार का सामना करना पड़ा।

इसके बाद भारतीय टीम को अपने अगले दो पुरुष एकल और युगल सहित तीनों गेम में हार झेलनी पड़ी, जहां लक्ष्य सेन को जोनाथन क्रिस्टी ने 21-18, 16-21, 21-17 के स्कोर से हराया। एक घंटा 15 मिनट तक चले मुकाबले में भारतीय

शटलर ने इंडोनेशियाई शटलर को कड़ी टक्कर ज़रूर दी, लेकिन निर्णायक गेम में उन्हें हार मिली।

इसके अलावा पुरुष युगल मुकाबले में ध्रुव कपिला और साई प्रतीक की जोड़ी को सीधे गेम में हार का सामना करना पड़ा। इंडोनेशियाई जोड़ी लिओ रोली कार्नांडो और डेनियल मार्थिन ने भारतीय जोड़ी को 38 मिनट तक चले मुकाबले में 22-20, 21-11 से शिकस्त दी। पुरुष एकल में किदांबी श्रीकांत को चिको औरा ने तीसरे और निर्णायक गेम में हराया। एक घंटा 11 मिनट तक चले इस मुकाबले में भारतीय शटलर को 21-19, 22-24, 14-21 से हार मिली। इसके साथ ही भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम को इंडोनेशिया के खिलाफ 4-1 से झेलनी पड़ी। भारत ग्रुप स्टेज मुकाबले में इंग्लैंड और थाईलैंड को हराकर पहले ही क्वार्टरफाइनल के लिए क्वालीफाई कर चुका है। और महिला टीम ने अपने ग्रुप में दूसरी सर्वश्रेष्ठ टीम के रूप में क्वार्टरफाइनल में पहुंच चुकी है जहां उसका मुकाबला जापान से होगा और विजेता टीम सेमीफाइनल में डेनमार्क या चीन से भिड़ेगी।

एक नजर

पहले दो चरण ने सत्ता परिवर्तन की नींव रख दी हैः राजीव शुक्ला

लखनऊ,एजेंसी। राज्यसभा सांसद एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री राजीव शुक्ला ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को अवसरवादी करार देते हुये कहा कि लोकसभा के पहले दो चरणों के मतदान ने सत्ता परिवर्तन की नींव रख दी है। कांग्रेस के प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत में उन्होने कहा कि बीते दो चरणों के मतदान से यह जाहिर हो गया है कि मोदी सरकार के खिलाफ जबरदस्त अंडर करंट है।400 पार का नारा अब प्रधानमंत्री खुद ही अपने भाषणों में इस्तेमाल नहीं करते।400 पार तो छोड़िए, श्री मोदी ने अब मोदी की गारंटी की बात भी कहनी बंद कर दी है और सच तो यह है कि वह फिर अपनी पुरानी बात हिन्दू मुसलमान पर आ गये हैं। उन्होने कहा कि दुर्भाग्य यह है कि भाजपा के राष्ट्रीय स्तर के नेता भी कांग्रेस के घोषणा पत्र ''न्याय पत्र'' को लेकर झूठ फैला रहे हैं। राजनीति में शुचिता, मर्यादा, को भाजपा के नेताओं ने एकदम खत्म कर दिया है।अटल जी की विरासत को भी भाजपा ने भुला दिया है। श्री शुक्ल ने कहा कि आज की भाजपा कहती है कि इस देश में जो हुआ सब 2014 के बाद ही हुआ मगर सच यह है कि देश के विकास में सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों का योगदान है। उन्होने कहा कि भाजपा अपने कार्यकर्ताओं की उपेक्षा कर रही है और आयातित नेताओं को टिकट बांट रही है।जैसे हरियाणा में 10 में छह टिकट बाहर से आये नेताओं को दिया गया।आज भी लगभग 100 से 150 टिकट दूसरी पार्टी के नेताओं को दिये गये हैं। मंत्रिमंडल में नेताओं के बजाय अफसरों को मंत्री बनाया जा रहा है।सभी महत्वपूर्ण मंत्रालय पूर्व अफसरों के पास हैं। श्री शुक्ला ने कहा कि दो बीते चरणों के चुनाव में वोटों का प्रतिशत कम रहने का अर्थ है कि भाजपा कार्यकर्ता ही भाजपा के खिलाफ खड़ा हो गया है।साथ ही महंगाई और बेरोजगारी को लेकर भी आम मतदाता मोदी सरकार से नाराज है।

लाडली बहना योजना की राशि कभी बंद नहीं होगी-यादव

भिंड। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन ने आज कहा कि लाड़ली बहना योजना सहित कोई भी योजना बंद नहीं की जाएगी। डॉ यादव ने जिले के लहार में जनसभा को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि आने वाली पांच मई को सभी लाड़ली बहनों को 1250 रुपए दिए जाएंगे और यह 1250 रुपए नियमित रूप से मिलते रहेंगे। उन्होंने कहा कि चंबल, पार्वती और काली सिंध योजना में चंबल सहित पूरे बेल्ट में बहुत कार्य किया जा रहा है। बुंदेलखंड में केन और बेतवा नदी पर 45 हजार करोड़ की योजना चलाई जा रही है। इस योजना को बीस साल पहले स्वीकृत हो जाना चाहिए था, मगर राजस्थान की कांग्रेस सरकार लगातार अड़ंगा लगाती रही, क्योंकि कांग्रेस का काम ही अड़ंगा लगाना है।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने खेत पर बैठे किसान और सीमा पर तैनात जवान में कोई फर्क नहीं किया और दोनों को ही बराबर सम्मान दिया है। प्रधानमंत्री ने किसानों को किसान सम्मान निधि देकर उनका सम्मान किया है। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का जिक्र करते हुए कहा कि उनके अहम योगदान से ही आज हम बीमारू राज्य की श्रेणी से बाहर हैं। डॉ यादव ने पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी पर हमला बोलते हुए कहा कि एक साहबजादे कल आपके जिले में आए थे।वो भिण्ड में मंच पर एक लाल किताब हाथ में लेकर कह रहे थे कि अगर अब भाजपा सरकार आई तो वह देश का संविधान बदल देगी। उनको यही नहीं मालूम कि केन्द्र में भाजपा की ही सरकार पिछले दस साल से है। श्री गांधी मंच पर जिस लाल किताब को दिखाकर संविधान कह रहे थे। वह किताब संविधान की नहीं बल्कि बाजार में मिलने वाली लाल किताब थी, जिसमें जादू सिखाया जाता है। उन्होंने कहा कि भिण्ड जिले के सबसे ज्यादा वीर सपूत देश की सीमा पर भारत माता की सेवा कर रहे हैं।

चुनाव आयोग ने भाजपा सहयोगियों के फायदे के लिए अनंतनाग-राजौरी चुनाव टाला: महबूबा

श्रीनगर,एजेंसी। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष एवं जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने बुधवार को आरोप लगाया कि चुनाव आयोग ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सहयोगियों के पक्ष में मतदाताओं को लुभाने के लिए जानबूझकर अनंतनाग-राजौरी लोकसभा सीट पर चुनाव टाला है। सुश्री मुफ्ती ने यह भी आरोप लगाया कि यह कदम लोगों को जम्मू-कश्मीर की पहचान और संसाधनों पर चल रहे हमले के खिलाफ अपने मताधिकार का प्रयोग नहीं करने से डराने के लिए था। चुनाव आयोग ने मंगलवार को प्रतिकूल मौसम की स्थिति के कारण साजो-सामान संबंधी मुद्दों का हवाला देते हुए अनंतनाग-राजौरी संसदीय सीट पर मतदान की तारीख सात मई से बढ़ाकर 25 मई कर दी थी।

चुनाव आयोग की फैसले पर केन्द्रशासि प्रदेश की दो प्रमुख पार्टियों नेशनल कांफ्रेंस और पीडीपी ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। पीडीपी अध्यक्ष ने राजौरी की मनियाल गली में चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए जम्मू-कश्मीर की विशिष्ट पहचान की सुरक्षा के लिए मौजूदा लोकसभा चुनाव के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि चुनाव केंद्र सरकार को एक स्पष्ट संदेश भेजने का अवसर प्रदान करेंगे कि पांच अगस्त, 2019 को और उसके बाद लिए गए निर्णयों को रद्द किया जाना चाहिए। सुश्री मुफ्ती ने कहा कि ऐसा लगता है कि चुनावी प्रक्रिया में हेरफेर करने के लिए अधिकारियों और चुनाव आयोग के बीच मिलीभगत है। उन्होंने कहा, सरकार ने मेरे लिए यह रास्ता और खतरनाक बनाने के वास्ते जानबूझकर यहां चुनाव की तारीख बढ़ा दी है और जिन अधिकारियों ने चुनाव में देरी की है, उन्होंने इसके लिए कोई कारण नहीं बताया है। इससे सवाल उठता है कि क्या ये अधिकारी भी आयोग के साथ मिलीभगत कर रहे हैं? पूर्व मुख्यमंत्री ने सुदूर क्षेत्र और चुनाव प्रचार की चुनौतियों के बावजूद इस क्षेत्र से चुनाव लड़ने का दृढ़ संकल्प व्यक्त किया। उन्होंने कहा, मैं चाहती हूं कि आप मेरे संकल्प को मजबूत करें और मेरी जीत सुनिश्चित करें ताकि मैं उसी साहस और दृढ़ संकल्प के साथ संसद में आपका प्रतिनिधित्व कर सकूं। उन्होंने उस वायरल वीडियो की निंदा की जिसमें एक भाजपा नेता मतदाताओं को पार्टी के उम्मीदवारों का समर्थन नहीं करने पर 1947 की याद दिलाने वाले परिणाम भुगतने की धमकी दे रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि मतदान में देरी का उद्देश्य मतदाताओं के बीच डर पैदा करना है।

जेपी नड्डा के धर्म के आधार पर आरक्षण का किया विरोध

शिवमोग्गा (कर्नाटक)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बाबा साहब डॉ. बीआर अंबेडकर के विचारों का हवाला देते हुये धार्मिक आधार पर आरक्षण का कड़ा विरोध जताया है। श्री नड्डा ने विपक्ष पर भारत को बांटने की कोशिश करने का आरोप लगाया और दावा किया कि भाजपा उनके मंसूबों का पर्दाफाश करेगी। श्री नड्डा ने कर्नाटक में कल देर शाम एक बैठक के दौरान अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) कोटा से मुसलमानों के लिये चार प्रतिशत आरक्षण के आवंटन की आलोचना की। उन्होंने अविभाजित आंध्र प्रदेश में अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और ओबीसी के लिये आरक्षण को मुस्लिम समुदाय में बांटने की आलोचना की थी और धार्मिक-आधारित आरक्षण के विरुद्ध अम्बेडकर के विचार पर जोर दिया था। उन्होंने कहा,तत्कालीन आंध्र प्रदेश राज्य में मुस्लिम समुदाय द्वारा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़े वर्गों के लिये दिये गये आरक्षण को लूटने के बार-बार प्रयास किए गए। श्री नड्डा ने कहा, इस पर हमारा विरोध मुसलमानों के खिलाफ नहीं है बल्कि बीआर अंबेडकर ने स्पष्ट रूप से कहा था कि आरक्षण धार्मिक आधार पर नहीं होना चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री सिद्दारमैया पर विभाजनकारी राजनीति और धार्मिक बयानबाजी में शामिल होने का भी आरोप लगाया और समुदायों को विभाजित करने पर उनके कथित प्रयास की आलोचना की और राज्य में भाजपा की विकासोन्मुख नीतियों की चर्चा की। भाजपा प्रमुख ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) की तुलना में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के तहत कर्नाटक में आवंटित विकास परियोजनाओं के लिये धन में 275 प्रतिशत की वृद्धि हुयी है। उन्होंने बेंगलुरु-मैसूर एक्सप्रेसवे, बेंगलुरु उपनगरीय रेलवे परियोजना और भारत माला पहल के तहत राजमार्ग निर्माण सहित प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की चर्चा की। श्री नड्डा ने विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए उन पर भ्रष्ट व्यक्तियों को बचाने का आरोप लगाया और कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन आगामी चुनावों में 400 सीटों के आंकड़े को बहुत आराम से पार कर लेगा।

कांग्रेस ने देश को गर्त में ले जाने का काम कियाः उमा

शिवपुरी,एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की वरिष्ठ नेता एवं मध्यप्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने आरोप लगाते हुए आज कहा कि कांग्रेस ने अपने शासनकाल में देश को गर्त में ले जाने का काम किया है। सुश्री भारती ने गुना-शिवपुरी लोकसभा के पिछोर में भाजपा प्रत्याशी ज्योतिरादित्य सिंधिया के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि देश में इमरजेंसी कांग्रेस ने लगाई, कुर्सी हासिल करने के लिए देश का बंटवारा किया। देश में सिख दंगे करवाए। यह सब कांग्रेस की करतूतें हैं। कांग्रेस ने पूर्व में इतनी गलतियां और करतूतें की है कि आज कांग्रेस के बारे में कहने को कुछ नहीं बचा है।देश की जनता कांग्रेस के बारे में सब जानती है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस को अगर भाजपा का सामना करना है तो उसे अपने आपको एक विकल्प के रूप में प्रस्तुत करना होगा। जनता को यह बताना होगा कि वो किस तरह हमसे बेहतर देश चला सकते हैं। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल हमेशा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपशब्द कहते हैं। लेकिन श्री मोदी ने देशवासियों को भारतीय होने का गौरव प्रदान किया है। देश में अमीर-गरीब का अंतर घट रहा है और विश्व में भारत का नाम हो रहा है। सुश्री भारती ने कहा कि श्री मोदी ने देश के आम नागरिकों को ध्यान में रखते हुए तमाम योजना चलाई हैं, जिसके कारण आम लोगों को इसका लाभ मिल रहा है। पांच सौ साल के इंतजार के बाद अयोध्या में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा हो गई है। इस घड़ी का 500 साल से इंतजार था। हमारे राम आ गए हैं अब राम राज्य की जरूरत है। राम राज्य में प्रधानमंत्री श्री मोदी के सहयोगी के रूप में हनुमान और लक्ष्मण चाहिए। यह भूमिका पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और मेरे भतीजे श्री सिंधिया निभा सकते हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री ने स्व राजमाता विजयाराजे सिंधिया को याद करते हुए कहा कि उनकी विनम्रता और सरलता का कोई जवाब नहीं था। उन जैसा प्यार और दुलार मुझे आज तक नहीं मिला। सन 1959 में राजमाता विजयाराजे सिंधिया ने सबसे पहले मध्यप्रदेश में जनसंघ की सरकार बनाई। राजमाता की तरह ही उनके प्रपौत्र श्री सिंधिया ने कुछ साल पहले श्री कमलनाथ की सरकार गिरा दी थी, क्योंकि श्री कमलनाथ ने किसानों की कर्ज माफी का वादा पूरा नहीं किया। उन्होंने कहा कि वे मतदाताओं से आग्रह करतीं हैं कि उनके भतीजे को अधिक से अधिक वोटों से जिताएं। हमें श्री मोदी को मध्यप्रदेश से 29 कमल के फूलों की माला पहनानी हैं। इस माला में गुना-शिवपुरी का कमल सबसे अलग दिखना चाहिए। इसलिए श्री सिंधिया को ऐतिहासिक जीत दिलाएं।सभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री और भाजपा प्रत्याशी श्री सिंधिया ने कहा कि 7 मई को सभी लोग वोट डालने के लिए आएं।उन्होंने कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री श्री मोदी की सरकार है। प्रदेश में डॉ मोहन यादव की सरकार है।यह समय मुझे सांसद बनाकर इस डबल इंजन की सरकार को ट्रिपल इंजन की सरकार में बदलने का समय है।उन्होंने कहा कि बीते 17 साल में विकास के मंत्र के साथ काम किया है।

कांग्रेस ने प्रज्वल पर कार्रवाई से पहले वोक्कालिगा वोट का किया इंतजार: शाह

हुबली,एजेंसी। पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के पोते प्रज्वल रेवन्ना से जुड़े विवाद ने राजनीतिक मोड़ ले लिया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस ने हासन सांसद के खिलाफ कार्रवाई में तब तक देरी की जब तक कि वोक्कालिगा समुदाय ने वोट नहीं दे दिया।

श्री शाह ने आरोप लगाया, कांग्रेस को सब कुछ पता था लेकिन वोक्कालिगाओं के वोट देने का इंतजार किया। वोक्कालिगा बेल्ट का चुनाव खत्म होने तक उन्होंने कोई कार्रवाई नहीं की, आपने राजनीति की और उसे (प्रज्वल) भागने दिया।उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि भाजपा महिलाओं के खिलाफ अपराधों के खिलाफ मजबूती से खड़ी है और अपराधियों को बचाने के किसी भी प्रयास की निंदा की। उन्होंने कहा, अगर आपमें हिम्मत है तो सच बोलिए, आपकी वजह से जघन्य अपराध करने वाला एक व्यक्ति बच गया...भले ही वे जनता दल (एस) हमारे सहयोगी हैं, हमारा रुख स्पष्ट है, ऐसे अपराध करने वालों को कड़ी से कड़ी सजा दिए जाने की जरूरत है सज़ा। गृह मंत्री ने शहर के नेहरू मैदान में एक विशाल चुनावी रैली को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। यह विवाद मतदान के दिन से ठीक दो दिन पहले तब भड़का जब कथित तौर पर प्रज्वल से जुड़े अश्लील वीडियो सामने आए।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने 26 अप्रैल को पहले चरण के चुनाव के बाद आरोपों की विशेष जांच दल (एसआईटी) जांच की घोषणा की। इसके बाद, 28 अप्रैल को श्री प्रज्वल और उनके विधायक पिता के खिलाफ उनकी नौकरानी ने कई वर्षों तक यौन उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए एक प्राथमिकी दर्ज की थी।इसकी प्रतिक्रिया में श्री प्रज्वल को जांच लंबित रहने तक जनता दल (एस)से निलंबित कर दिया गया। एसआईटी ने प्रज्वल और उनके पिता रेवन्ना दोनों को समन जारी किया है। केंद्रीय गृह मंत्री का आरोप सामने आ रहे घोटाले में एक नया आयाम जोड़ता है और इन घटनाक्रमों के मद्देनजर कर्नाटक में राजनीतिक परिदृश्य तेजी से गर्म हो गया है। फिलहाल कांग्रेस सरकार ने अभी तक श्री शाह के आरोपों का जवाब नहीं दिया है।

कांग्रेस ने मारा हिमाचल में श्रमिकों का हक़: अनुराग ठाकुर

शिमला,एजेंसी। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने मजदूर दिवस के मौके पर बुधवार को हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार की ओर से श्रमिकों ही हित में भारतीय जनता पार्टी सरकार द्वारा शुरू की गई योजनाओं को बंद करने पर कांग्रेस को 'श्रमिक विरोधी' कहा है।

श्री ठाकुर ने कहा,''मोदी सरकार ने श्रमिकों के उत्थान व कल्याण के लिए अनेक योजनाएँ चलाईं। हिमाचल में श्रमिकों के हितों के लिए 2009 में पूर्व मुख्यमंत्री श्री प्रेम कुमार धूमल जी द्वारा हिमाचली मजदूरों के कल्याण हेतु गठित हिमाचल प्रदेश भवन एवं सन्निर्माण कामगार कल्याण बोर्ड का गठन किया था। उन्होंने कहा कि धूमल-सरकार द्वारा शुरू इस कार्यक्रम को जयराम ठाकुर-सरकार ने भी चालू रखा था जिससे अब तक प्रदेश के श्रमिकों को कई तरह की मदद मिलती थी जैसे बेटियों की शादी और बच्चों की पढ़ाई लिखाई हेतु आर्थिक मदद, साइकिल, सौर लालटेन, सिलाई मशीन इत्यादि। इसके लिए हमने प्रदेश में विकासात्मक योजनाओं के भुगतान सहित अन्य उपक्रमों में एक प्रतिशत लेबर से लगाया था। लेकिन प्रदेश में कांग्रेस सरकार बनने के पश्चात अब तक इस बोर्ड के माध्यम से प्रदेश के कामगारों को मिलने वाले सभी लाभ बंद कर दिए गए हैं''। श्री ठाकुर ने कहा कि इस सरकार ने आते ही इस बोर्ड के तहत पंजीकृत किए जाने वाले कामगारों के लिए नए दिशा निर्देश जारी कर दिए और मनरेगा के कामगारों को इस योजना के लाभ ले सकने वाली योग्य सूची से हटा दिया। इसके अलावा किसी भी कार्य जिसके तहत काम कर रहे कामगार इस योजना या बोर्ड में पंजीकृत हो सकते हैं उसकी कम से कम राशि भी 10 लाख तय कर दी। इसी प्रकार अन्य कई जटिल रूल रेगुलेशन लागू कर दिए गए जिससे प्रदेश के श्रमिक इस बोर्ड से लाभ न ले सकें। आख़िर कांग्रेस को श्रमिकों से इतनी नफ़रत क्यों है, आख़िर कांग्रेस श्रमिकों का हित क्यों नहीं देख पा रही''। श्री ठाकुर ने कहा,''हिमाचल प्रदेश की जनता आने वाले उपचुनाव और लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को इन श्रमिक विरोधी नीतियों के लिए दंड देगी और प्रदेश और केंद्र में डबल इंजन की भाजपा सरकार बनाएगी। एक ओर कांग्रेस है जो सदैव श्रमिक विरोधी राजनीति करती है और वहीं दूसरी और मोदी जी हैं जो श्रमिकों को नए भारत का निर्माणकर्ता बताते हैं, उनपर फूल बरसाकर उन्हें विशेष अथिति बनाते हैं और उनके पैर भी धोते हैं। श्री ठाकुर ने बताया कि हमारी सरकार ने श्रमिकों के कल्याण और सुरक्षा के लिए श्रम संहिता संबंधित ऐतिहासिक तीन विधायकों को संसद से पारित किया और असंगठित श्रमिकों के लिए ई-श्रम पोर्टल विकसित किया। ई-श्रम कार्ड योजना के तहत असंगठित क्षेत्र से जुड़े श्रमिक और कामगारों को दैनिक जीवन के गुजर बसर के लिए सरकार द्वारा प्रति माह 1000 की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। इस योजना का लाभ उठाने के लिए अब तक 29 करोड़ से अधिक मजदूर इस पोर्टल पर अपना रजिस्ट्रेशन कर चुके हैं। इसके अलावा प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के माध्यम से मात्र 436 रुपए सालाना खर्च करके श्रमिक दो लाख के टर्म इंश्योरेंस का लाभ उठा रहे हैं। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना से उन्हें दो लाख तक का इंश्योरेंस कवरेज भी मिल रहा है। हमारी सरकार ने 2019 में प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन पेंशन योजना शुरू की थी जिसे अभी तक 42 करोड़ कामगारों के ऊपर लागू किया जा चुका है। आज लगभग 21 करोड़ श्रमिक भाई बहन वन नेशन वन राशन कार्ड का लाभ उठा रहे हैं और लगभग 12 करोड़ श्रमिक भाई बहन आयुष्मान भारत योजना का लाभ उठा रहे हैं।

किसी भी प्रधानमंत्री को केवल धर्म के बारे बात नहीं करनी चाहिए: सुखबीर सिंह बादल

चंडीगढ़। शिरोमणी अकाली दल (शिअद) के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने बुधवार कहा है कि किसी भी प्रधानमंत्री को अकेले एक धर्म के बारे बात नही करनी चाहिए और कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह किसानों या किसानों के बारे में बात करने के बजाय एक धार्मिक समुदाय के सदस्यों को दूसरे के खिलाफ लड़ने के लिए उकसा रहे हैं। श्री बादल इंडियन नेशनल लोकदल(इनेलो) के जनरल सचिव अभय चैटाला के कुरूक्षेत्र लोकसभा सीट के लिए नामांकन पत्र दाखिल करते समय उनके साथ थे। इसके बाद उन्होने इनेलो की एक विशाल रैली को संबोधित किया।

श्री बादल ने रैली को संबोधित करते हुए कहा,''हमारा देश हिंदू, सिख, ईसाई यां मुस्लिम सभी का है। देश के प्रधानमंत्री सभी का प्रतिनिधित्व करते हैं और उन्हे अकेले एक धार्मिक समुदाय की ओर से कोई कदम नही उठाना चाहिए। उन्हे सिर्फ दो तीन कारोबारियों का प्रतिनिधित्व करने के बजाय करोड़ों किसानों और गरीबों की भलाई के बारे में बात करनी चाहिए। उन्होंने इनेलो को मजबूत करने का आहवाहन करते हुए कहा कि यह अकाली दल जैसी ही क्षेत्रीय पार्टी है। उन्होने कहा,''ये दोनों क्षेत्रीय पार्टी किसानों की भलाई के लिए खड़ी रही हैं।'' उन्होने कहा कि इसके विपरीत भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जैसी राष्ट्रीय पार्टी ने किसानों यां यहां तक कि उनके सहयोगी अकाली दल की सलाह के बिना तीन कृषि कानून बनाए। यही कारण है कि हमने एनडीए सरकार को छोड़ने का फैसला किया। भाईसाहिब अभय सिंह चैटाला ने विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। हम दोनों ने ऐसा इसीलिए किया क्योंकि हम किसानों की तकलीफ समझते हैं और अन्नदाता के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कि कैसे भाजपा ने अकाली दल के राजग सरकार छोड़ने के बाद उसके साथ लड़ाई शुरू कर दी। सरदार बादल ने कहा,''महाराष्ट्र में भाजपा सरकार ने तख्त श्री हजूर साहिब का नियंत्रण आरएसएस को सौंप दिया गया है।'' उन्होने कहा कि इसी तरह शिरोमणी गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) को तोड़ दिया गया और आरएसएस को इसका नियंत्रण देने के लिए हरियाणा में एक अलग गुरुद्वारा कमेटी बनाई गई। उन्होने कहा, ''विधानसभा चुनाव में 92 सीटें जीतने वाली पार्टी का अब पंजाब में संसदीय चुनाव में सफाया होना तय है।

मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी, सैफुल्लाह सिद्दिकी द्वारा आरडी प्रिंटिंग एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-08, नोएडा (यूपी), से छपवा कर एन-81, बटला हाउस, जामिया नगर पुलिस स्टेशन, जामिया नगर, नई दिल्ली-110025 से प्रकाशित किया। सर्वाधिकार सुरक्षित, किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र दिल्ली होगा। (संपादक- सैफुल्लाह सिद्दिकी)